



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 15, 1975 (फाल्गुन 24, 1896)

No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 15, 1975 (PHALGUNA 24, 1896)

इस भाग में मिसन पृष्ठ संख्या वो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस

NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 28 फरवरी 1973 तक प्रकाशित किए गए हैं—

The undermentioned Gazzettes of India Extraordinary was/were published up to the 26th February 1975:—

प्रक Issue	म० श्रीर तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
सं० आर० एस० 1/1/75-	राज्य सभा भविवालय एल०, दिनाक 20 जनवरी, 1975।	राज्य सभा को सोमवार 17 फरवरी 1975 की मध्याह्न पूर्व 11 बजे नई दिल्ली में समवेत होने के लिए घासंत्रण।	
13. No. R. S. 1/1/75-L, dated	Rajya Sabha Secretariat the 20th January, 1975	Summoning of Rajya Sabha on Monday, the 17th February, 1975 at New Delhi at 11 A.M.	
म० प्रतिअदायगी/पी० न०-3/ 75, दिनाक 22 जनवरी	वित्त मंत्रालय 1975।	मार्वजनिक सूचना स० प्रतिअदायगी/पी० न०-1, दिनाक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में सशोधन।	
14. No. DRAWBACK/PN-3/ 75, dated the 22nd Janu- ary, 1975.	Ministry of Finance सं० प्रतिअदायगी/पी० न०-4 75, दिनाक 22 जनवरी, 1975।	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971. —तदैव— सार्वजनिक सूचना स० प्रतिअदायगी/पी० न०-1, दिनाक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में सशोधन।	
No. DRAW BACK/PN-4/ 75, dated the 22nd Janu- ary, 1975	Do.	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.	

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम माँग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। माँग-पत्र नियन्त्रक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिए।

Copies of the Gazzettes Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these Gazzettes.

अंक Issue	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
	सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०- 5/75, दिनांक 22 जनवरी, 1975।	वित्त मंत्रालय	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
	No. DRAWBACK/PN-5/ 75, dated the 22nd Janu- ary, 1975.	Ministry of Finance	Amendments in the Table in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०- 6/75, दिनांक 22 जनवरी, 1975।	—तदैव—	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
	No. DRAWBACK/PN- 6/75, dated the 22nd Janu- ary, 1975.	Do.	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० ५-आई० टी० सी० (पी० वाणिज्य मंत्रालय एन०)/75, दिनांक 24 जनवरी, 1975।		अप्रैल 1974—मार्च 1975 अवधि के लिए पंजीकृत नियांत्रिकों के लिए आयात नीति।
15.	No. 5-ITC(PN)/75, dated the 24th January, 1975.	वित्त मंत्रालय	Import Policy for Registered Exporters for the period April 1974—March, 1975.
	सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०- 7/75, दिनांक 24 जनवरी, 1975।		सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
16.	No. DRAWBACK/PN- 7/75, dated the 24th January, 1975.	Ministry of Finance	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०- 8, दिनांक 24 जनवरी, 1975।	—तदैव—	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
	No. DRAWBACK/PN- 8/75, dated the 24th January, 1975.	Do.	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० ६-आई० टी० सी० वाणिज्य मंत्रालय (पी० एन०)/75, दिनांक 25 जनवरी, 1975।		अप्रैल 1974—मार्च 1975 वर्ष के लिए आयात नीति।
17.	No. 6-ITC(PN)/75, dated the 25th January, 1975.		Import Policy for the year April, 1974—March, 1975.
	सं० ३-ई० टी० सी० (पी० वाणिज्य मंत्रालय एन०)/75, दिनांक 25 जनवरी, 1975।		भारत सरकार द्वारा बांगला देश सरकार को 2 करोड़ रुपये के लिए बढ़ाए गए पर्यावरण अनुदान के मद्दे नियंत्रित।
18.	No. ETC(PN)/75, dated the 25th January, 1975.		Export against Commodity Grant of Rs. 20 million extended by the Government of India to the Govt. of Bangladesh.
	सं० ६-प्रेज०/75, दिनांक 26 राष्ट्रपति सचिवालय जनवरी, 1975।		श्री वराहगिरि वैकट गिरि को भारत रत्न प्रदान।
19.	No. 6-Pres/75, dated the President's Secretariat 26th January, 1975.		Bharat Ratna to Shri Varahagiri Venkata Giri.
	सं० ६ प०-प्रेज०/75, दिनांक 26 जनवरी 1975।	—तदैव—	पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री प्राप्त करने वाले के नाम।
	No. 6A-Pres/75, dated the 26th January, 1975.	Do.	Recipients of Padma Vibhushan, Padma Bhushan and Padma Shri.
	मं० २१०२१/८/७५-प्रशा०- III, ग०, दिनांक 26 जनवरी, 1975।	वित्त मंत्रालय	केन्द्रीय नाकोटिक्स ब्यूरो, ग्वालियर के अधिकारियों को श्रगाधारण प्रशासनीय सेवा के लिए प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान।
20.	No. 21021/8/74-Ad. III. B, Ministry of Finance dated the 26th January, 1975.		Awarding of Appreciation Certificate for exceptionally meritorious service to officers of the Central Bureau of Narcotics, Gwalior.

अंक Issue	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
	सं० 21021/8/74-प्रशा०- III-ख, दिनांक 26 जनवरी, जनवरी, 1975। No. 21021/8/74-Add. III- B, dated the 26th January, 1975.	-तदैव-	सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादनशुल्क समाहर्ता-वार्यालय, कोचीन के अधिकारियों को असाधारण प्रशसनीय सेवा के लिए प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान। Awarding of Appreciation Certificate for exceptionally meritorious service to an officer of the Collectorate of Customs and Central Excise, Cochin.
	सं० 21021/8/74-प्रशा०- III-ख, दिनांक 26 जनवरी, 1975। No. A. 21021/8/74-Ad. III- B, dated the 26th January, 1975.	Do.	केन्द्रीय उत्पादनशुल्क तथा सीमाशुल्क विभागों के अधिकारियों को उल्लेखनीय विशिष्ट सेवा के लिए प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान। Awarding of Appreciation Certificate for Specially distinguished record of service to officers of the Central Excise and Customs Departments.
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०- 9/75, दिनांक 27 जनवरी, 1975।	वित्त मंत्रालय	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
21.	No. DRAWBACK/PN- 9/75, dated the 27th Janu- ary, 1975.	Ministry of Finance	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०- 10/75, दिनांक 27 जनवरी 1975।	-तदैव-	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
	No. DRAWBACK/PN- 10/75, dated the 27th Janu- ary, 1975.	Do.	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०- 11/75, दिनांक 27 जनवरी, 1975।	-तदैव-	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
	No. DRAWBACK/PN- 11/75, dated the 27th Janu- ary, 1975.	Do.	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०- 12/75, दिनांक 27 जनवरी, 1975।	वित्त मंत्रालय	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
	No. DRAWBACK/PN- 12/75, dated the 27th Janu- ary, 1975.	Ministry of Finance	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं०-7-आई० टी० सी० वाणिज्य मंत्रालय (पी० एन०)/75, दिनांक 27 27 जनवरी, 1975		बांगलादेश के साथ व्यापार, जो वाणिज्य मंत्रालय के सार्वजनिक सूचना सं० 191-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75, दिनांक 24 दिसम्बर 1974 के पैरा 2 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है। Trade with Bangladesh under para 2 of the Min. of Commerce Public Notice No. 191 JPC (PN)/75, dated the 24th December, 1974.
22.	No. 7-ITC (PN)/75, dated the 27th January, 1975.	Ministry of Commerce	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०- 13/75, दिनांक 28 जनवरी 1975।	वित्त मंत्रालय	
	No. DRAWBACK/PN-13/ 75, dated the 28th Janu- ary, 1975.	Ministry of Finance	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०- 14/75, दिनांक 28 जनवरी 1975।	-तदैव-	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
	No. DRAWBACK/PN- 14/75, dated the 28th Janu- ary, 1975.	Do.	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.

अंक Issue	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०- 15/75, दिनांक 28 अक्टूबर, 1975। No. DRAWBACK/PN- 15/75, dated the 28th Janu- ary, 1975.	—तदैव— Do.	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन। Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1975.
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०- 16/75, दिनांक 28 जनवरी 1975। No. DRAWBACK/PN- 16/75, dated the 28th Janu- ary, 1975.	वित्त मंत्रालय Do.	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन। Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० फा० ए० 11013/ई०/ 122/72-प्रशा०-IV, दिनांक 31 जनवरी, 1975। 24. No. F. A. 11013/E/122/72- Ad. IV, dated the 31st January, 1975.	—तदैव— Do.	तम्बाकू उत्पादन-शुल्क टैरिफ (विशेषज्ञ) समिति रिपोर्ट वित्त मंत्रालय, (राजस्व और वीमा विभाग) को 28 फरवरी, 1975 से पहले पेश करने की संकल्प। Resolution on the Submission of the Tobacco Excise Tariff (Expert) Committee Report to the Min. of Finance (Dept. of Rev. & Inv.) before the 28th Februry, 1975.
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०- 17/75, दिनांक 1 फरवरी, 1975। 25. No. DRAWBACK/PN- 17/75, dated the 1st Feb- ruary, 1975.	—तदैव— Do.	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन। Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०- 18/75, दिनांक 1 फरवरी, 1975। No. DRAWBACK/PN- 18/75, dated the 1st February, 1975.	वित्त मंत्रालय Do.	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन। Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०- 19/75, दिनांक 1 फरवरी 1975। No. DRAWBACK/PN- 19/75, dated the 1st February, 1975.	—तदैव— Do.	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन। Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०- 20/75, दिनांक 1 फरवरी 1975। No. DRAWBACK/PN- 20/75, dated the 1st February, 1975.	वित्त मंत्रालय Do.	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन। Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAW- BACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० एफ० 2(22)-एन० एस०/74, दिनांक 3 फरवरी, 1975। 26. No. F. 2 (22)-NS/74, dated the 3rd February, 1975	—तदैव— Do.	डाकघर बचत बैंक इनामी प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत 31 जनवरी, 1975 के निगम रंगशाला, टाउन हाल, चांदनी चौक, दिल्ली में निकाले गए दूसरे ड्रा के नतीजे। Post Office Savings Bank's Prize Incentive Scheme result of the Second draw held on 31st January, 1975 at Nigam Rangshala, Town Hall, Chandni Chowk, Delhi.
	सं० 8-आई० टी० सी० वाणिज्य मंत्रालय (पी० एन०)/75, दिनांक 3 फरवरी, 1975। 27. No. 8-ITC(PN)/75, dated	वाणिज्य मंत्रालय Ministry of Commerce	सामान नियमों के अन्तर्गत व्यक्तिगत सामान के रूप में माल का आयात। Import of goods as personal baggage under baggage rules.

अंक Issue	संख्या और तिथी No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
	सं० 9-प्राई० टी० सी० वाणिज्य मन्त्रालय (पी० एन०)/75, दिनांक 4 फरवरी, 1975।		1974-75 लाइसेंस अवधि के दौरान वार्षिक आधार पर ईराक से खजूरों [कम सं० 21 (बी०)/4] का आयात-बंधता अवधि में वृद्धि।
28.	No. 9-ITC(PN)/75, dated the 4th February, 1975.	Ministry of Commerce	Import of 'dates' [S. No. 21(b)/IV] from Iraq during 1974-75 licensing period on annual basis—Extension in the Validity period.
	सं० 10-प्राई० टी० सी० (पी० एन०)/75, दिनांक 4 फरवरी, 1975।	—तदैव—	अप्रैल 1974—मार्च 1975 वर्ष के लिए पंजीकृत निर्यातिकों के लिए आयात नीति।
29.	No. 10-ITC(PN)/75, dated the 4th February, 1975.	Do.	Import Policy for Registered Exporters for the period April, 1974— March, 1975.
	सं० 3(26)/73-कैमिकल्स पेट्रोलियम और III, दिनांक 5 फरवरी, रसायन मन्त्रालय 1975।		श्रीष्ठ ग्रंथ भेषज उद्योग के बारे में समिति का गठन।
30.	No. 3(26)/73-Ch. III, dated the 5th February, 1975.	Ministry of Petroleum & Chemicals	Constitution of Committee on Drugs and Pharmaceuticals industry.
	सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०- 21/75, दिनांक 6 फरवरी, 1975।	वित्त मन्त्रालय	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी संशोधन।
31.	No. DRAWBACK/PN-21/75, dated the 6th February, 1975.	Ministry of Finance	Amendments in the Table published in the Public Notice No. Drawback/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०- 22/75, दिनांक 6 फरवरी, 1975।	—तदैव—	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
	No. DRAWBACK/PN-22/75, dated the 6th February, 1975.	Do.	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAWBACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०- 23/75, दिनांक 6 फरवरी, 1975।	वित्त मन्त्रालय	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
	No. DRAWBACK/PN-23/75, dated the 6th February, 1975.	Ministry of Finance	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAWBACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०- 24/75, दिनांक 6 फरवरी, 1975।	—तदैव—	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
	No. DRAWBACK/PN-24/75, dated the 6th February, 1975.	Do.	Amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAWBACK/PN-1, dated the 15th October, 1971.

विषय-सूची			
	पृष्ठ	पृष्ठ	
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	181	भारी किए गए साधारण नियम (जिनमें मास्त्राण प्रकार के आदेश, उप-नियम पादि सम्मिलित हैं)	871
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी भफरमों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	411	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के प्रत्यंगत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	1119
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिरुप नियम और आदेश	205
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों का नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	307	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	2013
भाग II—खंड 1—प्रधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	159
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रबर समितियों की रिपोर्ट	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के प्रत्यंगत बनाए और	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1063
भाग IV—गौ-प्रदारी अविक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	—	भाग IV—गौ-प्रदारी अविक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	41

CONTENTS

PAGE	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE
181	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	871
411	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	205
—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	2013
307	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta ..	159
—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	1063
—	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	41

भाग I—खंड 1**PART I—SECTION 1**

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत वरकार के नंतरानयों और उच्चरम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकलनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं।

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Supreme Court

भंडिमंडल सचिवालय
कार्यक्रम और प्रशासनिक सुधार सेवा
नियम

नई दिल्ली, विनांक 15 मार्च 1975

सं० 13018/1/75-प्र० भा० से० (1) —निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों को भरने के लिए, 1975 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता-परीक्षा के नियम, संबंधित मंत्रालयों और भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा सेवा के सम्बन्ध में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की सहमति से, आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं :—

वर्ग—I

- (1) भारतीय प्रशासन सेवा, और
- (2) भारतीय विवेश सेवा

वर्ग-II

- (1) भारतीय पुलिस सेवा
- (2) दिल्ली, अंडमान तथा निकोबार, द्वीप समूह पुलिस सेवा श्रेणी-2 तथा
- (3) रेलवे सुरक्षा बल में श्रेणी-II के सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमांडेंट/ऐड्जटेंट के पद।

वर्ग-III

(क) श्रेणी-I की सेवाएँ :—

- (1) भारतीय डाक तथा तार लेखा तथा वित सेवा
- (2) भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा,
- (3) भारतीय गीष्मा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा,
- (4) भारतीय रक्षा लेखा सेवा,
- (5) भारतीय ग्राम कर सेवा (श्रेणी-I),
- (6) भारतीय आयुध कारखाना सेवा, श्रेणी-I (सहायक प्रबंधक गैर-नकानीकी),
- (7) भारतीय डाक सेवा,
- (8) भारतीय रेलवे लेखा सेवा,
- (9) भारतीय यातायात सेवा और
- (10) सैन्य भूमि तथा सैन्य छावनी सेवा श्रेणी-I

(म) श्रेणी-II की सेवाएँ :—

- (1) केन्द्रीय गन्धिवालय सेवा अनुभाग अधिकारी ग्रेड, श्रेणी-2,
- (2) भारतीय विदेश सेवा, ग्रांच 'ख' केन्द्रीय संवर्ग के समेकित ग्रेड II तथा III (अनुभाग अधिकारी ग्रेड),
- (3) मशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा सहायक मिलिन स्टाफ अधिकारी ग्रेड श्रेणी-II,
- (4) सीमा शुल्क मूल्य निरूपक (एप्रेजर) सेवा वलास-2,
- (5) दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप-समूह सिविल सेवा श्रेणी II, तथा
- (6) पांडिचेरी सिविल सेवा, श्रेणी-II

1. उम्मीदवार, उपर्युक्त वर्गों की किसी एक अथवा एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता में बैठ सकता है (कृपया देखें नियम 4)। उसे अपने आवेदन-पत्र में स्पष्टतः संबंधित वर्ग/वर्गों के अन्तर्गत आने वाली उन सेवाओं का उल्लेख कर देना चाहिए जिनके लिए वह वरीयता के क्रम में विचार कराये जाने का इच्छुक है।

भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा के लिए प्रतियोगिता कर रहे अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवार अथवा महिला उम्मीदवार को भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा में चयन किए जाने की स्थिति में आवेदन पत्र में राज्य संवर्ग के लिए अपने वरीयता क्रम को स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट कर देना चाहिए।

भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा के लिए प्रतियोगिता में भाग ले रहे अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख कर देना चाहिए कि क्या वह भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा के लिए चयन किए जाने की स्थिति में उस राज्य में आवंटन के लिए विचार कराया जाना पर्यन्द में आवंटन के लिए वह है।

जिन वर्ग/वर्गों के अन्तर्गत आने वाली सेवाओं, जिनके लिए उम्मीदवार प्रतियोगिता कर रहा है, उनके सम्बन्ध में उसके द्वारा दी गई वरीयताओं में, अथवा जिन राज्य संवर्गों के लिए वह आवंटन काशया जाना पर्यन्द करेगा उनके सम्बन्ध में परिवर्तन के लिए किसी भी अनुरोध पर जब तक कि ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की

तारीख के 15 दिनों के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का अपने आवेदन-पत्र भेजने के पश्चात् उनको कोई भी पत्र आयोग या भारत गणराज की ओर से नहीं भेजा जाएगा जिसमें फि उनमें वहूं में संघर्गी/सेवाओं के लिए आनंद संशोधित वरीयताओं, यदि कोई हो, बताए जाने के लिए कहा जाए। संशोधित वरीयताएं, यदि कोई हो, भेजने के लिए, उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के साथ वही फार्म प्रयोग से लाना चाहिए जिन्हें कालम 32 तथा 33 में दिया गया है।

2. अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवार के लिए नियमों का आरक्षण भारत सरकार के द्वारा निर्धारित विधि से किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों में अभिप्राय निम्नांकित में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी एक से है : संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित)। संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (दादर और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादर और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति, 1964 तथा संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) उत्तर प्रदेश आदेश, 1967। संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968 और संविधान (गोआ, दमन और दीव) आदिम जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जातिया आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा नियमों के परिशिष्ट-2 में निर्धारित विधि से लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. भारतीय प्रशासन सेवा आदि में भर्ती के लिये लो जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा की इन तीन वर्गों की सेवाओं/पदों को, यानी, (1) भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय विदेश सेवा। (2) भारतीय पुनिम गोआ, दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिम सेवा और रेलवे सुरक्षा बल में श्रेणी-II के महायक सुरक्षा अधिकारी/महायक समारेष्टा/एडजूटेन्ट के पद, (3) केन्द्रीय सेवाएं, दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा,

गोआ, दमन तथा दीव समूह सेवा तथा पांडिचेरी सिविल सेवा के लिये अलग-अलग तीन परीक्षाएं समझा जाएगा।

5. जो उम्मीदवार विधां प्राप्त होते जाते या अनुसूचित आदिम जाति का न हो या कोन्या, उगान्डा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया में न आया हो तो उसे ऊपर नियम 4 में उल्लिखित तीन वर्गों में से प्रत्येक की सेवाओं/पदों के लिये प्रतिर्दिशित परीक्षा में अधिक से अधिक तीन बार सम्मिलित होने दिया जाएगा, परन्तु यह प्रतिवर्ष 1961 की परीक्षा से लागू है।

नोट 1---यदि कोई उम्मीदवार 'किसी एक अथवा अधिक विषयों में वस्तुतः परीक्षा देता है तो उसे रोवा/पदों की प्रत्येक श्रेणी की परीक्षा में वैठ सकता है, इन्हें वर्ष, 1975 के बाद ली जाने वाली परीक्षाओं के लिये संशोधित किया जा सकता है।

नोट 2---उक्त परीक्षा की वर्तमान योजना विभिन्न विषयों की पाठ्यचर्चा तथा उक्त परीक्षा में कोई उम्मीदवार कितनी बार प्रतियोगिता में वैठ सकता है, इन्हें वर्ष, 1975 के बाद ली जाने वाली परीक्षाओं के लिये संशोधित किया जा सकता है।

6. (1) भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय पुलिस सेवा का उम्मीदवार भारत का नागरिक अथवा सिक्किम की प्रजा अवश्य हो।

(2) अन्य सेवा के उम्मीदवार को या तो

(क) भारत का नागरिक होना चाहिये, या

(ख) सिक्किम की प्रजा, या

(ग) नेपाल की प्रजा, या

(घ) भूटान की प्रजा, या

(इ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में अस्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(न) मूल रूप से ऐसा भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में अस्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, वर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका के कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) देशों से आया हो।

परन्तु ऊपर की (ग), (घ) और (इ) तथा (च) कोटियों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिये।

एक और शर्त यह भी है कि उपर्युक्त (ग), (घ) और (इ) कोटियों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा में नियुक्ति के पात्र नहीं माने जाएंगे।

परीक्षा में उम्मीदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिये पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो और उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने की शर्त के साथ, अनन्तिम (प्रोविजनल) रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है।

7. (क) (I) भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा और बाकी सभी सेवाओं के लिये सिवाय ऊपर के पैरा (1) में उल्लिखित भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली, प्रद्वान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा तथा रेलवे सुरक्षा बल में श्रेणी-II के सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमांडेन्ट ऐड्जूटेंट के पदों को छोड़कर बाकी सभी सेवाओं में उम्मीदवार के लिये यह प्रावश्यक है कि उसकी आयु 1 अगस्त, 1975 को 21 वर्ष पूरी हो गई हो किन्तु 26 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1949 से पहले और 1 अगस्त, 1954 के बाद नहीं हुआ हो।

(II) भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा तथा रेलवे सुरक्षा बल में श्रेणी-II के सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमांडेन्ट/ऐड्जूटेंट के पदों के उम्मीदवार के लिये यह प्रावश्यक है कि उसकी आयु 1 अगस्त, 1975 को पूरे 20 साल भी हो गई हो किन्तु 26 साल की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1949 से पहले और 1 अगस्त, 1955 के बाद न हुआ हो।

(ख) ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु में और भी छूट दी जा सकती है:—

(I) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष,

(II) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद लेकिन 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(III) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद लेकिन 25 मार्च, 1971 से पहले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(IV) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(V) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन, 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(VI) यदि उम्मीदवार संभ राज्य क्षेत्र गोप्ता, दमन तथा दमू का रहने वाला है तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(VII) यदि उम्मीदवार कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(VIII) यदि उम्मीदवार 1 जून., 1963 या उसके बाद, बर्मा से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर, भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(IX) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा से प्रत्यावर्तित होकर, भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(X) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो किसी विवेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अंशान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों,

(XI) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक जो किसी विवेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अंशान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हैं।

(XII) सीमा सुरक्षा दल के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो सन् 1971 के भारत-पाक संघर्ष में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए, तथा

(XIII) सीमा सुरक्षा दल के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक जो सन् 1971 के भारत-पाक संघर्ष में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हैं,

उपर्युक्त परिस्थितियों को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी सूरत में छूट नहीं दी जाएगी।

8. उम्मीदवार के पास परिशिष्ट I में उल्लिखित विद्यालयों में से किसी एक को कोई उपाधि होनी चाहिये अथवा उसके पास परिशिष्ट I-क में उल्लिखित अर्हताओं में से कोई एक अर्हता होनी चाहिये।

नोट 1—विशेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई न हो बश्यते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं पास की हों जिनके स्तर को देखते हुए प्रावेग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

नोट 2—यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा परीक्षा में प्रवेश का पात्र हो किन्तु उसने ऐसे विदेशी विज्ञविद्यालय से उपाधि ली हो जो परिणामित I में सम्मिलित न हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग, यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

9. यदि किसी पिछली परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी उम्मीदवार की नियुक्ति वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा या भारतीय विदेश सेवा) की किसी सेवा में हो जाती है तो वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र नहीं होगा।

यदि किसी पिछली परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी उम्मीदवार की नियुक्ति नीचे स्तम्भ (II) में उल्लिखित किसी सेवा में हो जाती है तो वह केवल उन्हीं सेवाओं के लिये इस परीक्षा में बैठने का पात्र होगा जो उक्त सेवा के सामने नीचे स्तम्भ (III) में उल्लिखित है:—

क्रम	जिस सेवा में नियुक्ति हुई	जिन सेवाओं के लिये परीक्षा में बैठने का पात्र है
1	2	3
1.	भारतीय पुलिस सेवा	(I) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय विदेश सेवा) (II) वर्ग III में, केन्द्रीय सेवाएं, क्लास-I
2.	केन्द्रीय सेवाएं, क्लास-II	(I) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय विदेश सेवा) (II) वर्ग II में भारतीय पुलिस सेवा
3.	केन्द्रीय सेवाएं क्लास-III (जिसमें संघ राज्य अधिकारों की सिविल तथा पुलिस सेवाएं शामिल हैं)	(I) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय विदेश सेवा) (II) वर्ग II में भारतीय पुलिस सेवा (III) वर्ग III में केन्द्रीय सेवाएं, क्लास-I
10.	उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के परिणामित I में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी।	

11. जो उम्मीदवार स्थायी या अस्थायी रूप में पहले से ही सरकारी सेवा करता हो, या वर्क-चार्जेड कर्मचारी हो, किन्तु अनियत न हो अथवा दिहाड़ी पर रखा हुआ

न हो, उसे अपने आवेदन-पत्र विभाग अध्यक्ष या संबंधित कार्यालय के माध्यम से प्रस्तुत करने आहिये जो उन्हें आयोग को भेजने से पूर्व आवेदन-पत्र के आंशिक में पृष्ठांकन की पूर्ति करेंगे। ऐसे उम्मीदवारों को अपने हित में अपने आवेदन-पत्रों की प्रग्राम प्रतियां सीधे आयोग को भेज देनी चाहिये। यदि इन्हें निर्धारित शुल्क के साथ भेजा जाए, तो उन पर अन्तिम रूप से विचार किया जाएगा, किन्तु मूल आवेदन-पत्र सामान्यतः अन्तिम तारीख के बाद एक पक्ष के भीतर पहुंच जाना चाहिये। यदि कोई व्यक्ति सरकारी सेवा में है और अपने आवेदन-पत्र की प्रग्राम प्रति निर्धारित शुल्क के सहित न भेजे और यदि उसके द्वारा भेजी गई अप्रिम प्रति अन्तिम तारीख को अथवा उसके पहले आयोग के कार्यालय में न पहुंचे तो उसके विभाग अध्यक्ष अथवा कार्यालय के माध्यम से भेजा गया आवेदन-पत्र यदि आयोग के कार्यालय में तारीख के बाद प्राप्त हो तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

12. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

13. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा, जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सार्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्न-लिखित बातों के लिये दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने—

- (I) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिये समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (II) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (III) किसी अन्य व्यक्ति से छछ रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (IV) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें तथ्यों को बिगड़ा गया हो, अथवा
- (V) गलत या झूठे अवक्षय दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (VI) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (VII) परीक्षा भवन में अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (VIII) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (IX) उपर्युक्त बाणी में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया है, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा, जिसका वह उम्मीदवार है वैठने के लिये आयोग ठहराया जा सकता है, अथवा

- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिये
- (I) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिये,
 - (II) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और
 - (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विश्व उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

15. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उनने न्यूनतम अर्हता अर्क (Qualifying marks) प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे, तो उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षा (Personality test) के इटरव्यू के लिये बुलाएगा।

16. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कुल अर्कों के आधार पर योग्यता-क्रम से उनकी सूची बनाएगा और क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लागे को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा, उनकी उन अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिये मिफारिश करेगा जो इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाएगी।

बास्ते कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों की उस सख्त तक जो सामान्य मानक के आधार पर न भरी जा सकती हो, आरक्षित कोटा की कमी को पूरा करने के लिये शिथिल किये गये मानक द्वारा इन सेवाओं में नियुक्ति के लिये इन उम्मीदवारों की योग्यता के आधार पर आयोग द्वारा संस्तुत किये जा सकेंगे, ऐसा करते समय परीक्षा में मैरिट के क्रम से उनके स्थान का ध्यान नहीं रखा जायेगा।

17. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाकल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाकल के बाद में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

18. उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन-पत्र के समय, विभिन्न सेवाओं के लिये दी गई तरजीह पर परीक्षाकल के आधार पर नियुक्तिया करते समय उचित ध्यान दिया जाएगा।

लेकिन शर्त यह है कि यदि किसी उम्मीदवार को किसी पिछली परीक्षा के आधार पर वर्ग I (भा० प्र० से० से० अथवा भा० वि० से०) के अन्तर्गत आने वाली किसी सेवा में नियुक्ति किया गया है, इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी अन्य सेवा में उसकी नियुक्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

एक अन्य शर्त यह है कि यदि किसी उम्मीदवार को किसी पिछली परीक्षा के परिणाम के आधार पर नीचे के कालम (II) में उल्लिखित किसी एक सेवा में नियुक्ति किया गया है तो इस परीक्षा परिणाम के आधार पर उसकी नियुक्ति केवल उन्हीं सेवाओं में की जा सकेगी, जो उस सेवा के सम्मने कालम (III) में दी गई है—

क्रम संख्या	सेवा जिसमें नियुक्ति की गई	सेवा जिसमें नियुक्ति के लिये विचार किया जा सकेगा
1	2	3

1. भारतीय पुलिस सेवा	(i) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा) (ii) वर्ग III में दी गई क्लास-I केन्द्रीय सेवाएं
2. केन्द्रीय सेवाएं, क्लास-I	(i) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा तथा भारतीय पुलिस सेवा) (ii) वर्ग II में दी गई भारतीय पुलिस सेवा
3. केन्द्रीय सेवाएं, क्लास-II	(i) वर्ग I (भारतीय प्रशासन (जिसमें सध राज्य क्षेत्र की सिविल तथा सेवा) क्षेत्र की सिविल तथा सेवा) (ii) वर्ग II में दी गई भारतीय पुलिस सेवा (iii) वर्ग III में दी गई क्लास-I, केन्द्रीय सेवाएं

19. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जात्य के बाद सतुष्ट न हो जाए, कि उम्मीदवार सेवा में नियुक्ति के लिये अपने चरित्र तथा पूर्ववृत्त के मम्बद्ध में हर प्रकार से योग्य है।

20. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिये, और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिये, जिससे वह सर्वधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलता पूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या मक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हो कि वह इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षा के लिए बुलाए गए उम्मीदवार की डाक्टरी परीक्षा करवाई जा सकती है। डाक्टरी परीक्षा के लिये उम्मीदवार द्वारा निकित्ग बोर्ड को कोई फीस नहीं दी जाएगी।

नोट— बाद में निराश न होना पड़े इसलिये उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रब्रेश के लिये आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें, नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके लिये स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिये, इसके ब्यौरे इन नियमों के परिषिष्ट 4 में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के भत्तपूर्व विकलांग सैनिकों तथा 1971 के भारत तथा पाकिस्तान के संघर्ष के दौरान विकलांग डॅ तथा विकलांग होने के फलस्वरूप नियुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के सैनिकों की सेवा/(ओ) की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

21. (क) जिसने ऐसी महिला/ऐसे पुरुष से विवाह करने का करार किया हो अथवा विवाह कर लिया हो जिसका पति/जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने जीवित पत्नी/पति के होते हुए किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाह करने का करार किया हो अथवा विवाह कर लिया हो वह उक्स पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा/होगी।

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसा विवाह उस व्यक्ति पर अथवा (जिससे विवाह किया गया हो) उस पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अधीन अनुज्ञा है और ऐसा करार के अन्य धारणा है तो ऐसे व्यक्ति को ऐसे कानून से छूट दे सकती है।

22. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती होने से पहले ही हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों की सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती है।

23. इस परीक्षा के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है सनके संक्षिप्त विवरण परिषिष्ट III में दिए गए हैं।

भारतेन्द्र सिंह बसवान अवर सचिव

परिषिष्ट I

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची
(नियम 8 के अनुसार)

भारतीय विश्वविद्यालय

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केंद्रीय या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम से निर्गमित किया गया हो और अन्य शिक्षा संस्थाएं जो संसद् के अधिनियम से स्थापित की गयी हों। अथवा विश्वविद्यालय अनुवान शायोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय मान लिये जाने की घोषणा हो चुकी हो।

रक्षा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय।
मांडले विश्वविद्यालय।

इंगलैण्ड और वैल्स के विश्वविद्यालय

बैमिथम ब्रिस्टल, कैम्ब्रिज, डर्हम, लीड्स, लिवरपूल, लंदन, मैचेस्टर, श्राक्सफोर्ड, रीडिंग शफील्ड और वैल्स के विश्वविद्यालय।

स्काटलैण्ड के विश्वविद्यालय

एडरबीन, एडिनबरा, गलास्गो, और सैट ऐन्ड्रयुज विश्वविद्यालय।

आयरलैण्ड के विश्वविद्यालय

डलबिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कालेज)।
नेशनल यूनिवर्सिटी, आयरलैड।
क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय।
सिध विश्वविद्यालय।

बंगला देश के विश्वविद्यालय

ঢাকা বিশ্ববিদ্যালয়।
রাজশাহী বিশ্ববিদ্যালয়।

नेपाल के विश्वविद्यालय

विभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू।

परिषिष्ट I—क

भारत सरकार ने निम्नलिखित योग्यताओं को उनमें से प्रत्येक के सामने लिखीं डिप्पियों के समकक्ष मान्यता प्रदान की है :—

परीक्षा में प्रब्रेश पाने के लिए अनमोदित योग्यताओं की सूची
(नियम 8 के अनुसार)

1. शास्त्री, काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

2. फांसीसी परीक्षा (Propedentique)

3. उच्च ग्राम शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् (नेशनल कौसिल आफ रूरल हायर एज्यूकेशन) से ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।

4. विश्वभारतीय विश्वविद्यालय का उच्च ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।

5. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (आल इंडिया कौसिल फार टेक्निकल एज्यूकेशन) वाणिज्य में राष्ट्रीय डिप्लोमा।

6. केंद्रीय सरकार के अधीन-वरिष्ठ सेवाओं और पदों पर भर्ती के लिये सरकार से मान्यता अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् का इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय डिप्लोमा।

7. श्री अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केंद्र, पांडीचेरी का "उच्च पाठ्यक्रम" यदि "पूर्व छात्र" (फुल स्टूडेंट) के रूप में यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया हो।

8. भारतीय खान विद्यालय, धनबाद के खनन इंजीनियरी में डिप्लोमा।

9. मानविकी और प्राकृतिक विज्ञानों के क्षेत्र में उपाधि-पद्म यू० एस० एस० आर० में उच्च शैक्षिक स्थापना में अनु-प्रमाणित उपाधि-ग्रहण बिना प्रथम विज्ञानिक शोध प्रबन्ध का पक्ष लिये हुये परन्तु राज्य की परीक्षायें पास की हों।

10. शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) या पुराना शास्त्री या अंग्रेजी सहित अतिरिक्त विषयों में विशेष परीक्षा सहित सम्पूर्ण शास्त्री परीक्षा अर्थात् वाराणसे संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी की वरिष्ठ शास्त्री परीक्षा।

11. गरुड़ल विश्वविद्यालय, कांगड़ी, हरिद्वार की अलंकार डिप्लोमा।

12. अमेरिकन यूनिवर्सिटी आफ ब्रेट, लेबनान द्वारा प्रदान की जाने वाली बैचलर आफ आर्ट्स (बी० ए०) तथा बैचलर आश्र साइंस (बी० एस० सी०) की डिप्लोमाएँ।

परिशिष्ट II

खण्ड I

लिखित परीक्षा की रूपरेखा

लिखित परीक्षा के विषय:—

(क) लिखित परीक्षा

(i) तीन अनिवार्य विषय (सभी सेवाओं/पदों के लिये) निबन्ध, सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान, प्रत्येक विषय के पूर्णांक 150 होंगे। [नीचे खण्ड-II का उपखण्ड (अ) देखें]।

(ii) निम्नलिखित खण्ड-II के उपखण्ड (ब) में दिये गए ऐच्छिक विषयों में से चुने गये विषय। सेवा/पदों के श्रेणी-II को छोड़ (नियम 1 और 4 देखें) शेष सभी सेवाओं के उम्मीदवार उस उप-खण्ड के उपबन्ध के अधीन, कुल 600 अंकों तक के ऐच्छिक विषय ले सकते हैं। भारतीय पुलिस सेवा विल्ली और हिमाचल प्रदेश पुलिस सेवा श्रेणी-II के लिए उम्मीदवार कुल 400 अंकों तक के ऐच्छिक विषय ले सकते हैं। इन प्रश्न-पदों का स्तर किसी भारतीय विश्वविद्यालय की आनंद डिग्री की परीक्षा के स्तर के लगभग होगा; और

(iii) निम्नलिखित खण्ड-II के उप-खण्ड (स) में दिए गए अतिरिक्त विषयों में से चुने गए विषय। उस उप-खण्ड के उपबन्ध के अधीन उम्मीदवार भारतीय प्रशासनिक सेवा और

भारतीय विदेश सेवा (श्रेणी-I) के लिए कुल 400 अंकों तक के अतिरिक्त विषय ले सकते हैं। इन प्रश्न-पदों का स्तर ऐच्छिक विषय के लिए उप-खण्ड (क-V) में विहित स्तर से ऊंचा होगा।

(स) ऐसे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षा के साक्षात्कार के लिए [इस परिशिष्ट की सूची के भाग () के अनुसार बुलाए जाएंगे] उसके लिए नीचे लिखे नम्बर होंगे:—

श्रेणी-I

	पूर्णांक
भारतीय प्रशासनिक सेवा . .	300
भारतीय विदेश सेवा . .	400
श्रेणी-II तथा III सभी सेवायें/पदों . .	200

खण्ड II

परीक्षा के विषय

[देखिये ऊपर खण्ड (i) का उपखण्ड (क-i)]

(1) निबन्ध . .	150
(2) सामान्य अंग्रेजी . .	150
(3) सामान्य-ज्ञान . .	150

टिप्पणी:—ऊपर लिखे विषयों का पाठ्य-विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिया गया है।

(ब) ऐच्छिक विषय।

[देखिये ऊपर खण्ड (i) का उपखण्ड (क-ii)]

सेवा श्रेणी-II (नियम 1 और 4 देखें) के उम्मीदवार निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो विषयों को और अन्य सभी सेवाओं के उम्मीदवार किन्हीं विषयों को चुन सकते हैं:—

क्रम सं०	विषय	कोड सं०	अधिकतम अंक
(1)	शुद्ध गणित . .	01	200
(2)	अनुप्रयुक्त गणित . .	02	200
(3)	सांख्यिकी . .	03	200
(4)	भौतिकी . .	04	200
(5)	रसायन . .	05	200
(6)	वनस्पति-विज्ञान . .	06	200
(7)	प्राणि विज्ञान . .	07	200
(8)	भू-विज्ञान . .	08	200
(9)	भूगोल . .	09	200
(10)	अंग्रेजी साहित्य . .	10	200

क्र० सं०	विषय	कोड	श्रिकतम
		संख्या	अंक
(11)	नीचे दी हुई में से एक :—		
	आसामी	11	200
	बंगाली	12	200
	गुजराती	13	200
	हिन्दी	14	200
	कल्नङ्ग	15	200
	कश्मीरी	16	200
	मलयालम	17	200
	मराठी	18	200
	उडिया	19	200
	पंजाबी	20	200
	(क) सिंधी-बेवनागरी	21	200
	(ख) सिंधी-अरबी	22	200
	तमिल	23	200
	तेलुगु तथा	24	200
	उर्दू	25	200
(12)	नीचे दी हुई में से एक :—		
(i)	अरबी	26	200
	जीनी	27	200
	फ्रांसीसी	28	200
	जर्मन	29	200
	पाली	30	200
	फारसी	31	200
	रुसी	32	200
	संस्कृत	33	200
(13)	भारतीय इतिहास	34	200
(14)	इटिश इतिहास	35	200
(15)	यूरोपिय इतिहास	36	200
(16)	विश्व इतिहास	37	200
(17)	सामान्य अर्थशास्त्र	38	200
(18)	राजनीति विज्ञान	39	200
(19)	दर्शन-शास्त्र	40	200
(20)	मनोविज्ञान	41	200
(21)	विधि I	42	200
(22)	विधि II	43	200
(23)	विधि III	44	200
(24)	अनुप्रयुक्त यांत्रिकी	45	200
(25)	समाज शास्त्र	46	200

शर्त यह है कि विशेष विषयों पर निम्नलिखित पारंपरियां लागू होंगी :—

- (1) किसी भी सेवा/पदों के वर्ग के लिए कोड 1, कोड 2, तथा कोड 3 के सहित विषयों में से दो से अधिक विषय नहीं चुने जा सकते।
- (2) भारतीय विदेश सेवा के अतिरिक्त अन्य सेवाओं के उम्मीदवार ऊपर कोड 26-30 के सहित दी गई भाषाओं में से एक से अधिक न चुनें। केवल भारतीय विदेश सेवा के लिए उम्मीदवारों को इन भाषाओं में से कोई दो को चुनने की अनुमति है लेकिन किसी भी उम्मीदवार को पाली कोड 30 और संस्कृत कोड 36 दोनों चुनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (3) किसी भी सेवा/पदों के वर्ग के लिए इतिहास के विषयों कोड 34, 35, 36 तथा 37 के सहित में से अधिक नहीं चुने जा सकते। लेकिन किसी भी उम्मीदवार को विश्व इतिहास कोड 37 और यूरोपिय इतिहास कोड 36 दोनों चुनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (4) कोड 40 और 41 में उल्लिखित विषयों में से एक सेवा/पदों के वर्ग के लिए केवल एक ही विषय लिया जा सकता है।
- (5) किसी भी सेवा-वर्ग के लिए विधि के विषयों कोड 42, 43 और 44 में से दो से ज्यादा नहीं चुने जा सकते।
- (6) सेवा/पदों के श्रेणी-II के लिए कोड 45 विषय न चुना जाए।

टिप्पणी :—ऊपर लिखे विषयों का पाठ्य विवरण इस परिशिष्ट के अनुसूची के भाग-ख में दिया गया है।

(ग) अतिरिक्त विषय [(देखिए ऊपर खंड I का उप-खंड (क-III)]

भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय विदेश सेवा (श्रेणी I) की प्रतियोगिता में बैठने वाले उम्मीदवार को निम्नलिखित विषयों में से कोई दो विषय भी लेने होंगे :—

क्रम सं०	विषय	कोड संख्या	श्रिकतम अंक।
1. (क) उच्च गणित	.	50	200
	अध्यात्म		
(ख) उच्च अनुप्रयुक्त गणित	.	51	200
2. उच्च भौतिकी	.	52	200
3. उच्च रासायन	.	53	200
4. उच्च वनस्पति विज्ञान	.	54	200
5. उच्च प्राणी विज्ञान	.	55	200
6. उच्च भू-विज्ञान	.	56	200
7. उच्च भूगोल	.	57	200

क्रम सं.	विषय	कोड सं.	अधिकतम अंक
8.	अंग्रेजी साहित्य (1798-1935)	58	200
9. (क)	भारतीय इतिहास I (चन्द्र-गुप्त यौवंश से हर्ष तक) .	59	200
(ख)	भारतीय इतिहास II (महान मुगल समाट (1526-1707) प्रथा)	60	200
(ग)	भारतीय इतिहास III (1772-1950) प्रथा	61	200
(घ)	ब्रिटिश संविधानिक इतिहास (1603-1950 तक) प्रथा	62	200
(ङ)	यूरोपियन इतिहास (1871-1945 तक) .	63	200
10. (क)	उच्चतर अर्थशास्त्र प्रथा	64	200
(ख)	उच्चतर भारतीय अर्थशास्त्र	65	200
11. (क)	हाब्ज से आज तक का राजनीतिक विडांत प्रथा	66	200
(ख)	राजनीतिक संगठन और लोक प्रशासन प्रथा	67	200
(ग)	अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध .	68	200
12. (क)	उच्चतर तत्त्वमांसा जिसमें ज्ञानमीमांसा भी शामिल है प्रथा	69	200
(ख)	उच्चतर मनोविज्ञान जिसमें प्रायोगिक मनोविज्ञान भी शामिल है .	70	200
13. (क)	भारतीय संविधान विधि प्रथा	71	200
(ख)	विधि शास्त्र .	72	200
14. (क)	अरबी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सम्पत्ता (570-1650 ईस्वी) प्रथा	73	200
(ख)	फारसी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सम्पत्ता (570-1650) प्रथा	74	200
(ग)	प्राचीन भारतीय सम्पत्ता और रसेन शास्त्र .	75	200
15. मानव विज्ञान .		76	200
16. उच्चतर समाज विज्ञान .		77	200

विशिष्ट अतिरिक्त विषयों के बारे में निम्नलिखित प्रतिबन्ध लागू किए जाएंगे :—

(1) किसी भी उम्मीदवार को भारतीय इतिहास कोड 39 तथा प्राचीन भारतीय सम्पत्ता और दर्शन कोड 75 दोनों ही विषयों को एक साथ लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(2) किसी भी उम्मीदवार को यूरोपीय इतिहास कोड 63 तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध कोड 68 दोनों विषयों को एक साथ लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी :—ऊपर दिए गए विषयों का पाठ्य-विवरण इस परिषिष्ट की अनुसूची के भाग 'ग' में दिया गया है।

खण्ड III

तामाम्ब

1. (क) ऊपर के खण्ड-II के उप-खण्ड (क) की मदों में क्रमशः (1) और (3) के अनुसार 'निबन्ध' तथा 'सामान्य ज्ञान' के प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी प्रथा संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित किसी भाषा में दिए जा सकते हैं, अर्थात् असमिया, बंगाला, गुजराती, हिंदी, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उडिया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तामिल, तेलुगु तथा उर्दू। अंग्रेजी के अतिरिक्त विकल्प रूप से किसी अन्य भाषा में ऊत्तर देने वाले उम्मीदवारों को वही भाषा दोनों पत्रों के लिए चुननी होगी। विकल्प सम्पूर्ण पत्र के लिए लागू होगा न कि उसके किसी अंश के लिये।

(ख) ऊपर के खण्ड के उप-खण्ड (ख) की मदों (11) तथा (12) के अनुसार भाषाओं के प्रश्न-पत्र को छोड़कर अन्य सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों के ऊत्तर अंग्रेजी में दिए जाने चाहिये। जब तक कि प्रश्न-पत्र में अन्यथा विशिष्ट रूप से दूसरी भाषा में लिखना अनेकांत न हो, उन भाषाओं के प्रश्न-पत्रों, के ऊत्तर अंग्रेजी में प्रथा संबंधित भाषा में दिए जा सकते हैं।

टिप्पणी-I.—ऊपर दिए पैरा-I (क) में अंग्रेजी के अतिरिक्त किसी भाषा में प्रश्न-पत्र (ओं) के ऊत्तर देने के इच्छुक उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के कालम 8 में संबंधित भाषा का नाम संबंधित प्रश्न-पत्र (प्रश्न-पत्रों) के सामने देना चाहिए। विधि दिए हुए कालमों में एक या दोनों प्रश्न-पत्रों के संबंध में कोई अन्वराज नहीं किया जाता है क्योंकि यह सभक्षा जाएगा कि प्रश्न-पत्र/प्रश्न-पत्रों के ऊत्तर अंग्रेजी में दिए जाएंगे। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम समझा जाएगा, और परिवर्तन अंग्रेजी परिवर्धन के लिए कोई अनुरोध नहीं माना जाएगा।

टिप्पणीII.—ऊपर दिए गए पैरा 1 (क) में संविधान की आठवीं अनुसूची में दी गई किसी भाषा में विकल्प रूप

से प्रश्न-पत्र (प्रश्न-पत्रों) के ऊपर देने वाले उम्मीदवार अपने ऊतर क्रमशः निम्नलिखित लिपि में देंगे :—

भाषा	लिपि	कोड
असमिया	असमिया	11
बंगला	बंगला	12
गुजराती	गुजराती	13
हिन्दी	देवनागरी	14
कन्नड़	कन्नड़	15
कश्मीरी	फारसी	16
मलयालम	मलयालम	17
मराठी	देवनागरी	18
उड़िया	उड़िया	19
पंजाबी	गुरुमुखी	20
संस्कृत	देवनागरी	21
सिधी	अरबी	22
तमिल	तमिल	23
तेलुगु	तेलुगु	24
उर्दू	फारसी	25

ऊपर परा 1 (क) मे दिये गये प्रश्न (प्रश्न-पत्रों) के ऊपर देने के लिये सिधी का विकल्प देने वाले उम्मीदवारों को आवेदन पत्र के कालम 8 मे उस विशेष लिपि (कोड 21 या कोड 22) का नाम लिखना चाहिए जिसमे वे ऊपर लिखेंगे।

2. उपरोक्त धारा II की उपधारा (क), (ख) और (ग) मे दिये पत्रों के ऊतर के लिये 3 घंटे का समय दिया जाएगा।

3. उम्मीदवार को प्रश्न का ऊतर अपने हाथ से लिखना होगा। उन्हे किसी भी हालत मे उनकी ओर से ऊतर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

4. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के आर्हक नम्बर (फ्लाइफाईंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है।

5. भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा वर्ग-I के लिए केवल उन्ही उम्मीदवारों के दो अतिरिक्त प्रश्न पत्रों की जांचा और अंकित किया जाएगा जो लिखित परीक्षा के अन्य सभी विषयों मे एक निश्चित अत्याधिकतम स्तर प्राप्त करेंगे जैसा कि आयोग द्वारा अपने निर्णय से निर्धारित किया जाएगा।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल नंबर मे से कुछ नम्बर काट लिए जाएंगे।

7. अनावश्यक ज्ञान के लिए नम्बर नहीं दिए जाएंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों मे इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि अभिव्यक्ति कम-से-कम शब्दों मे क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण वंग से और ठीक-ठीक की गई है।

9. उम्मीदवारों से तोल और माप की मीट्रिक प्रणाली की जानकारी की आशा की जाती है। प्रश्नों के ऊतर मे जहां कहीं ऐसा आवश्यक हो, तोल और माप की मीट्रिक प्रणाली का ही उपयोग किया जाए।

अनुसूची

भाग—क

[परिशिष्ट II की धारा II की उपधारा (क) के अनुसार]

1. निबन्ध :—उम्मीदवारों से अंग्रेजी मे एक निबन्ध लिखने की अपेक्षा की जाएगी। चुनाव के लिए कई विषय दिए जाएंगे। उनसे आशा की जाएगी कि वे निबन्ध के विषय की परिधि मे ही अपने विचारों को क्रम से अवस्थित करें और संक्षेप मे लिखें। प्रभावपूर्ण और ठीक-ठीक भाषाभिव्यक्ति को प्रश्नम दिया जाएगा।

2. सामान्य अंग्रेजी :—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवारों के अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के सुन्दर उपयोग की सामर्थ्य का पता लाले। कुछ प्रश्न इस प्रकार के भी रखे जाएंगे जिससे उनकी तक्षणता, उनकी निहितार्थ को ग्रहण कर सकने की सामर्थ्य तथा महत्वपूर्ण और कम महत्व वाले कार्य मे अन्तर समझ सकने मे योग्यता की परीक्षा हो सके। जैसा कि आमतौर पर होता है संक्षेप सार लेखन के लिए लेखांग दिए जाएंगे। संक्षिप्त एवं प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति के लिए श्रेय दिया जाएगा।

3. सामान्य ज्ञान :—सामान्य घटनाओं के, और ऐसी बातें जो प्रतिदिन वैष्णवे और अनुभव करते हैं, उसके वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान सहित जिसकी किसी ऐसी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पत्र मे भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका ऊतर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए। इस प्रश्न पत्र मे महात्मा गांधी के उपदेशों से संबंधित प्रश्न भी होंगे।

भाग—

[परिशिष्ट II के भाग II के उपभाग (ख) के अनुसार]

1. शुद्ध गणित (कोड 01) :—सम्मिलित विषय होंगे (1) बीजगणित, (2) अनन्त अनुक्रम और अंकितों, (3) त्रिकोण मिति, (4) समिकरण के सिद्धांत, (5) दो या तीन परिमापों के विश्लेषणात्मक रेखा गणित, विश्लेषण, और (7) अवकल समीकरण।

(1) बीजगणित :—समुच्चयों, संबंध प्रतिच्छेदन, गुणों के अन्तर और कोटिपूरक। वेन आरेखों। बनात्मक पूर्ण संख्याओं के गुण वास्तविक संख्या और दशमलव द्वारा उनका निऱ्णय। सम्मिश्रण संख्या। आरंग आरेख। कार्तीय गुणनफल, सम्बन्ध, मानचित्रण। मानचित्रण के रूप मे कार्य। तुल्यता संबंध। वर्गों, वर्गों की एक समाकारिता। उपवर्गों, प्रासामान्य उपवर्गों। लगरेंज का प्रयोग। को वेनियस प्रमेह।

रिंगों पार फील्डों का परिमावाएँ, और उदाहरण। गर्वन और होमोरफिज्मों के विभाजन। बेक्टर स्प्रानों।

सारणिकों (जोड़, घटान), गुण और मैंदिस वा प्रतिलोमन ऐविन ममवन और गममवान समीकरण। वेनेनेमिन्यन प्रमय।

अममतए। समानात्मन और गुणात्मन माध्यो (कोची, स्वधार्ज, होल्डर और सिनकोस्टी की अममतए,

(2) अनन्त अनुकूल प्रारथियो —प्रारगा वा सीमा। अनन्त श्रेणियो। अमिसारी, अपमारी और दौलनी श्रेणियो। कोचीके अभिसरण का सिद्धान्त। तुलना और अनुपात वे परीक्षण। गोज की जाव। निरो अमितरण और श्रेणियो का उपविन्धान।

(3) त्रिकोण मिति —परिमेय सूची और उसके अनन्तप्रयोग के लिए डिसोबाइट क। प्रमेय। प्रतिनोभ गतीय और अनिवार्यक फलन। त्रिकोणमिति श्रेणियो के प्रमाण और सकलन। अनन्त गुण। छोरों के सबध में साझन और को-मा वा वे विज्ञान।

(1) तमीरुरण वा पिंडात —अनुपर अपीलरों वा गात्मन गुण। समीकरणों के सामान्यरण। धनाकृति और चर्चार्वने में माना की प्रकृति। धनाकृति वा गर्भिन वा हन। मवन के चतुर्वार्त को वर्ग भिन्ना में। मूलों के स्थनन और स्थननम वा विभाजकों का दण।

(5) दो और तीन धातों की वेळिन खेखागणित —गरल रेखा, रेखाओं वा जोड़ा, वर्ता वर्ता वा प्रणाली, दीर्घ वस। पैराबोना, हादातवोला, दूसरे श्रेणी के नमीकरण वा स्तर पास में प्रदान।

मैदानों, मर्त्त रेजिस्ट्रों, गोना, कोन, शार्कवरों प्रीर उनके सार्थ रेखा और प्रानामान्य, गुणों (बेक्टर तरीकों वे प्रयोग वा आज्ञा हैं)।

(6) विश्लेषण —धारणा की सीमा। गात्मन। अनुपत्ति एक वास्तवि। अनन्त के कार्य वा अनुकूल। गात्मन। कार्यों के गुण अमानत्व के गुण। समानतर मान प्रमेयो। अपरिमित फोर्मों वा मूल्याकान। लागरज और कोची के सारण पार्मों वे साथ टेनर और मैक्सीस्ट्रिंग के प्रयोग। एक प्रतर के कार्य के अनुसन्धान और अधिकतम गमनात्मका, विचित्र विदु वत्रता, वश अनुरेखण। आवरणों। आंशिक विभेदन। एक से अधिक तास्तविक अनन्त के ताम वा अवकलन।

समानात्मक के रूप के तरीके। गात्मत्व कार्य की अन्तर्गत सजनात्मक रीमेन की परिमात्रा। समानात्मक गणित के मूल प्रमेय। समानात्मक गणित के पर्याम नमात्मक गात्म प्रमेय। चाप्टलन, धोनात्मन, परिक्रमण। दोसों के आप्टलन और आप्टरों और उनके प्रयोग।

(7) अवकलन समीकरणों —गावरण अपकल। समीकरण का बलन। अभ और मात्रा। खेखागणित सबर्वी डी० वाई० एफ० (एका० वाई०) के लिए प्रमेय के पास जाने वा प्रदर्शन। प्रथम वर्ष रेखाकार और त्रिना रेखाकार समीकरण। विनिय विन्दुओं। त्रिभित्र हलों। रेखाकार अवकल समीकरण। गैर और उनके विशेष गुणों। रेखाकार अवकल समीकरण लगतात् एको के साथ दोनों गूलर प्रतर के समीकरण। यथार्थ यदेन लगभी गुण और सामान्यक नन-गुणक वो प्रत्रों करने वाले पर्मीकरणों, द्वितीय त्रम 3 4)1GJ 74

के गमीकरणों। परव्वदवरों और स्वनवचनों का बदलना। हल। जब वा एक समाकृत ज्ञान हो। प्राचनों का विचरण।

३ अनुप्रुक्त गणित (कोड ०२) —२८ मे निम्नलिखित विषय समिक्षित वा यो जायेंगे —

- (1) बेक्टर विश्लेषण
- (2) स्थिति विज्ञान
- (3) गति विज्ञान तथा
- (4) ड्रेस्यैनि वा

१ बेक्टर विश्लेषण —बेक्टर वीजगणित। अदिशबर (Scaler Variable) के बेक्टर फलन का अवकलन। प्रेटिआन कर्तीर्य मे अपसरण तथा कर्ल तेलनापार द्वारा गोलीय निर्दशक द्वारा उत्ती व्राति वा अपाए उन्नतर धात अनुपत्त बेक्टर अवसम्भिताए तथा बेक्टर समीकरण। गात्म स तथा ग्लोक प्रमेय।

(2) स्पैटिफी —न्यूटन की गतिकी वा मन नियम। विषयीय प्रोप्रेय। समतलीय स्पैटिफी। कण-निराम मे गतुलन। नार्थ तथा गिथित ऊर्जा। द्रव्यमान केन्द्र तथा गुरुत्व केन्द्र। घर्षण गामान्य वैटिनी। कर्तित वा एवं वा पिंडात। सतुलाव का स्थायित्व तीन विमाओं वा त्रैल सतुलन। शावाव और अवर्षण तथा स्थितिप्र ऊर्जा अमिताकार द्वारा त्रैतावार अडस्क गोलीय कोग, गोल। समस्थितिज पूर्ण उनके गुण। स्थितिजों के गुण। गति वा समान रूप। लौले तथा पोइंगन के समीकरण।

(3) गति विज्ञान —वर्ग बेक्टर। ओपक्षिक वेग त्वरण। कोलीय वेग। स्वतन्त्रता की कोटि तथा पतिवध। रास्ल रेखात्मक गति। सगत आदर्त गति। रथवन मे गति। पक्षदो। प्रतिवर्धित गति। वा एवं वा अपाउर्द्ध अवेगी वला के यार्थ गति। कैम्पर के विप्रम केन्द्रीय वला के ग्रहीय द्वारा। परिवर्ती द्रव्यमान की गति। प्रतिरोध के अधीन गति। जट्ट्व के अधिकारों और गुणनपलो। परिजित और आवेगी तलों वा प्रधीन डडिंग नर्म। दो विषयीय गतिवा। पिंड लोलक।

(4) द्रव्यस्थितिकी —भारी तलों के दाव की गई पद्धति के वर्तों के अधीन पर्लों वा सतुलन दाव वा देव्व। ब्रह्मपुरों का पर प्रणोद प्लावभवन पिंड वा सतुलन। स्थायित्व वा सतुलन। ऐसो की दाव तथा वायु मठल के सबधित समस्तान।

३. सास्थिकी (कोड ०३)

प्राथिकता —प्राथिका के चिर गमन और सास्थिकीय परिमापाए। उदाहरणों के नाम प्राथिकेना पर मरल प्रगेय। दर्शी प्राथिकता और सास्थिकीय स्वतत्वता। वेयका प्रमय। स्योगिक विचरणों—असतत और सत्ता विवारों मे प्राथिकता वितर गों, गणितीय प्र-वाणाण। टेकेवाहचेक की अममती। यहत मन्नामो का सानाह नियम। केन्द्रीय सीमा प्रमेय का सन्त सर्फ।

II सास्थिकीय तरोंके —सकरन, नार्किरण ग्रामणीयन और विनिष्ठ प्रवार के गांधिकीय आकरों वा आरेखों लिप्पण।

सास्थिकी जा सख्ता के धारण, और आवृत्त वस। केन्द्रीय प्रवत्ति और विशेषण के माप। आधरणों और सच्चगो। ब्रह्मय और कुरुक्षता। आधूर्ण —जनक फलन।

स्तर प्राथिकता बंटनों का अध्ययन—डिपद, विष, हाई-परिज्ञा-मैट्रिक, प्रशामान्य कण डिपद, आयातकार और लौग सामान्य बंटनों। पियर सोनियन वट्रों की पढ़ति का सामान्य विवरण।

डिचर बंटन डिचर प्रशामान्य बंटन के सामान्य गुणों साहस्रं और आसंग के माप। दो या अधिक चरों से संबंधित सहसंबंध और एकधात समाश्रयण। सहसंबंध अनुपात। इंतवैग मह-संबंध कोटि सहसंबंध। अरेबीय समाश्रयण। विश्लेषण।

स्वतंत्र हस्तावकों के तारीखों द्वारा वश्वासंजन गतिमान माध्यों, वर्ग माध्यों, न्यूनतम वर्गों और आधूनों। लांबित वहृपदों और उनके प्रयोग।

III प्रतिदर्शी बंटन और सांख्यिकीय अनुमान

आदृच्छिक प्रतिदर्श, सांख्यिक, प्रतिस्थित बंटन और मानक त्रुटि की धारणाएं।

स्वतंत्र प्रशामान्य विचारों के माध्यम के प्रतिदर्शी बंटन का अप्तप्र, एक्स² (X^2)। टी^{0.2} (T^2) और एफ (F) सांख्यिक उनके गुणों और प्रयोगों। प्रतिदर्श मान्यों के प्रतिदर्शी बंटनों का अप्तप्र, प्रसरणों और सहसंबंध गुणबंध डिचर प्रशामान्य जनसंख्या से। अप्तप्र, (बड़े प्रतिदर्शों में) और वियर सोनियन एक्स² (X^2) के प्रयोगों।

आकलन का सिद्धांत :—अच्छे आकलन की आवश्यकताएं—अनभिनतता, संगति, दक्षता तथा पर्याप्तता। आकलनों के प्रसरण का केमर—राज निष्ठपरिवर्तन। समर्त्तम एकधात अनभिनत आकलनों।

आकलन के तरीके :—गाधूनों के तरीकों के सामान्य विवरणों अधिकतम संभाविता का तरीका, न्यूनतम वर्गों के तरीके और अधिकतम संभावित आगणकों के बिना प्रभाव के न्यूनतम गुणों का तरीका। विश्वास्ता अंतरालों का सिद्धांत—विश्वास्ता सीमाएं, अस्तमन की सरल समस्याएं।

परिकल्पनाओं की जांच का सिद्धांत :—सरल और संयुक्त परिकल्पनाएं सांख्यिकीय जांचों और संशय क्षेत्रों। दो प्रकार की त्रुटियों, सार्थकता का स्तर और परिकल्पन की अभिन्नता।

सरल परिकल्पना से एक परिमापी से संबंधित के लिए अनु-कुलतम संशय क्षेत्रों। प्रशामान्यतः जनसंख्या से संबंधित सरल परिकल्पनाओं के लिए इस प्रकार के क्षेत्रों की रक्तना।

संभावित अनुपात परीक्षणों। माध्यम संबंधी परीक्षणों प्रसरण सहसंबंध तथा एकवर और डिचर प्रशामान्य जांसंख्याओं में सहसंबंध तथा सामाश्रयण गुणों को सरल अपरिमापीय परीक्षणों चिह्न, रन, माध्यम, कोटि और भादृचिन्ह की करण परीक्षणों।

सरल वैकल्पिक (विनाप्तप्र) के विरुद्ध सरल परिकल्पनाओं का अनुक्रमिक परीक्षण।

प्रतिदर्शी तकनीकी

प्रतिदर्शी प्रति पूरण गणना प्रतिदर्शों के सिद्धांत। फ्रेमों और प्रतिदर्शों एक के। प्रतिदर्शों और अप्रतिदर्शों त्रुटियाँ। क्रमबद्ध प्रतिचयन। बहुक्रम और बहुकला प्रतिचयन। आकलन के अनुपात

श्रीर समाश्रयण के तरीके। भचरत में अभी हाल ही में बड़े त्रैमाने पर किये गये सर्वेक्षण के संदर्भ में प्रतिदर्श मर्वेक्षणों की अभिनवतपना।

प्रयोगों के अभिकल्प

कोरों में निरीक्षणों के विचारों का स्पष्टांतरण। प्रयोगात्मक अभिकल्पों के सिद्धांत। पूर्णतः आदच्छिक यादृच्छिकृत खण्ड तथा लातीनी वर्गकार अभिकल्प। अप्राप्त भूखण्ड तकनीक 12 S | S—2(1) 5(3² 3³) तथा 3 अभिकल्पों के बीच भ्रम पर पुणनखण्डनात्मक प्रयोग। खण्डित भूखण्ड अभिकल्प। संतुलित अपूर्ण, अपूर्ण अभिकल्प तथा सरल चालक।

4- भौतिकी (कोड 04)

पदार्थ और यांत्रिक के सामान्य गुण—एकक तथा आयाम। परिभ्रमण गति तथा जड़ता विभ्रमिषा। स्वाकृष्टि तथा अभ्यासकर्षण, ग्रहीय गति। भव्यस्थित तथा आयास सहसंबंध प्रत्यास्थ आपरिवर्तक तथा उनके पारस्परिक संबंध। तल-आतंत्रि, केशालत्व। असंगीड़ द्रव्यों का प्रवहरण तरल तथा वाति द्रव्यों का आलगत्व।

ध्वनि :—क्लोत्पादित आवेषन प्रतिस्वन। तरंग गति। आवेदनांक परिवर्तन। दोरक तथा वायुस्तम्भ-आवेषन। वारं वारतामापन ध्वनि का प्रवेग तथा चुम्बकन। स्वर ग्राम। प्रशाल ध्वनि विश्वान। पार स्वनिकी।

ऊष्मा तथा ऊष्मा—प्रवैगिकी—वातियों का गतियाद ऊउन का गतिवाद। वान डेर थलिका स्थिति का समीकार। तापमान की भाप आपेक्षित तथा संवाही ऊष्मा। जूल थामसन वातियों का प्रभाव तथा तरलन। ऊष्मा प्रवैगिकी नियम। ऊष्म यंत्र। काल-काय विकरण।

प्रकाश :—रेखाकीय काशिकी तथा साधारण काशिक सहित दूरेक्ष तथा अण्वीक्ष। चाक्षुष प्रतिक्रिम्ब में दोष तथा उनका सुधार प्रकाश तथा तरंग सिद्धांत। प्रकाश। प्रवेग की भाप। प्रकाश में बाधक, व्याख्य तथा अभिसंपदन। साधारण मियोघट्ट भरंगावलीक्षा के तत्व रमन प्रभाव।

विद्युत तथा चुम्बक

साधारण मामलों के क्षेत्र में तथा शब्दम की गणना। गौस प्रमेय। विद्युनाम। पदार्थ के विद्युतीय तथा चुम्बकीय गुण और उनकी भाप। विद्युत प्रवाह के धारण चुम्बकीय क्षेत्र द्वाहमान विद्युत के वेग तथा मात्रा की भाप। शक्तमान। रोब, प्ररोक्षत तथा धारता; तथा उनका मापन। तामविद्युत्। आवर्ती विद्युदाह के तत्व। विद्युज्जितिवा तथा विद्युद्धित्। विद्युदंशन। विद्युच्चम्बिक तरंगें। नमोवर्णी कपाद दीप तथा उनके द्वारा वित्तु तरंगों की साधारण प्रयोगित, पारंपरण आकान। द्रूरवीक्षण।

आधुनिक भौतिकी के तत्व :—विद्युदणु प्राण तथा क्लीवाणु के प्रायमिक तत्व। क्रिया ऊर्जाण-स्थरांक। परमाणु का शहबत परमाणु सिद्धांत। क्ष-रस्मिन्नों तथा उनके गुण। तेजोद्विरेता के तत्व तथा आकार एवं अवणं रस्मिन्नों के गुण। परमाणुओं की व्याप्ति। सापेक्षता पुंज तथा ऊर्जा के विशेष सिद्धांत के तत्व। वर्षांडन तथा द्राव। क्लीवाणु रस्मिन्नों।

5. रसायन (कोड—05)

असाधारणिक रसायन:—परमाणु की संरचना। रेडियोरग्विटवता समस्थानिक। तत्वों का कृतिम तत्वांतरण। नाभिकीय विद्युद्भवन। रासायनिक बन्धों की प्रकृति। वायुमंडल की अधिक गैसें। अपेक्षाकृत अधिक सामान्य और उपयोगी तत्वों तथा उनके योगिकों का रसायन। दुलभ मृदा तत्व। हाइड्रोज़ आक्साइड, आर्कसी अम्ल। पर-ग्रन्ति और पर-लवण तथा काबहिड। अकार्बनिक मंकर। रसायनिक विश्लेषण का मूलभूत सिद्धांत।

कार्बनिक रसायन:—पैट्रोलियम और पैट्रोलियम उत्पाद। एसिफिटिक योगिकों के निम्नलिखित गैसों का रसायन; संतृप्त और असंतृप्त हाइड्रोकार्बन, एल्कोहार, ईथर, एल्डिहाइड, कीटोन मोनो और डाई-कार्बोक्सीलिक अम्ल, ईस्टर, प्रतिस्थापित कार्बो-क्सीलिक अम्ल। थायो, नाइट्रो और सायनों योगिक। ऐमीग यूरिया यरीआइड, कार्ब-धात्विक योगिक, मोनोसेक्टराइड (संरचना सहित), कार्बोहाइड्राट और प्रोटीन (सामान्य परिचय) सरल एलिचीय योगिक। विकृति सिद्धांत।

एरोमेटिक:—बैंजीन, नैफ्यैलीन और एन्थासीन तथा उनके मुख्य व्युत्पन्न, कोलतार, आसवन, फिनौल, एरोमेटिक, एल्कोहाइल, एल्डिहाइड, कीटोन। एरोमेटिक अम्ल और हाइड्रोक्सी अम्ल। त्रिविमविन्यासी वाधा। एरिल-एमीन, डाइएजो' एजो और हाइड्रोजों योगिक। किंवित। विषय-चक्रीय योगिक। पाइरोल, पिरिडीन, किंवितीन, इन्टोल और नील। एजो, डाइ-फैनिल मेथेन और पथेलीन रंजक।

सरल आपाविक पुर्नविन्यास, समावदता, त्रिविम समावयकता और चलावयतव्यण। बहुलकीरणह।

भौतिक रसायन:—शृणुगति सिद्धांत गैसों के गुणधर्म, अवस्था-समीकरण, (सान-डेर-वाल, का, डाइटेरिसाइड) आन्तिक अवस्था, गैसों का द्रवण। रसायनिक संघटन के सापेक्ष तत्वों तथा भौतिक गणधर्म। पारंभिक क्रिस्टलिकी।

ऊष्मागतिकी का पहला और दूसरा नियम और इन नियमों का सरल भौतिक तथा रसायनिक प्रक्रमों में अनुप्रयोग। रासायनिक साम्य और द्रव्य-अनुपाती क्रिया का नियम। ला-शाते लिएं का नियम। प्रोवस्था-नियम और उसका एक-घटके तत्वों तथा लोह-कार्बन तत्व में अनुप्रयोग।

अभिक्रिया की दर और कोटि। प्रथम और द्वितीय कोटि की अभिक्रियाएं। अंखला अभिक्रियाएं। प्रकाश रासायनिक अभिक्रियाएं। उत्प्रेरण। अधिशोषण।

विद्युत-अपघटनी वियोजन। आवनिक साम्य। अम्ल-क्षारिक साम्य और सूक्चक। विद्युत-अपघटनी चालकता और उसके अमु-प्रयोग। इलैक्ट्रोड-विभव। सैल का विद्युत् वाहक बल। विद्युत्-वाहक बल के माप और उनके अनुप्रयोग।

6. बनस्पति विज्ञान (कोड—06)

क्रिस्टोर्गेम (वैक्टोरिया और वाइ स सहित) तथा फोरोर्गेन, विशेषकर भारतीय क्रिस्टोर्गेम और फैनरमैन, के विभिन्न समूहों और उपसमूहों अथवा कुलों और उपकुलों महत्वपूर्ण निरूपकों

के रूप, संरचना, प्रकृति, आर्थिक महत्व, जीवनवृत्त और परस्पर संबंध।

पादम-फिजोलज के मूल सिद्धांत और प्रक्रम।

भारत में मिलने वाले ग्रस्य-पौधों के महत्वपूर्ण रोगों का सामान्य ज्ञान और उन रोगों का नियंत्रण तथा उन्मूलन।

परिस्थिति की ओर पादन भूगोल, विशेषतः भारतीय बनस्पति-समूह और भारत के नवनस्पति के क्षेत्रों से संबंधित मूलभूत तथ्य।

विकास, कोणिका-विज्ञान और आनुबंधिकी और पादम-प्रजनन का मूल ज्ञान।

मानव कल्याण के लिए और विशेषकर, खाद्याश्रों, दालों, फलों, शर्कराओं, स्टार्चों, तेलबीजों, मसालों, पेयों, तन्तुओं, लकड़ियों, रबर, ग्रीष्मधियों और सुरांध तेलों जैसे बनस्पति उत्पादों में पौधों पौधों के आर्थिक उपयोग।

बनस्पति विज्ञान से संबंधित ज्ञान के विकास का सामान्य परिचय।

7. प्राणिविज्ञान (कोड—07)

विशेषकर भारतीय संदर्भ आकर्डेंटों और कार्डेंटों का वर्गीकरण, जीव-परिस्थितिकी, अकारिकी, जीवन वृत्त और संबंध।

अव्यावरण, अंतःकंकाल, चलन भरण, स्थिर, परिसंचरण, प्रवसन, आस्मो-रैग्यूलेशन, तंत्रिका-तंत्र, ग्रहियों और पुनरुत्पादन की क्रियात्मक अकारिकी (रूप, संरचना और कार्य)। कणोस्की भ्रण विज्ञान के तत्व।

विकास:—प्रमाण-वाद और उनकी आधुनिक व्याख्याएं। मेन्डेलीय आनुबंधिकता, म्युटेशन। प्राणी-कोणिका की संरचना। कोणिका-विज्ञान और आनुबंधिकी के मूलभूत सिद्धांत। अनुकूलन और वितरण।

8. भूविज्ञान (कोड—08)

भौतिक, भूविज्ञान और भूआशुक्ति विज्ञान:—पृथकी का उद्भव संरचन, गर्भ तथा आयु। भू-अधिनिति और पहाड़। सभस्थिति। भाष्टीपों और महासागरों का सद्भाव। महाद्वीपीय विस्थापन भू-कैप-विज्ञान। ज्वालामुखी-विज्ञान। पृष्ठ एजेन्सियों की भू-वैज्ञानिक क्रिया।

संरचना तथा क्षेत्र भू-विज्ञान:—आग्नेय अवसादी और कायांतरित शैली की सामान्य संरचनाएं। बलन, भ्रंश, विष्म विन्यासों, संधियों और क्षेत्रों का अध्ययन। भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण और भूमापन की विधियों की प्रारम्भिक ज्ञानकारी।

क्रिस्टल-विज्ञान और खनिज विज्ञान:—क्रिस्टल रूप और नमिति के तत्व, क्रिस्टल-विज्ञान के नियम, क्रिस्टल तंत्र और वर्ग, क्रिस्टल प्रकृति, यमनलन। विधि प्रक्षेप। खनिजों की भौतिक, रासायनिक और प्रकाशित गुणधर्म। अधिक महत्वपूर्ण शैलकर तथा आर्थिक खनिजों का इनके रासायनिक और भौतिक गुणधर्म, क्रिस्टल संरचनात्मक और प्रकाशित लक्षणों, परिवर्तनों, प्राप्ति, और व्यावसायिक उपयोगों के संबंध में अध्यनय।

स्तरित शैल-विज्ञान और जीवाश्य विज्ञान—स्तरित शैल-विज्ञान के नियम। भारतीय स्तरित शैल-विज्ञान। भूवैज्ञानिक अभिलेखों के अश्म-वैज्ञानिक और कलात्मक प्रविभाग। जीवाश्य-प्रकृति और परिरक्षण का हंग; जैव विकास पर प्रभाव। अनुशोधकों तथा पादप जीवाश्य।

आर्थिक भूविज्ञान—प्रवस्तु उत्तरित के सिद्धान्त, वर्गीकरण, भूविज्ञान, प्राप्ति, भारत के प्रमुख धात्विक और अंगात्मिक खनिजों के क्षेत्र तथा स्रोत। भारत में खनिज उद्योग। भूभौतिकीय पूर्वक्षण और अवस्थन-प्रताधन के नियम।

शैलविज्ञान—प्रग्निय, आवरणी और कायांतरित शैलों का उद्भव, रवना, संरक्षण और वर्गीकरण। सामान्य भारतीय शैल प्रकारों का अध्ययन।

9. भूगोल (कोड—09)

संसार, विशेषतः भारत का प्राचुर्य और मानव भूगोल। प्राचुर्य के भूगोल के नियम, जिसमें स्थलमंडल, जलमंडल और वायुमंडल का विस्तृत अध्ययन करना शामिल है। चक्र-संकल्पनाओं सम्बन्धित, पर्वत विश्वन के प्रक्रमों, मौसम घटनाओं, महासागर-जल की विहितस्तीय और अवस्थातीय गति, आदि के संबंध में आधुनिक विचारों का ज्ञान भी हो।

मानव भूगोल के नियम, जिसमें संस्कृति, प्रजापति, धर्म आदि के आधार पर जिन वितरण, वातावरण और जीवन-प्रणाली, जन-संघर्षों उपर्युक्ति, जनसंख्या की आवाजाही का विस्तृत अध्ययन करना भी शामिल है।

उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि उन्हें भारत के प्राचुर्य, मानव और आर्थिक भूगोल का विस्तृत ज्ञान हो।

10. अंग्रेजी साहित्य (कोड—10)

उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि उन्हें चौमर से लेकर महारानी विकटोरिया के शासन के अन्त तक अंग्रेजी साहित्य के इतिहास का सामान्य ज्ञान हो तथा निम्नलिखित रचनाओं की कृतियों का विशेष ज्ञान हो।

शेखसफीयर, मिल्टन, डाइडन, जानसन, वर्डसवर्थ, कीटन, डिक्ट्स, टेनिसन, आर्नल्ड तथा हार्ड।

स्वयं पुस्तकों पढ़ने का प्रमाण अपेक्षित होना।

प्रश्न पत्र इस प्रकार से बनाए जाएंगे, जिससे उम्मीदवारों की आलोचनात्मक योग्यता की जांच की जा सके।

11. असमी (कोड—11), बंगाली (कोड—12), गुजराती (कोड—13), हिन्दी (कोड—14), कश्मीरी (कोड—15), कश्मीरी (कोड—16), मलयालम (कोड—17), मराठी (कोड—18), उडिया (कोड—19), पंजाबी (कोड—20), सिध्धी (कोड 21 या 22), तमिल (कोड—23), तेलुगु (कोड 24) तथा उर्दू (कोड—25) :—उम्मीदवारों से यह प्रत्याशी की जाएगी कि भाषा के ज्ञान और उसके साहित्य को दर्शा सके। जिन कृतियों से वे संबंध रखते हैं, उनमें से जो सर्वोत्तम समझी जाती है उनका उन्हें प्रत्यक्ष ज्ञान होना अनिवार्य है; यद्यपि प्रश्न कम भावशक कृत्यों पर भी तैयार किये जा सकते हैं। उनसे

यह भी प्रत्याशा की जाएगी कि ऐतिहासिक तथा संस्कृति, बौद्धितथा वालात्मक अंदोलनों की पृष्ठभूमि का ऐसा ज्ञान रखते हों तथा भाषा-विशेषक विकासों का जिससे उनको साहित्य को समझने में सहायता मिलेगी। प्रश्न साहित्य इतिहास और भाषा के ऊपर तैयार किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को अनुवाद, व्याख्या करनी होगी तथा परिच्छेदों पर टिप्पणी के लिए कहा जा सकता है।

टिप्पणी : मद (11) के अवधीन दिए गए विषयों में से किसी विषय को लेने वाले उम्मीदवार की संवेदित भाषा में कुछ अप्रवा सभी प्रश्नों के उत्तर देने अपेक्षित होंगे। इन भाषाओं के लिए प्रयोग की जाने वाली लिपियां निम्नलिखित हैं :—

भाषा	लिपि
1. असमी	असमी
2. बंगला	बंगला
3. गुजराती	गुजराती
4. हिन्दी	देवनागरी
5. कश्मीरी	कश्मीरी
6. कश्मीरी	फारसी
7. मलयालम	मलयालम
8. मराठी	देवनागरी
9. उडिया	उडिया
10. पंजाबी	गुरमुखी
11. सिध्धी	देवनागरी अथवा अरबी
12. तमिल	तमिल
13. तेलुगु	तेलुगु
14. उर्दू	फारसी

12. अरबी (कोड—26), चीनी (कोड—27), फांसीसी (कोड—28), जर्मन (कोड—29), पाली (कोड—30), फारसी (कोड—31), रुसी (कोड—32) तथा संस्कृति (कोड—33) :—उम्मीदवारों को प्रमुख परिनिष्ठित साहित्य-कारों का ज्ञान होना अपेक्षित है और उनमें उस भाषा में रचना करने और उससे अनुवाद करने की योग्यता होगी चाहिए।

टिप्पणी :—अरबी, फारसी और संस्कृत लेने वाले उम्मीदवारों से कुछ प्रश्नों के उत्तर, यथास्थिति, अरबी, फारसी या संस्कृत में देने की अपेक्षा की जा सकती है। संस्कृत में लिखे जाने के लिए उत्तर देवनागरी लिपि में लिखे जाने चाहिए।

13. भारतीय इतिहास (कोड—34)

चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल से लेकर भारतीय गणतंत्र की स्थापना तक।

प्रश्न-पत्र में राजनीतिक, संविधानिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक विकास पर भी प्रश्न होंगे।

14 श्रिटिश इतिहास (कोड-35)

अध्याधीन अवधि 1485 से 1945 तक होगी। प्रश्न-पत्र में राजनीतिक, सांवेदानिक प्रार्थिक तथा सांस्कृतिक विकास भी पर प्रश्न होंगे।

15 यूरोप का इतिहास (कोड-36)

अध्याधीन अवधि मन् 1789 से 1945 तक होगी।

प्रश्न-पत्र में राजनीतिक, राजनयिक प्रार्थिक और सांस्कृतिक विकास पर प्रश्न गामिल होंगे।

16 विश्व इतिहास 1789 में 1945 तक (कोड-37)

उम्मीदवारों ने आशा की जाएगी कि उन्हे विश्व के राजनीतिक और प्रार्थिक विकास विशेषत युरोप, अमेरिका मुद्रणपूर्व, मध्यपूर्व तथा अफ्रीकी महाद्वीप के बारे में गहन ज्ञान हो। सांवंभीमिक महत्व की ग्रतर्दिय घटनाओं पर विशेष वल दिया जाएगा।

उम्मीदवारों से यह भी आशा की जाएगी कि उन्हे विज्ञान, साहित्य तथा कला के क्षेत्रों में प्रदर्शित सम्पूर्ण सम्बन्धों के योगदान में प्रतिविवित सांस्कृतिक विकास का ज्ञान हो।

17 सामान्य अर्थशास्त्र (कोड-39)

उम्मीदवारों ने आशा की जाएगी कि उन्हे निम्नलिखित विषयों का सामान्य ज्ञान हो

- (क) आर्थिक विश्लेषण के मिद्दात, तथा
- (ख) आर्थिक मन्तव्यों का इतिहास।

उनमें अपने सैद्धान्तिक ज्ञान को वर्तमान भारतीय आर्थिक समस्याओं के विश्लेषण के लिए प्रयोग करने की अयोग्यता होनी चाहिए।

18 राजनीतिक विज्ञान (कोड-39) —उम्मीदवार से राजनीतिक सिद्धात और उसके इतिहास का ज्ञान अपेक्षित है। राजनीतिक सिद्धात का तात्पर्य केवल विधान-सिद्धात से ही नहीं है प्रतिनिधि सरकार, सघबाद आदि) और केन्द्रीय स्थानीय तथा लोक प्रणासन सबधी प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं। उम्मीदवारों का वर्तमान सस्थानों की उत्पत्ति और विकास का ज्ञान भी होना चाहिए।

19 दर्शन शास्त्र (कोड-40) —उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि उन्हे निम्नलिखित के विशेष सदर्भ महित पूर्व और पश्चिम के नीति शास्त्र के इतिहास और सिद्धात की जानकारी होगी। नैनिक स्तर और उसके अनप्रयोग की समस्याएं नैतिक निश्चय, नित्यबाद और स्वतन्त्र इच्छायक्ति, नैनिक, व्यवस्था और प्रगति, व्यक्ति ममाज और राज्य के बीच सबध, अपग्राध और दण्ड के मिद्दान्त तथा नीतिशास्त्र का धर्म से सबध।

उनसे यह भी आशा ही जाती है कि वे निम्नलिखित के विशेष सदर्भ महित पश्चिमी दर्शनशास्त्र के इतिहास की जानकारी रखेंगे। दर्शनशास्त्र की प्रकृति और उसका विज्ञान

तथा धर्म से सबध, पदार्थ एवं आत्मा, स्थान एवं समय, कारणता एवं विकास तथा मूल्य एवं ईश्वर के मिद्दात और ईश्वर, आत्मा एवं मुक्ति, एवं कारणता, विकास एवं प्रतीति के मिद्दान्तों के विशेष सदर्भ सहित भारतीय दर्शन (धर्मनिष्ठ और धर्म विरोधी प्रणालियों रहित) का इतिहास।

20 मनोविज्ञान (कोड-41)

मनोविज्ञान —उसका स्वभाव, धोन्न एवं अध्ययन की विधिया, मनोविज्ञान में प्रयोगिक विधिया।

मानवीय विकास के कारक —आनुवंशिक की एवं परिवर्तन।

अभिप्रेरणा भावनाएँ एवं संवेद, उनका स्वभाव एवं विकास, संवेदों के सिद्धान्त, चरित्र का विकास।

सज्जनात्मक प्रक्रियाएँ, सवेदन, प्रत्यक्ष ज्ञान, अधिगम, स्मरण शक्ति तथा विस्मरण और मनन।

प्रश्न एवं योग्यताएँ —सकल्पना और माप व्यक्तित्व-स्वभाव निर्धारित तत्व, मिद्दात और मूल्यांकन।

दलगत प्रक्रियाएँ एवं दलगत प्रभाव, समूहगत व्यवहार, नेतृत्व एवं मनोबल, अभिवृत्ति एवं अपकृति, सामाजिक-परिवर्तन।

अपमानाच्यतया की सकल्पना, मत स्ताप और मनोविद्धिनियों के मुख्य रूपों की पर्हचान एवं कारण, सामाजिक विकृति विज्ञान और बाल-अपराध—कारण और उपाय चिकित्सा विधिया के मुख्य रूप।

21 विधि (कोड 4-2)

1 विधि शास्त्र विधि सकलना विधि के प्रकार, सकारात्मक विधि, न्याय प्रशासन। विधि के स्रोत, विधि के तल जिनमें विधिक अधिकार और कर्तव्य शामिल हैं, दायिताये स्वामित्व कव्या विधिक व्यक्तित्व, सम्पत्ति।

2 सविधान विधि भारत की सविधान विधि जिसमें प्रशासनिक विधि शामिल है, श्रिटिश सविधान के मूल मिद्दात।

3 टाट्स्म विधि जिसमें टाट्स्म के लिए राज्य की दायिता शामिल है।

4 दाइक विधि (भारतीय दड सहित)।

5 साक्ष्य विधि सुसगति और प्रकल्पे साक्ष्य के प्रकार मौखिक और लेख्य साक्ष्य प्राथमिक और माध्यमिक साक्ष्य प्रमाण-भार विवधन, प्रदाताती नैटिस।

22 विधि (कोड-43)

1 सविदा विधि के सामान्य मिद्दात (भारतीय सविदा अधिनियम की धारा 1 से 75 तक)।

2 भारतीय सविदा अधिनियम के विशेष सदर्भ में क्षति पूर्ति विधि गारटी गिर्वी और एजेसी।

3. भारतीय विधि के विशेष संदर्भ में सामान बिक्री विधि, सौम्यदारी विधि पराक्रम्य उपकरण तथा बैंकिंग (सामान्य सिद्धान्त) ।

4. समवाय विधि ।

23. विधि III (कोड 44)

अन्तर्राष्ट्रीय विधि की कृति और स्नोत । अन्तर्राष्ट्रीय विधि का इतिहास अन्तर्राष्ट्रीय विधि का सप्रदाय अन्तर्राष्ट्रीय विधि और देश विधि ।

अन्तर्राष्ट्रीय विधि में व्यक्तियों के हृषि में राज्य । अन्तर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व का अधिग्रहण और हानि । राज्य मान्यता । राज्य उत्तराधिकार ।

राज्य के अधिकार और कर्तव्य समानता का सिद्धान्त । राज्यों का क्षेत्राधिकार ।

सधियां ।

अन्तर्राष्ट्रीय संवर्ग के एजेट/राजनियक एजेटों के विशेषाधिकार और उन्मुक्त व्यक्ति और अन्तर्राष्ट्रीय विधि । अन्य देशीय निवासी गतिकरण । देशीकरण । राष्ट्रहीनता । प्रत्यर्पण युद्ध अमराधी ।

अन्तर्राष्ट्रीय विवादों को तय करने का ढंग ।

युद्ध । घोषणा । प्रभाव ।

स्थल जल और वायु-युद्ध के नियम ।

आत्म रक्षा के लिए युद्ध : सामुहिक मूरक्षा । अंतर्राष्ट्रीय समझौते । युद्ध को अवैध घोषित करना युद्धकारी दखल के नियम । युद्धकारिता और राज्य प्रतिरक्षण ।

युद्ध के ढंग । युद्ध-कैदी । निरीक्षण और तलाशी का अधिकार ।

नीजितमाल न्यायालय

नाकावन्दी और विनिपिद्ध ।

तटस्थता और तटस्थीकरण । युद्ध में तटस्थ देणों के अधिकार और कर्तव्य । अतटस्थ सेवा । संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अधीन तटस्थता ।

संयुक्त राष्ट्र का चार्टर और राष्ट्र संघ का प्रतिज्ञापात्र संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ग्रंथ । विशिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय संगठन ।

उभीदवारों से आशा की जाती है कि वे अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में दिए गए फैसले सहित मामलों की जानकारी दे सकेंगे ।]

24. प्रयुक्त यांत्रिकी (कोड 45)

निर्माण

छतकैची के सम्मिरण में प्रयुक्त सामग्री पर विचार ।

इस्पात और इमारत लकड़ी । छतकैचियों के प्रतियन का विभिन्न पद्धतियों से निर्धारण । अचल भार और वायु दाव थेम और काईकारी प्रतिबल के घटक ।

छतकैचियों का डिजाइन : विभिन्न प्रकार के छतकैचियों और छतादान कालरबोम और अधिगोल कैचियों । स्तम्भों के डिजाइन में यूलर गोरडन रेंकिंग फिलर जान्सन और सरल रेखा के सूक्ष्मों ना उपयोग स्तम्भों का बहकावकारक विभिन्न सूक्ष्मों से प्राप्त स्तम्भों की तुलनात्मक सामान्य को दर्शने वाले वक्र । काटों के कार का चयन । इस्पाती कार्य की परिसरजा जोड़ एडब्ल्यूरिंगों का डिजाइन सिरों को जमाने के सहारे देने को पढ़ितियाँ ।

संरचनाओं के डिजाइनों में प्रतिफल के वृत्तों और दीर्घवृत्तों तथा क्षेत्रप्राप्ति प्रमेय का अनुप्रयोग ।

हल्से लोहे और इस्पात के स्तम्भ : इस्पाती स्तम्भों के साथ प्लेज और बेव कनेक्शन : टोपिंगो आधार स्तम्भों का तिर्यक तान ।

नींव : सुरक्षित दाव स्तम्भों की नींव । पटिया नींव, बाहुधरन नींव, झन्नीरीदार नींव । कूप स्थूणा ।

पुश्ता दीवार और मिट्टी के दाव : रेंकिंग सिद्धांत, बेज सिद्धांत, विकंर और ठलाई की ग्राफीय रचनाएँ, संशोधनों सहित । चिनाई में विभिन्न प्रकार की पुश्ता दीवारों का डिजाइन ।

ऊंची चिनाई और इस्पाती चिमनियाँ : सिद्धांत और डिजाइन

इस्पाती और पक्के जलाशयों का डिजाइन : वायु दाव के विचार से ।

दांचेदार संरचनाओं के विभाव और ग्रातिरिक्तियों दांचों में प्रतिबल ग्रादि का अवधारण ।

कैचियों आवृद्ध धरनों और तीन पिनी परबलयिक, अधृवृत्ताकार तथा अधृवृत्ताकार डाटों पर सामान रूप से वितरित और अनियमित भार के वक्त धूर्णन और कर्तन के प्रभाव-आरेख गम्बद डिजाइन के सामान्य सिद्धांत ।

निर्माण, डिजाइन के सिद्धांत, निर्माणों पर भार का विचार इस्पात, कर्म गड़ेर आदि ।

पुल

उपरी दाने का डिजाइन । चरमरों और वायु दावों के कारण हुए बंकन धूर्णन का ग्राफीय और वैश्लेषिक पद्धतियों से निर्धारण । पक्के पुलों और पुलियों का डिजाइन ।

प्लेट ब्रेच गड़ेर । प्रतिवलों का विश्लेषण ।

बारेन और जालदार गड़ेर ।

तीन पिनी डाट दो पिनी और दूढ़ डाट ।

झूला, बाहुधारन और नसिकाकार पुलों के डिजाइन पर सामान्य विचार इस्पाती डाटवार पुल ।

झूलना पुल ।

प्रबलित कंक्रीट

कर्तन, बंध और विकर्ण तनाव, इसका स्वरूप, प्रबलन का मूल्यांकन और स्थान ।

सरल और दोहरी प्रबलित धरन और अनुकालिंब धरन का डिजाइन ।

प्रबलित कंक्रीट स्तम्भों और स्वनामों का सिद्धांत और डिजाइन ।

पर्टियाँ निवों का डिजाइन।

सरल बाहुधरन और पुणेदार धारक दीवारों का डिजाइन प्रबलित कंक्रीट कांरों के लिए तुल्य जड़ता-धर्ण।

प्रत्यास्थ विक्षण का सिद्धात और प्रबलित कंक्रीट डाटों में प्रतिबलों के अन्वेषण की रूप रेखा।

सामान्य

प्रतिबल विश्लेषण विकृति प्रत्यास्थता सीमा और चरम सामर्थ्य का विश्लेषण : प्रत्यास्थ स्थिराको में परस्पर संबंध। किसी संरचना अवधारण में कार्यकारी प्रतिबलों के लिए लानहाई-बेरोध सूत्र और उसके अनुप्रस्थ काट के क्षेत्र का अवधारण। प्रतिबलों पुनरावृति। अचल मारों के लिए बंकन धूर्णन और कर्तन-बल के आरेख दांटों में प्रतिबलों का ग्राफीय अवधारण वायुदाव का प्रभाव, कांटों की पद्धति। बंकन (M/I-F/Y-E/h) के कारण धरन की अनुप्रस्थ काट में प्रतिबल, मिजित और संयुक्त प्रतिबल। मिट्टी के दाव का रैकीन सिद्धांत, नीवों को गहराई खसकों की सामर्थ्य ज्ञानरीदार नीव, मिट्टी के दाव का क्लाम सिद्धांत रेखान के कारण परिवर्तन।

चलमारों के लिए बंकन धूर्णन कर्तन बल के आरेख। समान और समान रूप से बदलते हुए प्रतिबल का विश्लेषण धरनों के बंकन का प्रत्यास्थता-मिट्टी धरनों में बंकन और कर्तन प्रतिबल, काट का भांपांक और तुल्य क्षेत्र। उत्क्रेन्ड भारत के कारण जोड़ में अधिकतम और न्यूनतम प्रतिबल। बांधों और चिमनियों में प्रतिबल: घंटे की स्थिरता, कार्य मर्नेचनायें। वाधित खोलों में प्रतिबलों और रिकेटदार जोड़ों का डिजाइन : थाम : संबंध में आयतकर का सिद्धांत, रैकिन, गार्डर और अन्य सिद्धांत के कारण परिवर्तन ऐठन, संयुक्त ऐठन और संकेत विक्षेप। आबद्ध धरने, अनेकालंब धरने और त्रिपूर्ण प्रमेय। डांटों का प्रत्यास्थता-मिट्टी, पक्की डांटे।

25. समाज शास्त्र (कोड 46)

समाज शास्त्र का स्वरूप, विषय क्षेत्र तथा पूर्ववृत्त—समाज शास्त्र तथा अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ संबंध।

जाति तथा समाज—भौगोलिक वालावरण तथा समाज—जन-संख्या तथा समाज—संस्कृति, धारणा, उसका महत्व तथा समाज और व्यक्तित्व के साथ संबंध।

समाजशास्त्र की मूल धारणाएँ : ममूह—प्राथमिक, माध्यमिक और संदर्भ समूह—भूमिका—सामाजिक—संरचना सामाजिक कार्य—सामाजिक संगठन—मानदण्ड तथा मान्यताएँ।

समाजीकरण—सामाजिक नियंत्रण—सामाजिक दण्ड—विधान

मूल सामाजिक संस्थान : परिवार और संगोवता—संयुक्त परिवार—ग्रामिक, राजनैतिक, धार्मिक तथा कानूनी संस्थान।

सामाजिक स्तरीकरण : जाति, सम्पदा तथा वर्ग—सामाजिक प्रक्रियाएँ—सहकारिता तथा प्रतिद्वन्द्व

समितियों की किस्में :—प्रसाध्य तथा सम्भव—गरल तथा जटिल—परम्परागत तथा आधुनिक।

सामाजिक परिवर्तन : सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत—आवोजित सामाजिक परिवर्तन—सामाजिक विकास।

ग्राम्य और शहरी समुदाय—शहरीकरण।

नोट :—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जायेगी कि वे तथ्यों द्वारा मिद्दातों का निरूपण करे तथा सिद्धातों की महायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। उनसे भारतीय समस्याओं की विशेष जानकारी अपेक्षित होगी।

भाग—ग

परिशिष्ट II के भाग I के उप भाग (ग) के अनुसार

1. (क) उच्चतर विशुद्ध गणित : (कोड : 50)

- (1) आधुनिक बीजगणित तथा स्थचन विज्ञान।
- (2) वास्तविक चरों के फलनों का विश्लेषण।
- (3) सम्मिश्र चरों के फलन।
- (4) ज्यामिति तथा
- (5) अन्त समीकरण।

(1) आधुनिक बीजगणित—समूहों, जयसमूहों, प्रसामान्य उपसमूहों। खंड समूहों। समरूपता तथा एक समाकृति। एक समाकृति पर प्रमेय। अमय असमूहों। रूपांतरण समूहों। स्वसमाकृतिकता के समूहों। आंतरिक स्वसमाकृतिकता। प्रासामान्यकर्ता, केन्द्र तथा दिक् परिवर्तक। केले और सोलों के प्रमेय। परिमितीय जनक आवेदी ग्रुपों के लिए वियोजन प्रमेय। निश्चरों। प्रसामान्य श्रेणी, संयोजक श्रेणी, आर्डन—होल्डर प्रमेय। रिंग पूर्णकाय डोमेन। विभाजन रिंग। क्षेत्रों। आदर्श, प्रारंभिक तथा मैक्सिमल आदर्श, आदर्श के धनराश तथा गुणनफल। भागफल रिंग। रिंगों के लिये एक समाकृति प्रमेय। पणीकीय डोमेन के भागलों का क्षेत्र। यीविलडी डोमेन। मुख्य आदर्श डोमेन। अद्वितीय गुणनखंडमूल डोमेन। रिंग परिवर्तित रिंग के उपर बहुपद रिंग अद्वितीय गुणनफल डोमेन के बहुपद गणांकों सहित। नियोपस्थित रिंग। वेक्टर स्थानों। वेक्टर स्थान का आधार विपक्ष। लांक्रिकता। आर्देशगुणनफल। आर्थानिमिल आधार।

क्षेत्र विस्तार। विभाजकफल्ड। पृथक होने योग्य और प्रथम न होने योग्य विस्तार। परिमित विस्तारों का गोलोइस का प्रमेय। करणी द्वाग समीकरणों के हल का अनुप्रयोग। परिमित क्षेत्र।

स्थान वैज्ञानिक स्थान। मानचिदों तथा आस-पास, बंद-समुच्चय, स्वांतर समुच्चय स्थान वैज्ञानिक स्थान के लिए आधार उपस्थान, पागफल स्थान। स्थान विज्ञान तथा विज्ञानों के मामर्थ की परिभाषा के विभिन्न तरीके। मैट्रिक स्थान, यविलडी स्थान तथा मैट्रिक स्थानों के अन्य उदाहरण। दो स्थान वैज्ञानिक स्थानों के संयोजकों कार्तीय गुणनफल, स्थानीय संयोजन। पथ के अनुमार संयोजन। संहित स्थान के संहित स्थानों द्वारा गुणनफल, स्थानीय संहित स्थानों। पर्थथ-प्रभिगृहीत। हाजडोर्फ, प्रसामान्य तथा नियमित स्थान।

(2) वास्तविक चरों के फलनों का विश्लेषण :

वास्तविक संख्याओं का डोकेकांड का प्रमेय। परिवर्ध और मीमांस। अनुरूपों। संतत तथा एक समान संतत। अवकालनीयता अस्पष्ट फलनों। फलनों के अधिकतम और न्यनतम। गीमन समाचे

कलन। माध्यमान प्रमेयों? अनुचित पूर्णकीयों (रेखा, समतल तथा गणांक पूर्णकीयों)। रेखा समतल तथा गुणांक पूर्णकीय ग्रीन और स्टकों के प्रमेय।

एक समान अभियांत्री श्रेणियों के एक समान अभिभावण की श्रेणियों और गुण। अवधिभिन्न गुणनकलों का अभिन्नरण। भमूच्चय के फलनों के आर्थिकमीलटी तथा सम्पूर्णता। कूरिये श्रेणियों तथा कूरिये प्रमेय। बायरस्ट्रास सेनिगटन प्रमेय। लंबस्यु का आप प्रबंधित फलनों के मापीय फलन तथा लेवेस्यु पूर्णकीय।

(3) मिथितचर के फलन—उस के समतल और रीमैन के गोला परसंसिश भंडायांगों का निरूपण। द्विचरक्षाती लूपों-तरणों विश्लेषिक फलनों। कौची का प्रमेय तथा उसका विलोम। कौची का पूर्णकीय सूत्र। टेलर तथा लारेट की श्रेणियों। विद्योऊ-वाइल का प्रमेय। विजितताएं शून्यों/अवशेषों का प्रमेय तथा पूर्णकीय के मूल्योक्तन के लिए इस का अनुप्रयोग। बीजगणित का मूल प्रमेय तथा बीजगणित के समीकरणों के मूल। अनुकोण निरूपण। विश्लेषिक संगत। मिटेक्टेपर का प्रमेय। बाइरेस्ट्रास का गुणनबंड का प्रमेय अधिकतम मापांक भिन्नांति। हैडामार्ड का निवृतीय प्रमेय।

(4) उपायिति :—समतल परचल्डो तथा द्विघातियों की जन रेखाएँ विद्याती पृष्ठ तथा इसका विश्लेषण। संतामि विद्याती। विद्याती की वैसिलों का प्रारम्भिक प्रमेय। सोला में वर्क/वक्ता तथा ऐडेन। फेट के सूत्र। आवरण विकास योग्य समतल। विकास योग्य वक्त से भंगणित, रेखजपृष्ठ। पृष्ठों की वक्ता। वक्ता की रेखाएं संगुणी रेखाएँ। उपर्याही रेखाएँ। अल्पतरी।

(5) अवकल समीकरण

सामचरणवर्ध अवकल समीकरण :—गिकार्ड का अस्तित्व प्रमेय। प्रारम्भिक तथा सीमित प्रतिवर्ध। चरणगुणांकों के साथ रेखाकार अवकल समीकरण। श्रेणियों में समाकलन वैसिल तथा लैन्डर कलन। भूपूर्ण तथा युगमन अवकल समीकरण।

आंशिक अवकल समीकरण

आंशिक अवकल समीकरणों की व्याख्या। आंशिक अवकल समीकरणों के पूर्णकीय के प्रकार। प्रथम क्रम के आंशिक अवकल समीकरण चारपिट का तरीका। अवकल गुणकों के साथ आंशिक अवकल समीकरण। मारो का तरीका। द्वितीय क्रम के आंशिक अवकल समीकरणों का वर्गीकरण। आंशिक समीकरण तथा इसकी सीमितमान समस्यायें। तरंग समीकरण तथा ऊप्पाचलन के समीकरण का हल।

1. (ख) उच्चतर अमुपयुक्त गणित—(कोड 51)—

शामिल विषय ये होंगे :—

- (1) गति विज्ञान
- (2) द्रव्यगति विज्ञान
- (3) प्रत्यास्थता
- (4) विद्युत तथा चुम्बकत्व
- (5) आपेक्षित का विषय प्रमेय।

(1) गति-विज्ञान :—हंग तथा ऊर्जा। भूगतिमान से संबंधित गति। फैकाल्ट का लोलक। जिनका निवेशांक। होलीनोमिक तथा

अहोलोनीमिक प्रणालियां। छोटे दोलन। यूलर के ज्यामितीय तथा गतिक समीकरण। लूइकी गति। न्यूनतम धर्मांतरहैमिलटन का भिन्नता। हैमिलटन के विहित समीकरण तथा उनके समाकल निश्चय। गोस्टर्स रूपतरण।

(2) द्रव्यगति विज्ञान

सामान्य :—संतोल का समीकरण सवैग तथा ऊर्जा।

इन्विसिड प्रवाह प्रमेय :—द्रविभगति। प्रवाही गति। स्वोत तथा अभिगत। प्रतिविष्व के भरीके तथा इसके अनुप्रयोग वर्ल में वेन तथा गोला की गति। भ्रमिलगति। तरंग।

विस्कोस प्रवाह प्रमेय :—प्रतिवल तथा विकृति विश्लेषण। नेविनरेसेट-स्टोकेल समीकरण भ्रमिलता। ऊर्जा-क्षय। भ्रमतांतर प्रदिवांशों के बीच प्रवाह। नली में होकर प्रवाह गोला के पार धारी प्रवाह गति। सीनैटस्टर समल्पना-द्विविम प्रवाहों के लिए सीनैटस्टर। प्रदिवा के साथ सीमांतस्टर। समझता हल। संवर्ण तथा ऊर्जा भ्रमिलत। करमत तथा पोहलहैसेन का तरीका।

(3) प्रत्यास्थता :—लंतीर्ध टेसर। प्रतिवल तथा विकृति विश्लेषण कार्य तथा ऊर्जा। सट वेनेन्ट द्वा भिन्नांति। दंड और परिकांशों का मोड़ना। एठन।

(4) विद्युत तथा चुम्बकत्व :—स्थिर वैद्युत चालक तथा भैंसारिन चालकों की प्रणालियों। परावैद्युत। संतल्पनांशों के भरीके तथा इसके अनुप्रयोग। जालों में विद्युत धाराओं के प्रवाह चुम्बकत्व। चुम्बकत्व वैद्युत। प्रेरण। प्रत्यावर्ती धाराये मेक्सिल के समीकरण दोलानी परंपरण।

(5) अवेक्षिकता का विशेष प्रमेय :—गलीलियन भिन्नात। माइकलन-मोर्सेल प्रयोग। आपेक्षितका के प्रमेय के सिद्धात। लोरेंज रूपतरण तथा इसके परंपर। मेक्सिल के समीकरणों में लोरेंज निश्चय। निर्वात का विद्युत गार्तक। द्रस्तव्य। ऊर्जा।

2. उच्च भौतिकी (कोड 52)

द्रव्य और धूतन के सामान्य गुण धर्म :—विरूपण धर्म पिंडों की वात्रिकी। कुड़लिनी कामानी के गिराव घटनाएँ। धूतन मापन पराश्रविक्तिकी।

ऊष्मा और ऊष्मागतिकी :—आउनी गति। गेसों का अणुगति भिन्नांत। भिन्न दाव पर गेसों में मिलने वाली अभिगमन-घटनाएँ उष्मागतिक कार्य और उनके अनुप्रयोगधन। छातियों और गेसों की विशिष्ट ऊष्मा। निभन तापमान लाना। और उन्हें मापना। विक्लिण और ऊर्जा वितरण का पर्लेक्ट नियम।

प्रकाश विज्ञान :—भ्रामक समिति प्रकाशित तंत्रों का सिद्धात प्राप्तोंगत स्टेन्ट्रम-विज्ञान। विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत प्रकाश प्रकीर्ण। रामन-प्रभाव। विवर्तन। धूवण।

विद्युत और चुम्बकत्व :—गाउन-प्रमेय। विद्युतमापी चुम्बकीय गैथिन्य। स्थारी चुम्बकों का सिद्धात। वैद्युत रशियों का मापन। प्रत्यावर्ती धारा सिद्धांत। साइबलोद्रान और उच्च बोल्टता के उत्तरादेश की अन्य विधियों। वैरार नरंगों का प्रेपण और अभिग्रहण। टेलीविजन।

आधुनिकता भौमि:—प्रापेतिहासी दो विशेष भिन्नात । प्राचीन और द्रव्यों की दैरा प्रदृष्टि । शरोड़िजर रमी-रण और सावारग मालों में उन्हें है । हाइड्रोजेन थ्रो-हीलियन स्पष्टदा जीवन और स्टार्क प्रभाव । पोली पियस और तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण । एक्स किरण और एक्स-किरण स्पष्टम-विज्ञान । कॉम्प्यूटर प्रभाव । धातुओं में चालन । अतिचालकता । तापायनिकी तापीय प्रायन वर्षमाण तापिकों के गुण घर्षण । इच्छमान स्पष्टम-विज्ञान । भूलकण और उसके गणधर्म । नाभकीय अभिक्रियाएँ । आंतरिक-किरणें । नाभिकीय विद्युंडन और संलयन ।

3. उच्च रसायन (कोड 53)

आर्बनिक रसायन:—परमाण संरचना । रेडियोएक्टिवता, प्राचुरित रूप कृत्रिम । नामिकों का विद्युंडन तथा संवयन । सपात्यानि । रेडियोएक्टिवसूबक । रेडियोएक्टिव श्रेणीयों । परायुरेनियम तत्त्व । तत्त्वों और उके मुख्य योगिकों, विशेषतः Be, W, TI, V, MO, HF, ZV तथा दुनर्म सूक्ष्म तत्वों और उनके मुख्य योगिकों, का रसायन ।

कार्बनिक रसायन:—प्रवृत्ताद तथा हाइड्रोजनबन्ध विरचन महित कार्बनिक रसायन के सिद्धांत । महत्वपूर्ण कार्बनिक अभिक्रियाओं की क्रियाविधि समतुल्य सहित विन्यास-रसायन ।

विभिन्न कार्बनिक योगिकों के वर्गों, विशेषतः निम्नसिद्धित वर्गों का रसायन: बहु-शर्कराइड, टर्पेन, प्राचुरित रंजक इव्व एल-केनाइड, विद्यमिन्ड महत्वपूर्ण हामोन, मलेरिया रोधक, क्लोरीन कीट-ताशी, मुख्य पतित्रकृत, तथा 'संशिलिट' वहसक ।

भौतिक रसायन:—अग्रगति न सिद्धांत, उच्चागति की विज्ञान, के तीन निगम तथा भौतिक रसायनिक प्रक्रमों में उनका अनुप्रयोग आणविक संरचना से संबंधित तथा उसका स्पष्टीकरण करने वाले भौतिक-रसायनिक गृणधर्म । क्व-टम-सिद्धांत तथा रसायन में इसका अनुप्रयोग ।

राष्ट्राधीन तथा प्रकाश रसायनिक अभिक्रियाओं की विक्रया विधि तथा बनागतिकी । उत्प्रेरण । अधिसूचना । पृष्ठरसायन । कोलाइड । विद्युत-रसायन ।

4. उच्च वनस्पति शास्त्र (कोड 54)

उम्मीदवारों को भारतीय वनस्पति समूह पर विशेष ध्यान देते हुए, वर्षमान और विलुप्त दोनों प्रकार के वनस्पति जगत के मुख्य सम्बोधों (अर्थात् जैवाल, कवक, छोफाइटा, टेरिडो-पाइटा जिम्बोस्मर्म और एजिप्रोस्मर्म) का उच्च ज्ञान होना चाहिए ।

वर्गीकरण वनस्पति विज्ञान:—एजियोस्मर्मयू के महत्वपूर्ण सम्बोधों का सामान्य ज्ञान तथा उनके वर्गीकरण के सिद्धांत ।

शारीर:—पादउपकों का उद्भव, स्वरूप, और विकास और पारस्परिति तथा कार्त्तिकीय दृष्टि से उनका वितरण ।

पारस्परिति की—भारत की वनस्पति के मुख्य प्रकार, उनका वितरण और वनस्पति प्रधान का महत्व । पादप भूगोल के सिद्धांत ।

5—91GI/74

कार्यिकी:—पादप कार्य के महत्वपूर्ण कार्यिकीय प्रक्रम का उच्च ज्ञान । इसमें पादप जीव रसायन ज्ञान भी शामिल है ।

पादप रोग विज्ञान:—जीवाणु, कवक, विद्युत द्वारा होने वाले महत्वपूर्ण पादप रोगों तथा आधिकी रोगों और उनके नियन्त्रण की विधियों का उच्च ज्ञान ।

आधिक वनस्पति विज्ञान:—प्रार्थिक ट्रिष्ट से उप्पनु एवं उन्नेक झेत्रों के विशेष रूप से भारत के महत्वपूर्ण पौधों का अध्ययन ।

सामान्य जीव विज्ञान:—विभिन्नता आनुवंशिकता इम विकास कोशिका—विज्ञान तथा आनुवंशिकी के मल तत्वों और आधुनिक विज्ञास एवं पादप प्रजनन के सिद्धांतों का ज्ञान ।

5. उच्च प्राणिविज्ञान (कोड 55)

आकाउंटों और कार्डटों, विशेषकर भारतीय प्राणि समझो, का वर्गीकरण, जीवारिस्थिति की, आकारिकी, जीवनकृत सथा मंडप ।

प्राण-तत्त्व का क्रियाभक्ति आकृतिविज्ञान (रूप संरचना सथा कार्य): काशेरूकी भूगविज्ञान की रूपरेखा ।

प्राणियों का वर्गीकरण, आकृतिवस्तु, अनकली समाप्तिरूपता तथा विभागितरूपता, पशु, परिस्थिति, की, प्रवास तथा रेजिस्ट्रेशन ।

विकास-प्रमाण, वाद और उनकी आधुनिक आव्याप्ति । अनु-गूहन, अंतरिक्ष में प्राणियों का वितरण ।

कोशिका, कोशिका-विज्ञान, आनुवंशिकी, निग-निर्धारण तथा अंतःस्व-विज्ञान के ज्ञान में नवीन प्रगतियाँ ।

भौतिक रसायनिक तथा जैविक कारकों के सामिक्ष के रूप में वातावरण तथा चक्रित जनसंख्या और ममुदाय के रूप में जीवों की आधुनिक संकल्पना ।

निम्ननिपित्र विषयों में से किसी एक पर विध्वंसा, प्रोटोजोआ तथा गोग, कीट तथा मालव, परजीवी, विज्ञान, अलवण जल तथा समुद्री जीव विज्ञान, सरोवर-विज्ञान तथा म-स्ट-जीवविज्ञान, ज्ञान तथा सम्पत्ता के लिए महान जीव-वैज्ञानिकों को दोगदान ।

6. उच्च भूविज्ञान (कोड 56)

सामान्य भूविज्ञान:—भूविज्ञान का इतिहास तथा विकास इसकी विभिन्न शाखाओं तथा विज्ञान की अन्य शाखाओं से इसका संबंध । पृथ्वी का उद्भव, विकास, संरचना, रचना, गर्भ तथा आयु । भूप्राणी-विज्ञान, रेडियोलैक्टिवता तथा भूभिज्ञान, सूक्ष्म, विज्ञान, ज्वालामुखी-विज्ञान, भू-अभिनातियों समास्तियों में उसका अनुप्रयोग । भाग्नीयों तथा महासगार द्वाणियों का विकास । पृथ्वी एजेंसियों और अन्त भूमिका एजेंसियों की भूविज्ञानिक शिक्षा महावीरीय विस्थापन ।

संरचना तथा झेत्र भूविज्ञान-पटल विरूपण—शैश विरूपण, पर्वतों का उद्भव, स्थल-प्राकृति तथा खगन सम्बन्धी संरचनाएं । भारत का विवरणिक इतिहास । भूविज्ञानिक रावेक्षण एवं भूमापन की विधियाँ ।

स्तरित-शैलविज्ञान तथा जीवगम विज्ञान—स्तरित शैलविज्ञान के नियम तथा सह सम्बन्ध । भारतीय रसरित शैलविज्ञान का विस्तृत अध्ययन तथा विश्व स्तरित शैलविज्ञान की स्परेज्ज

विभिन्न फालों में पृष्ठी, समुद्र, प्राणी समूहों तथा बनस्पति रामूहों का विभाजन। जैव-विकास के सिद्धांत। जीवाश्म—उनका महाव। प्रतिरूपी इन्हें बस जीवाश्म तथा सह सम्बन्ध, भारत विशेष संदर्भ, में अक्षेत्रकी का विस्तृत अध्ययन और भूविज्ञानिक इतिहास।

क्रिस्टल विज्ञान तथा खनिज विज्ञान :—क्रिस्टल आकारिकी क्रिस्टल-विज्ञान के नियम, क्रिस्टल तंत्र तथा बर्ग, प्रकृति यमलन क्रिस्टलों का कोणामात्री तथा ऐस्स-किरण अध्ययन। परिमाण-संरचना। शैल कर तथा आर्थिक खनिजों का भारत में उनके अस्तित्व के विशेष संदर्भ में विस्तृत अध्ययन।

शैल-विज्ञान :—अखेत्र अवसादी तथा कायत्तरित शैलों का उद्भव और विकास संरचना खनिज घटक, गठन तथा वर्गीकरण का योग्यतरण सहित शैलजनन शैलरमायन/उल्का पिण्डों का अध्ययन/मुख्य भारतीय शैल प्रकारे।

आर्थिक भूविज्ञान :—अयस्क उत्पत्ति, आर्थिक खनिजों का वर्गीकरण तथा अयस्क-स्थान निर्धारण। भारत के विशेष संदर्भ में आर्थिक खनिज विक्षेपों का भूविज्ञान। खनिज उत्थोरणों का स्थान-निर्धारण (1) गुणधर्मों का मूल्यांकन खनिज अर्थशास्त्र खनिजों का संरक्षण तथा उपयोग। राष्ट्रीय खनिज नीति स्ट्रेटेजिक खनिज भूविज्ञानिक भूभौतिकीय तथा भूरासायनिक पूर्वक्षण तकनीके तथा उनके अनुप्रयोग। खनन प्रतिचयन अमस्कप्रसाधन तथा अयस्क संज्ञीकरण की मुख्य विधियाँ। भूमि तथा भीम जल। सामान्य इंजीनियरी समस्याओं में भूविज्ञान का अनुप्रयोग।

7. उच्च भूगोल (कोड 57)

पर्वत के दो भाग होंगे:—पहले भाग के अन्तर्गत भारत के विशेष संदर्भ में भौतिक मानव तथा आर्थिक भूगोल का प्रगत अध्ययन होगा।

दूसरे भाग में निम्नलिखित विषेष विषयों का प्रगत अध्ययन शामिल होगा और उम्मीदवार से आशा की जाती है कि उसे कम-से-कम ये विषयों का ज्ञान होगा:—

भू-आकृति विज्ञान। जलवायु विज्ञान (मौसम के पूर्वानुमान तथा विफलेषण की नई विधियों सहित) मानचिकित्सा (समकोणीय गोलीय त्रीकोण के हल, थियोडोलाइट के उपयोग, तियक विमध्य जल जैसे प्रगत प्रक्षेप, आदि सहित)। ऐतिहासिक भूगोल। राजनीतिक भूगोल। भौगोलिक विचार तथा खोजों का इतिहास।

8. अंग्रेजी साहित्य (कोड 58)

प्रश्न पत्र अंग्रेजी साहित्य (1598-1935) के अध्ययन पर आधारित होगा, जिसमें निम्नलिखित रचनाकारों का विशेष-ध्ययन अपेक्षित होगा:—

वर्डस्वर्य, कोसरिज, शैली, कीट्स, सम्ब, जैन, औस्टिन, कारलाइल, रस्किन, थैकरे, राबर्ट ब्राउनिंग, जार्ज इलियट, जी० एम० हौपकिन्स, शां, डब्ल्यू० बी० यीट्स, गाल्सवार्डी, जे० एम० सिज, ई० एम० फोस्टर तथा टी० एम० इलियट। स्वयं पुस्तकों पढ़ने का प्रमाण अपेक्षित होगा।

प्रश्न पत्र इस प्रकार बनाए जायेंगे जिससे इन अधिकारी की प्रमुख साहित्यिक धाराओं का ज्ञान ही नहीं, अपितु उनके धारो-

चनात्मक मूल्यांकन की जांच भी की जा सके। इसमें उस अवधि, की सामाजिक तथा सास्कृतिक पृथक्षभी से संबंधित प्रश्न भी शामिल किये जा सकते हैं।

9. (क) भारतीय इतिहास (कोड 59):—(चन्द्रगुप्त मौर्य में हृष्ण तक) मौर्य वंश-साम्राज्य का अभ्युदय तथा दृढ़ीकरण। प्रशासन तथा आर्थिक व्यवस्था। मामाज्य का पतन।

भगद्ध का पतन

शंग तथा कण्व वंश-चोल, चेर तथा पात्त्वय।

पश्चिम से संपर्क उत्तर भारत—भारत यूनान।

दक्षिण भारत-रोमन व्यापार।

मध्य एशिया तथा भारत।

शक वंश। कुशान वंश।

शत्रवानक वंश। एशियाई देशों से भारत का संपर्क-श्रीमूल मत का प्रसार।

पुस्त साम्राज्य

भारतीय शास्त्रीय संस्कृति का निर्माण। भारत के और समुद्रपारीय संपर्क। गुप्त वंश का पतन/हृष्ण जाति।

उत्तर भारत घटली हुई आर्थिक व्यवस्थाएं तथा राजनीति पर उनका प्रभाव।

वाट्टक तथा चालोक्य वंशों का अभ्युदय।

पल्लवों का अभ्युदय। हृष्वंवर्धन।

हृष्वंवर्धन

9. (ख) भारतीय इतिसाह (मुगल साम्राज्य 1526-1707 राजनीति इतिसाह)—(कोड 60)

भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना, इसका दृढ़ीकरण तथा विस्तार। सूर राज्यान्तराव। मुगल साम्राज्य का चरमोत्कर्ष। अकबर, जहांगीर और शाहजहां। मुगलों के फारस तथा मध्य एशिया से संबंध। प्रशासनिक पद्धति का विकास। मुगल दरबार में यूरोप के लोग, प्रारम्भिक पृथगाली, क़ासीसी तथा अंग्रेजी वस्तियाँ पतन का प्रारम्भ। औरंगजेब, उनके युद्ध तथा नीतियाँ।

सौहासिक, धार्मिक तथा सामाजिक जीवन —

सांस्कृतिक जीवन तथा कला का विकास, वास्तुकला तथा साहित्य।

धार्मिक आन्दोलन: भक्ति आन्दोलन, सूफीमत, दीने-इलाही। मुगल बादशाहों की धार्मिक नीति।

आर्थिक जीवन, हृषि जीवन। भूधारण पद्धतियाँ। उद्योग। वाणिज्य तथा व्यवसाय। आयात तथा निर्यात परिवहन व्यवस्था। भारत का ऐश्वर्य।

सामाजिक जीवन: दरबारी जीवन, नागरिक जीवन, ग्रामीण जीवन। वेषभूषा। रीति-रिवाज, खाद्य तथा पेय, भनोरंजन तथा मस, त्पोहार, स्त्रियों की सामाजिक स्थिति।

9. (ग) भारतीय इतिहास III/1772 से 1950 (कोड 61)

बंगाल तथा दक्षिण भारत में ब्रिटिश सत्ता का हड्डीकरण भारत में ब्रिटिश सत्ता का सिकास। ईस्ट इण्डिया कंपनी तथा ब्रिटिश राज्य/सिविल सर्विस, न्याय पद्धति पुलिस तथा सेना का विकास। नई भूमिकार पद्धति तथा भूधारण पद्धति का विकास। ब्रिटिश अधिकारी नीति। भारत में ब्रिटिश राज्य का आर्थिक प्रभाव। 1857 का विद्रोह। भारतीय राज्यों के साथ सम्बन्ध विवेश नीति, तथा ब्रह्मा व अफगानिस्तान के साथ सम्बन्ध। आधुनिक उद्योग तथा संचार साधनों का विकास। आधुनिक शिक्षा का विकास, प्रेस का विकास।

भारतीय पुनःजागृति —राजा राम मोहन राय, ब्रह्मसमाज और विद्यासागर, आर्य समाज, यियोसोफिस्ट, रामकृष्ण तथा विदेशीनन्द, सैयद अहमद खां सामाजिक सुधार आधुनिक भारतीय साहित्य का विकास।

भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन का अभ्युदय : इण्डियन नेशनल कॉर्प्रेस (1885 से 1905) धादाभाई नारोजी, राणाडे, गोखले उग्र राष्ट्रवाद का विकास, विभाजन विरोधी आन्दोलन, स्वदेशी तथा बायकाट आन्दोलन, तिलक व अरबिन्द घोष, होमरुल लीग तथा सख्तनऊ समझौता।

सांविधानिक विकास—1861 तथा 1862 के अधिनियम, मिन्टो मार्ले सुधार, मोट फोर्ड सुधार, 1935 का अधिनियम।

महात्मा गांधी का राजनीति में प्रवेश तथा स्वतन्त्रता संग्राम। **सत्ता-हस्तान्तरण** : त्रिप्पस मिशन, कैबीनेट मिशन, स्वतन्त्रता अधिनियम तथा विभाजन। 1950 का संविधान। स्वतन्त्र भारत विदेशी नीति तटस्थ धर्मनिरपेक्षता की योजना।

9. (घ) ब्रिटिश संविधान का इतिहास (1601 से 1950 तक)। (कोड 62)

ताज बनाम संसदः—

जम्स तथा संसद के बीच सम्बन्ध। अधिकारयाचिका। भारतीय तथा परमाधिकार बनाम सामान्य कानून। (गृह युद्ध)।

संविधान प्रयत्नक—

लांग संसद की सरकार। लिट्स संसद। प्रोटेस्टोरेट। पुनःस्थापन। म्लोरियम रिवॉल्यूशन। विल आफ एंड यूस।

ताज, कार्यपालिका तथा संसद।

राजा तथा उनके मंत्री। ताज का प्रभावाधिकार। मन्त्रिमंडल तथा संसद 1936 का राजतन्त्रीय आपातकाल।

संसद का सुधार

सुधार अधिनियम तथा हाऊस आफ कामन्स। हाऊस आफ कामन्स तथा हाऊस आफ लार्ड्स। हाऊस आफ लार्ड्स का सुधार।

कामन्वैल्थ (राष्ट्रमंडल)

कामन्वैल्थ का उद्गम तथा विकास। बैसिस्टर का परिनियम कामन्वैल्थ सहयोग का कार्यान्वयन। कामन्वैल्थ में साज की स्थिति।

9. (इ) यूरोपीय इतिहास (1871—1945) (कोड 63)

यूरोप का ग्रीष्मोगिक विकास—राष्ट्रवाद तथा लोक संविक्षण और समाजवादी आन्दोलन का विकास।

जर्मन साम्राज्य, “तृतीय फ्रांसीसी गणराज्य”, हैम्पवर्ग, राजवंश राजतन्त्री रूप। संधियों और मंत्रियों की नीति।

पूर्व संवंधी (ईस्टर्न) प्रभाव।

साम्राज्यवाद का उत्थान तथा निकट पूर्व, मध्यपूर्व अफ्रीका और सुदूरपूर्व में यूरोप के साम्राज्यवादी हित।

प्रथम विश्वयुद्ध का उद्गम तथा परिणाम।

रूस की क्रांति तथा उसके परिणाम।

वसैई समझौता, राष्ट्रसंघ (लीग आफ नेशंज), विष्व व्यापी मिरस्तीकरण के प्रयत्न, सुरक्षा की खोज, फासिज्म तथा नाजिज्म का उवय और उसके अंतर्राष्ट्रीय परिणाम।

द्वितीय विश्व युद्ध।

10. (क) उच्च अर्थशास्त्र (कोड 64)

आर्थिक विश्लेषण के कुर्त्य।

भूल्य का सिद्धांत। खपत और भाग का सिद्धांत। उत्तादन का संगठन। एकाधिकार का सिद्धांत। एकाधिकार का नियन्त्रण।

वितरण का सिद्धांत। किराया। पूँजी का सिद्धांत। धन तथा व्याज का सिद्धांत। बचत तथा विनियोजन। बैंकिंग तथा उधार सम्बन्धी नियम। मजदूरी तथा विनियोजन सम्बन्धी सिद्धांत। सामूहिक सौदाबाजी तथा ग्रीष्मोगिक शान्ति।

राष्ट्रीय आय। आर्थिक प्रगति तथा वितरणात्मक आय।

ग्रन्तराष्ट्रीय व्यापार का सिद्धांत। विदेशमुद्रा। भ्रदायणियों का शेष।

आपारिक लक्ष तथा उनका नियन्त्रण। सरकार का आर्थिक योग। आर्थिक कल्याण। लोक (हित) के साधन मूल्योक्तन तथा नियमन।

कराधान के सिद्धांत :—कराधान का प्रभाव धैत्र, सरकारी कर और व्यय के प्रभाव, घाटे का अर्थ प्रबन्ध और मुद्रा-स्फीति आर्थिक विकास आयोजन।

10. (ख) उच्च भारतीय अर्थशास्त्र (कोड 65)

युद्धकालीन ताजा योद्धोत्तर अवधि में आर्थिक विकास प्रारूपित करना सामाजिक संस्थाएं। कृषि उत्पादन तथा वित्त। अन्न तथा अन्य कृषि उत्पादन का मूल्य निर्धारण तथा वितरण। भूमि सुधार। किसी विकासमयी अर्थ-अवस्था में कुटीर तथा लघु उद्योगों का स्थान आधिकारिक संगठित उद्योग वा विकास। लोक आपनियों का नियमन। ग्रीष्मोगिक सम्बन्ध तथा श्रम (दल) की समस्याएं। समित्रित अर्थ अवस्था। सार्वजनिक धैत्र का अधिकार, धैत्र तथा दक्षता। भारतीय पूँजी तथा प्रन्यय पद्धति। रिजर्व बैंक का योगदान। जन-संघाएं, समस्याएं तथा जनसंस्कार सम्बन्धी नीति। बेरोजगारी तथा घपूर्ण रोजगारी। भारतीय राष्ट्रीय आय का निर्धारण। विदेशी

व्यापार वा नियमन। अदायगियों का शेष भारतीय धारारोपण पद्धति संबंधी वित्त। आधिक विकास के लिए योजना। क्रमवृद्ध योजनाओं का आवार तथा ढाँचा। स्त्रोत तथा कार्यन्वयन की समस्याएं।

11. (क) हाइट से सेकर आज तक के राजनीतिक सिद्धांत (कोड 66)

ठेका (काटद्रेक्ट) तथा प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धांत-हाइट, लोक, ईस्तो। प्रभुता के मन्त्रव्य का विकास। इतिहासकार-कीको मॉन्टेस्क तथा बर्क। उपयोगितावादी। विकासवादी। आदर्शवादी कांट, हेगल, गीन, ब्राडले तथा बोसंक वे। स्थिरावाद तथा उदारवाद। मार्क्सवाद तथा समाजवाद व साम्यवाद की धाराएं। बहलवाद फासिंम। मनोविज्ञान का प्रभावी क्षेत्र। पूर्वी देशों में बीसवीं शताब्दी की विचारधाराएं।

11. (ख) राजनीतिक तथा सोक प्रशासन (कोड 67)

राजनीतिक संस्थाएं—ग्राम्यनिक राष्ट्रों का विवास संरादीय तथा राष्ट्रपति सहित सरकारें। एक सत्ता तथा संघीय सरकारें। विद्यानांग कार्यपालिका तथा न्यायपालिका। प्रतिनिधित्व के प्रचार राम्यवादी तथा एक सत्ताधारी सरकारें।

लोक प्रशासन—ग्राम्यनिक सरकार में लोक प्रणासन। नीति निर्धारित तथा उच्चतर विद्यंदण यादपालिका हाथा वार्यपालिका। संगठन, प्रवन्ध, प्रकार तथा माध्यम। नियामक आयोग तथा सोक निभाम। कर्नचारी वर्ग प्रशासन-सिविल सेवा तथा इसकी समस्याएं बजट तथा विनीय प्रशासन। प्रशासनिक अधिकार। न्यायालयों द्वारा नियंत्रण। लोक सेवाएं तथा जनता।

11. (ग) अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (कोड 68)

भाग 1

राष्ट्रीय शक्ति के आधार और सीमाएं।

अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में शक्ति सिद्धांत तथा नैतिक का स्थान।

अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में अन्तर्राष्ट्रीय विधि का स्थान।

विदेश नीति के निर्धारण में राष्ट्रीय हित का योग।

शक्ति संतुलन का लिंगांत्र।

अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों का सारूप और उनके कार्य।

संयुक्त राष्ट्र संघ, उद्देश्य, संरचना और कार्य प्रणाली।

भाग 2

प्रथम विश्वयुद्ध के मूल कारण तथा शांति "समझौते" का स्वरूप।

राष्ट्रसंघ (लीग आफ नेशंज) तथा दोनों युद्धों के बीच के बीच में सामूहिक सुरक्षा प्रणाली की स्वापना के लिए किए गए प्रयत्न।

द्वितीय विश्व युद्ध के मूल कारण।

परमाणु युग तथा परंपरागत अन्तर्राष्ट्रीय संबंध पर इसके प्रभाव।

"शीत युद्ध" तथा विश्व राजनीति पर इसके प्रभाव।

नए राष्ट्रों का अम्बुदय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों पर प्रतिमान में परिवर्तन।

संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ, चीन, भारत तथा निम्नलिखित में से किसी एक देश की विदेश नीति :—

ग्रेट ब्रिटेन, जापान, जर्मनी तथा फ्रांस।

12. (क) उच्च अनुरूप विषय विकास (ज्ञान-भाषांसा सहित) (कोड 69)

उम्मीदवारों से यह आशा की जाएगी कि वे कान्ट रो लेफर आज तक के प्रमुख दार्शनिकों (नामतः कान्ट, हीगल, ब्राडले, शायस, ओचे, मूर, यसल, जेम्स, शिल्टर, झूर्ड, बगसन एनेक्साण्डर, ड्वाइटहैंड, विटगनस्याईन, आयर हार्मेंडगर तथा फार्मिला)।

निम्नलिखित विषयों में से किसी पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

ज्ञान के स्रोत, तत्व, भिन्न-भिन्न रूप। उसकी सीमाएं मापदण्ड तथा समाजविज्ञान।

सत्य, मिथ्या, मूल।

धास्तविकता के सिद्धांत। वास्तविकता। जीवन और श्री अस्तित्व। एकत्रवाद, द्वैतवाद, बहुलवाद, प्रकृतिवाद, अनीश्वरत्वाद, ईश्वरत्वाद, भोक्त्वाद और रहस्यवाद। हेगलोत्तर आदर्शवाद। नवीन धर्षतवाद। भौलिकवाद, अनुभूतिवाद। उपयोगितावाद।

उपकरणवाद। मानववाद-प्रकृतिवादी और धार्मिक।

तांकिक प्रत्यक्षवाद, अस्तित्ववाद, अनीश्वरत्वादों और ईश्वर वादी। आगमन की समस्याएं, प्राकृतिक नियम, सापेक्षावाद ईश्वर और अनिश्चयवाद के सम्बन्ध में इर्देन के क्षेत्र में नवीन विचार-धाराएं।

12. (ख) उच्च मनोविज्ञान प्रयोगात्मक मनोविज्ञान सहित (कोड 70)

मनोविज्ञान की विषय-वस्तु, क्षेत्र और पद्धतियां, अन्य विज्ञानों से इसका सम्बन्ध।

आनुवृश्चिकता और परिवेश सम्बन्धी विवाद मानव के विकास पर इन दोनों के सापेक्षिक प्रभाव सम्बन्धी प्रयोगात्मक अध्ययन।

अभिप्रेरण एवं संवेदन की समस्याएं। कुंडा और विग्रह; विग्रहों के प्रकार। आत्मरक्षात्त्व—अभिव्यञ्जक गतिविधियों से संबंधित अध्ययन; मनोधारानुक्रिया (PGR) असत्य परिचय।

संवेदन और अनुभूति—मनोवैज्ञानिक पद्धतियां, देश-प्रत्यक्ष भान, शाश्वत, संगठन के कारक; गत्यात्मक, व्यक्तित्व तथा सामाजिक कारकों का योग; अन्तर्वेद्यक्तिक अनुभूति।

अधिगम स्मृति, विस्मरण और चित्तन के अध्ययन को प्रायोगिक पद्धतियां—अधिगम और सिद्धांत—अर्थ का स्वभाव।

व्यक्तित्व मनोविज्ञान—निर्धारक तत्व, गुण, किस्म, परिमाप, और सिद्धांत, व्यक्तित्व का मूल्यांकन—व्यक्तित्व के आचरण मूलक माप-क्रम निर्धारण मान, नाम-निर्देशन तकनीकें प्रश्नावलियों तथा तालिकाएं, अभिवृति मान, प्रक्षेपीय परीक्षण।

व्यक्तिगत भेद—प्रश्ना और अभिवृतियों का स्वभाव एवं नाम। परीक्षण विन्यास-इकाई विश्लेषण। परीक्षण मान और मानक मापों की विश्वसनीयता और वैद्यना-कारक विश्लेषण-सिद्धांत।

मनोविज्ञान के मत और संहृतियां—मनोविज्ञान के परंपरावादी मत और मुख्य समकालीन संहृतियां, फायडवादी, नव-फायडवादी नव-आचरणवादी, पूर्णकार (गेस्टल) और प्रयोग-थेप्ट्रीय सिद्धांत।

13. (क) भारत की संविधान विधि (कोड 71)

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि—भारत के संविधान का विकास जिसमें 1861 के इंडियन काउंसिल एकट से 1950 तक के भारतीय संविधान में प्रतिनिधि तथा उत्तरदायी सरकार के विकास का विशेष रूप से प्रस्तु होगे।

सामान्य तत्व; कल्याणकारी राज्य का आदर्श भारतीय संविधान का प्राकृत्यगत तथा राज्य की नीति के मार्ग दर्शन सिद्धांत, केन्द्रवर्ती तथा संघात्मक शासन पद्धतियों की मान्यताएं मंत्रिमंडलीय पद्धति, विधिनियम की यथावत् पद्धति, न्यायिक पुनरेक्षण, संवैधानिक प्रथाएं, भारतीय संविधान के प्रमुख तत्वों का संयुक्तगण राज्य, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा तथा आस्ट्रेलिया के संविधानों से तुलना।

अधिकारों का विभाजन, अधिकारों का पार्थक्य का सिद्धांत।

विधानांग

विधायी कार्य-विधि, विधानांग को विशेषाधिकार, विधायी अधिकारों का प्रत्यायोजन।

कर्त्तव्यालिका :—अध्यक्षीय तथा संसदीय, कार्यपालिका, सेवाओं तथा लोक-सेवा आयोगों से संबंधित प्रावधान, विधि शासक का सिद्धांत।

न्यायपालिका :—प्रशासनिक एवं अर्थ-न्यायिक प्राधिकारियों का न्यायपालिका द्वारा नियंत्रण-रिट के अधिकार-क्षेत्र की व्यापि स्वतन्त्रता न्यायपालिका।

विधायी अधिकारों का विभाजन, द्विती पावर के विशेष परिवेश में अधिकारों के विभाजन के सिद्धांत, कर संगाने का अधिकार; संविधानी (संविधान संशोधन) अधिकार; अवशिष्ट अधिकार, अधिकारों के विभाजन संबंधी न्यायिक सिद्धांत;

मूलभूत अधिकार—संविधान में प्रत्याभूत विभिन्न मूलभूत अधिकारों का रूप तथा उनका प्रभाव विस्तार।

कोड :—उम्मीदवारों से प्रत्याणा की जाती है कि उन्हें भारत के संविधान का पाठ्य-ज्ञान, संविधान के संशोधनों का तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों का कुशल ज्ञान है।

13. (ख) विधिशास्त्र (कोड 72)

विधिशास्त्र—परिभाषा सहा क्षेत्र, विधिशास्त्र के विभिन्न मतवाद। विधिनियम, विधिनियम तथा आदर्श, विधिनियमों का विकास, प्राकृतिक नियम राज्य के विधिनियम; विधिनियम की अनुलंघीनीयता का सिद्धांत; विधिनियम की समाजकातावादी सिद्धांत; विधिनियम के प्रकार; सिविल विधिनियम; दण्डविधि नियम; स्थायी तथा प्रक्रिया संबंधी विधिनियम व्यक्तिगत विधिनियम तथा सामाजिक विधिनियम, अंतर्राष्ट्रीय विधिनियम; विधिनियम तथा न्याय विधिनियम तथा समानता, विधिनियम

के अनुसार, न्याय; न्याय-प्रशासन प्रभूत के बारे में मान्यताएं तथा सिद्धांत।

प्रथा, न्यायिक पूर्व निर्णय, विधान संहिताकरण विधि के तत्व न्यायिक मान्यताओं का विश्लेषण तथा वर्गीकरण; व्यक्तित्व; अधिकारी कर्त्तव्य, स्वतन्त्रता शक्ति उन्मुक्ति; अधीयता, स्तर, कठजा, स्वामित्व; पट्टा न्याय, सुविधाधिकार, सुरक्षा हानि, उत्तरदायित्व, दायित्व, अधिनियम, नीति, उद्देश्य, लापरवाही; स्वत्व, चिरभोगाधिकार, उत्तराधिकार तथा वसीयतें। विधिनियम संबंधी मान्यताओं का विकास, संविदा का विकास, जिह्वा, अपराध सम्पत्ति, तथा वसीयत, न्यायिक विचारधारा में वर्तमान विवार धारा।

14. (क) अरबी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सम्पत्ता (570 ई०—1650 ई०) (कोड : 73)

इस प्रश्न पत्र में उम्मीदवारों के भूगोल, ऐतिहास और सामाजिक राजनीति तथा धार्मिक क्रम-विकास और प्रगति विषयक ज्ञान की जांच की जाएगी।

14. (ख) फारसी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सम्पत्ता (570 ई० 1650 ई०) (कोड 74)

इस प्रश्न पत्र में उम्मीदवारों के भूगोल, ऐतिहास, और सामाजिक राजनीति तथा धार्मिक क्रम-विकास और प्रगति विषयक ज्ञान की जांच की जाएगी।

14. (ग) प्राचीन भारतीय सम्पत्ता और दर्शन शास्त्र (कोड 75)

2000 ई० प्र०—1200 ई० तक भारतीय सम्पत्ता दर्शन और विचार धारा का ऐतिहास।

टिप्पणी :—इस प्रश्नपत्र में उम्मीदवारों के भूगोल, ऐतिहास और सामाजिक राजनीति तथा धार्मिक क्रम-विकास और प्रगति विषयक ज्ञान की परीक्षा की जाएगी। ऐसे प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं जिन में पुरातत्व सम्बन्धी खोजों को जानकारी अवैधित हो।

15. भास्त्र विज्ञान (कोड 76)

(क) भौतिक मानव विज्ञान :—इसकी परिभाषा और क्षेत्र। भौतिक मानव विज्ञान का प्रब्ल्यू विज्ञानों से सम्बन्ध। मानवजाति का क्रम विकास, वानरगणों में मानव का स्थान—उसका पैरेनियैकस से लगाकर भ्रास्ट्रा लाईथैक्स तक प्रीहमीन तथा प्रोटोलूमैन जातियों से सम्बन्ध-पैलैग्रान्थामिक मानव पिथैन्सियोपस। सिनैन्थ्रोपस तथा नीएंडर्थल। नीन्थ्रोपिक। मानव—क्रोमैग्नन, ग्रामाल्डी तथा आन्सेलेड-होमसेपिअन्स।

मानव में जातिगत अस्तर तथा जातीय वर्गीकरण-शरीर रचना सम्बन्धी, रक्त वर्गीय तथा वानुवंशिक /जातियों के निर्माण में आनुवंशिकता तथा परिवेश का प्रभाव। मानव की उत्पत्ति के सिद्धांत—मैडेलियन नियम जैसे कि वे मानव पर लागू होते हैं।

भास्त्र का प्रारंभ विज्ञान :—ग्राहार-पोषण, अन्तः प्रजनन तथा वर्ण संकरीकरण के प्रभाव पाषाणकाल से सिद्धांती सम्पत्ता

तथा मध्य और दक्षिण भारत की महापाषाण संस्कृतियों तक भारत में मानव के प्रसार का इतिहास। जातीय वर्ग और भारत में उनका वितरण।

(ख) सामाजिक (सांस्कृतिक) मानव विज्ञान :—क्षेत्र तथा कार्य। समाज शास्त्र, सामाजिक मनोविज्ञान तथा पुरातत्वशास्त्र में सम्बन्ध। सांस्कृतिक, मानव-विज्ञान के विभिन्न भूत—विकास-वादी, ऐतिहासिक कार्यालय और सांस्कृतिक। मानव समाज का गठन तथा विकास।

आर्थिक संगठन :—प्रारंभिक शिकार तथा खाद्य संग्रह की प्रबलता, पशुपालन, कृषि, पर्यावरणीय कृषि, सघन कृषि, घोजारों का प्रयोग।

राजनीतिक संगठन :—दल, जनजातियों तथा दुहरा संगठन, जनजाति-परिवर्ष, मुद्दियों के कार्य।

सामाजिक संगठन :—विवाह तथा परिवारिक रचना के प्रकार, मातृसत्ताक, पितृसत्ताक, बहुपत्नीय, बहुपतिव्व, बर्हजातीय विवाह तथा संग्रीवविवाह, स्त्रियों की स्थिति, उत्तराधिकारी तथा नवाक़।

आद्य धर्म :—टोटमपाद, निषेध, गर्भाधान के धार्धिकार, नर-हत्या तथा नर बल।

कला, संगीत, लोक नृत्य तथा खेलकूद। दलगत सम्बन्ध, शिवाहु निर्णय, न्याय तथा दण्ड-सम्बन्धी मान्यताएं।

बौद्धिक विकास का स्तर, विशेष रुचियों और धोग्यताएं, ग्रादि मानव के आचरण और प्रात्तपालों के केन्द्रीयतावाद की पृष्ठभूमि में भावनात्मक आवश्यकताएं।

व्यक्तित्व का निर्माण तथा व्यक्तित्व और आविष्म समाज में उसके योगदान का विकास।

आदिम जातियों का संस्कार तथा सम्पर्क का उन पर प्रभाव वस्तियों का उजड़ान और उसके कारण। आर्थिक तथा मनोविज्ञानिक कुण्ठन। अमरोका, अकीका तथा ओशियाना में आदिम जनजातियों का ह्रास। भारतीय जनजातियों में जन-संक्षय का ह्रास तथा उसको रोकने के उपाय।

(ग) जातित्व के आधार पर भारतीय जनजातियों में से किसी एक का गहन अध्ययन

1. भारत की उत्तर-पूर्वी सीमान्त वासी आदिम जनजातियाँ।
2. नागा पहाड़ियों—तैवान सांग क्षेत्र की जनजातियाँ।
3. आसाम की स्वायत्ता प्राप्त जनजातियाँ—खासिया, गारो, मिकिर तथा लुशाई।
4. लोटा नागपुर तथा मध्य भारत की आष्टिक जनजातियाँ।
5. दक्षिण भारत की, नीलगिरि पर्वत निवासी जनजातियाँ सहित, जनजातियाँ।
6. अन्धमान तथा निकोबार द्वीप समूह की जनजातियाँ।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को भाग (ग) तथा (क) अध्यवा (ख) ने से पृष्ठे गए प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

16. उच्च समाज शास्त्र (कोड 77)

समाज शास्त्र के स्वरूप, विस्तार तथा प्रणाली के संबंध में विभिन्न विधार।

समाजशास्त्रीय विधारक-मार्फत, वेवर, उरुहम तथा उत्तरप्राष्ठनिक व्याख्याता।

सामाजिक संरचना तथा कार्य के सम्बन्ध में सिद्धान्त—प्रगति, विकास तथा परिवर्तन—अन्तर्द्वन्द्व तथा एकीकरण स्तर, भूमिका, भूमिका विरूपण तथा भूमिका अस्तर्द्वन्द्व—सामाजिक—सत्त्व—सामाजिक मानक, नियंत्रण, अनुसमर्थन तथा विचलन पुरस्कार तथा दण्ड।

मुख्य सामाजिक संरचनाएं तथा मंस्थाएं, परिवार तथा संप्रोत्तता।

आर्थिक, राजनीतिक, विधिसम्मत, तथा धार्मिक संस्थाएं—शिक्षा अधिकारी वर्ग—सामाजिक स्तरीकरण (जिसमें जाति, वर्ग तथा विशिष्ट वर्ग शामिल हैं)।

समाजशास्त्र में अनुसंधान प्रणाली, सर्वेक्षण, प्रश्नपत्रक तथा साक्षात्कार—निवेश तथा अनुमाप तकनीक—साक्षेदार तथा मेर-साक्षेदार पर्यावेषण—सूक्ष्म तथा बृहत् प्रणालियो—समाजशास्त्र में प्रयोग—संधु समूह अनुसंधान प्रणाली।

सामाजिक परिवर्तन में समाजशास्त्रियों की भूमिका।
भारत का समाजशास्त्र

परिवार संगोक्तता तथा विवाह—जाति—राजनीति में जाति की भूमिका—ग्रामीण तथा नगरीय समुदाय—राष्ट्रीय एकीकरण की समस्यायें: प्रादेशिकता, भाषावाद, साम्प्रदायिकता तथा राष्ट्रीयता।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जम आसियों तथा पिछड़े वर्ग तथा प्रसानना की समस्या।

आर्थिक विकास के सामाजिक पहलू, योजना भौद्योगीकरण तथा नगरीयकरण।

पंचायतराज तथा स्थानीय राजनीति।

आधुनिक भारत में सामाजिक आनंदोलन: सामाजिक सुधार आन्वोलन, पिछड़े वर्गों का आनंदोलन, भूदान तथा ग्रामदान और “पुनरुद्धार-वृत्ति” आनंदोलन भूमि संबंधी तथा विद्यार्थी-प्रशान्ति।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाएगी कि वे तथ्यों द्वारा सिद्धांतों का निरूपण करें तथा सिद्धांतों की सहायता से समस्याओं का विफलेषण करें। उनसे भारतीय समस्याओं की विशेष जानकारी अपेक्षित होगी।

खण्ड (घ)

[परिशिष्ट 2 की घारा 1 की उपधारा (ख) के अन्तर्गत]

व्यक्तित्व परीक्षा :—एक बोर्ड उम्मीदवार का इंटरव्यू लेगा। इस बोर्ड के सामने उम्मीदवार के कैरियर का वृत्त होगा। उससे सामान्य रुचि की भासों पर प्रश्न पूछे जायेंगे। यह इन्टरव्यू इस

उद्देश्य से होगा कि सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों का बोई यह जान सके कि जिस सेवा या सेवाओं के लिए उम्मीदवारों ने आवेदन-पत्र दिया है, उसके/उनके लिए वह व्यक्तित्व की दृष्टि से उपयुक्त है या नहीं। यह परीक्षा उम्मीदवार की मानसिक क्षमता को जांचने के अभिप्राय से की जाती है। मोटे तौर पर इस परीक्षा का प्रयोजन वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गृणों का अधिकृत उसके सामाजिक लक्षणों और सामाजिक घटनाओं में उसकी रुचि का भी मूल्यांकन करना है। इसमें उम्मीदवार की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण-प्रक्रिया, स्पष्ट और तर्कसंगत प्रतिपादन करने की शक्ति, संतुलित निर्णय की शक्ति, रुचि की विधिता और गहराई, नेतृत्व और सामाजिक संगठन की योग्यता, बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी आदि की भी जांच की जाती है।

2. इंटरव्यू में पूरी तरह से प्रति परीक्षा (Cross Examination) की प्रणाली नहीं अपनाई जाती। उसमें स्वाभाविक वारालाप के माध्यम से उम्मीदवार के मानसिक गृणों का उद्घाटन करने का प्रयत्न किया जाता है, परन्तु यह वारालाप एक विशेष विद्या में और एक विशेष प्रयोजन से किया जाता है।

3. व्यक्तित्व परीक्षा उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य ज्ञान की जांच करने के प्रयोजन से नहीं की जाती, क्योंकि इसकी जांच सो लिखित प्रश्न पत्रों में पहले ही हो जाती है। उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे केवल अपने विद्यालयन के विशेष विषयों में ही समस्त-सूक्ष्म के साथ रुचि न लें, परन्तु वे उन घटनाओं में भी जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं, तथा आधुनिक विद्यारथाराओं में और उन नई खोजों में भी रुचि लें जोकि एक सुशिक्षित युवक में जिज्ञासा उत्पन्न करती है।

परिशिष्ट 3

प्राई० ए० एस० आदि परीक्षा के क्षारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त व्योरा :—

1. भारतीय प्रशासन सेवा —(क) नियुक्तियां परख पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवार को परख की अवधि में, भारत सरकार के निर्णय के अनुसार नियुक्त स्थान पर और नियिचत रीति से कार्य करना होगा और नियिचत परीक्षाएं पास करनी होगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य-कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) परख अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को सेवा में स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

(घ) भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के प्रत्यर्गत भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएं भी जा सकती हैं।

(इ) वेतनमात्र :—

जूनियर :— रु० 700-40-900-द० रु०-40-1100-50-
1300

परिष्ठ वेतनमात्र :—

(i) समय वेतनमात्र :

रु० 1200 (छटे वर्ष या उसके पहले)-50-1300-
60-1600-द० रु०-60-1900-100-2000

(ii) अवन घेड :—

रु० 1800-100-2000 (मध्य संशोधित रु० 2000-
125/2-2250)

इनके अतिरिक्त अधिसमय-मान पद भी होते हैं जिनका वेतन रु० 2500 से रु० 3500 तक होता है और जिन पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदोन्नति हो सकती है।

महंगाई भत्ता अखिल भारतीय सेवाएं (महंगाई भत्ता) नियम, 1972 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अदेशों के अनुसार मिलेगा।

परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर समय में भारम्भ होगी और उन्हें परख पर यताई गई अवधि को समय-मान में वेतन-बृद्धि छूटी या पेशन के लिए गिनने की अनुमति होगी।

(अ) भविष्य निधि :—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (भविष्यनिधि) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(छ) छूटी—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (छूटी) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(ज) डाक्टरी परिचारी—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा (डाक्टरी परिचारी) नियमावली, 1964 के अन्तर्गत अनुमात्य डाक्टरी परिचारी की सुविधाएं पाने का हक है।

(झ) सेवा नियुक्त साम्राज्य :—प्रतियोगिता परीक्षा के प्राधार पर नियुक्त किए गए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (मूल्य व सेवा-नियुक्ति साम्राज्य 71) नियमावली 1958 द्वारा शासित होते हैं।

2. भारतीय विदेश सेवा :—(क) नियुक्ति परख पर की जाएंगी जिसकी अवधि आमतौर पर 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। सफल उम्मीदवारों को भारत में लगभग 2 मास तक लेना होगा। इसके बाद उन्हें तृतीय सचिव या उप-कॉमिक्स बनाकर उन भारतीय मिशनों में भेज दिया जाएगा जिनकी भाषाएं उनके लिए अनिवार्य भाषाओं के रूप में नियत की गई हैं। प्रशिक्षण की अवधि में परखाधीन अधिकारियों को एक या अधिक विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी, इसके बाद ही वे सेवा में पक्के हो सकेंगे।

(ख) सरकार के लिए संतोषजनक रूप से परख-अवधि के समाप्त होने और निर्धारित परीक्षाएं पास करने पर ही परखाधीन अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पर्का किया जाएगा। परन्तु

यदि सरकार की राय से उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे बेवा मुक्त कर सकती है या परख अवधि को, जितना उचित समझे, बला सकती है या यदि उसका कोई मूल पद (सबस्टेंटिव पोस्ट) हो तो उस पर बापस भेज सकती है।

(ग) यदि सरकार की राय में किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो या उसे देखते हुए उसके विदेश सेवा के लिए उपयुक्त होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है या यदि उसका कोई मूल पद हो तो उस पर बापस भेज सकती है।

(घ) बेतन मात्र :—

अनिष्ट बेतनमात्र : रु० 700-40-900-द० रो० 40-1100
50-1300

बरिष्ठ बेतनमात्र —रु० 1200 (छठे वर्ष या उत्तमे पहले)
50-1300-50-1600-द० रो० 60-1900-100-2000

इनके अतिरिक्त अधिसमय-मान पद भी होते हैं जिनका बेतन रु० 2000 से रु० 3500 तक होता है और जिन पर भारतीय विदेश सेवा अधिकारियों की पदोन्नति हो सकती है।

(ङ) परख अवधि में परखाधीन अधिकारी को इस प्रकार बेतन मिलेगा :—

पहले वर्ष—रु० 700 प्रति मास।

दूसरे वर्ष—रु० 740 प्रति मास।

तीसरे वर्ष—रु० 780 प्रति मास

टिप्पणी 1—परखाधीन अधिकारी को परख पर बिताई गई अवधि, समय-मान, में बेतन-बृद्धि, छुट्टी या पेंशन के लिए गिनते की अमनुकृति होगी।

टिप्पणी 2—परखाधीन अधिकारी की परख-अवधि में वार्षिक बेतन-बृद्धि तभी मिलेगी जबकि वह तिर्फारित परीक्षाएं (यदि कोई हों) पास कर लेगा और सरकार को संतोषप्रद-प्राप्ति करके दिखाएगा। विभागीय परीक्षाएं पास करके अप्रिय बैतन बृद्धियां भी अर्जित की जा सकती हैं।

टिप्पणी 3—परिवेक्षाधीन के तौर पर नियुक्ति से पूर्व सावधि पद के अतिरिक्त मूल रूप से स्थायी पद पर रहने वाले सरकारी कर्मचारी का बेतन एफ० आर० 22-ब०(1) के अधीन दिया जाएगा।

(च) भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी से भारत में या भारत के बाहर किसी भी स्थान पर सेवाएं की जा सकती हैं।

(छ) विदेश में सेवा करते समय, भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों को उनकी हैसियत (Status) के अनुसार विदेश-मत्ते मिलेगी जिससे कि वे नीकरन्ताकर्तों और जीवन-निवाह के खर्च को पूरा कर सकें, और अग्रिम (एन्टरटेनमेंट) सम्बन्धी अपनी विशेष जिम्मेदारियों को भी निभा सकें। इसके अतिरिक्त, विदेश में सेवा करते समय, भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों को निम्नलिखित रियायतें भी मिलेंगी :—

(i) हैसियत के अनुसार मुफ्त सुसज्जित मकान।

(ii) सहायता प्राप्त डाक्टरों परिचर्या योजना (Assisted Medical Attendance Scheme) के अनुरूप डाक्टरों परिचर्या की सुशिक्षाएं।

(iii) भारत शाने के लिए बापसी हवाई यात्रा का फिराया जो अविक से अधिक दो बार और विशेष आपातो स्थितियों (emergencies) में ही दिया जाएगा, (जैसे—भारत में स्थित किसी तिकटुम सम्बन्धी की मरण्या सबत बीमारी अथवा पुंजी का विचार।

(iv) भारत में पहले बाले 8 से 21 वर्ष तक की आयु वाले बच्चों के लिए वर्ष में एक बार बापसी हवाई यात्रा का किराया, ताकि वे लम्बी छुट्टीयों में भाता-तिता से मिल सकें। परन्तु इस रियायत पर कुछ शर्तें लागू होंगी।

(v) 5 से 18 वर्ष तक की आयु वाले अविक से अधिक दो बच्चों के लिए समय-प्रमाण पर सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर गिना भता।

(vi) विदेश में प्रशिक्षण के लिए जाते समय और सेवा में पक्का होने पर सज्जा भता (out fit allowance) अधिकारी के सेवाकाल को विविध अपस्थाप्तों में भी निर्धारित नियमों के अनुसार दिया जाता है। सावारण सज्जा भत्ते के अतिरिक्त, विशेष सज्जा भत्ता भी उन अधिकारियों को दिया जा सकता है जिन्हें अतिथारण रूप से कठोर जनरल बैटेंडेंट में नैग्य किया जाए।

(vii) विदेश में कम से कम दो वर्ष सेवा करने के बाद, अविक योंगों, उनके परिवारों और नीहरों के लिए छुट्टी पर घर जाने का फिराया।

(ज) समय-प्रमाण पर संशोधित पुनरीगित छुट्टी नियमावधी 1933 कुछ तरमों के साथ इस सेवा के सदस्यों पर लागू होगी। विदेशों में को गई सेवा के लिए भारतीय विदेश सेवा अधिकारियों को, भारतीय विदेश सेवा (PLC) नियमावधी, 1961 के अनार्ट अग्रिमिका छुट्टीयों नियमों, जो युआरेतिर छुट्टी नियमावधी के अन्तर्गत नियमे वाले छुट्टी के 50 प्रतिशत तरह होंगी।

(झ) अधिक्षय नियमित—भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी सामान्य अधिक्षयाधीन/(केंद्रीय सरकार) नियमावधी, 1960 द्वारा शासित होते हैं।

(ञ) सेवा नियृति लाभ—अग्रिमोगिता परीक्षा के आवार पर अपूर्त किए गए भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी उत्तरीक्ष्य (Liberal'se.) पेंशन नियमावधी, 1950 द्वारा शासित होते हैं।

(ट) भारत में रहने समय, अधिकारियों को वे ही रियायते मिलेंगी जो उनके समाज या समाज हैसियत (Status) वाले सरकारी कर्मचारियों को मिल सकती हैं।

2. भारतीय पुलिस सेवा—(क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिनकी अवधि दो वर्ष की होगी और उने बड़ागा भी जा सकेगा। सकत उम्मोदवारों को परख की अवधि में भारत सरकार

के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएँ पास करनी होंगी।

- (ख) जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के खण्ड (घ)
- (ग) और (ग) में दिया गया है।

(घ) भारतीय पुनिम सेवा के अधिकारी में केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएँ ली जा सकती हैं।

(ज) वेतनमान:—

कनिष्ठ वेतनमान—रु० 700-40-900-द० रो० -40-1100-50-1300

वरिष्ठ वेतनमान—रु० 1200 (लडे वर्ष या उपरे पहले) 50-1700

नयन ग्रेड—रु० 1400 (रु० 1800 संशोधित किए जाने की सम्भावना है)

पुलिस उप महानिरीक्षक—रु० 2000-125/2-2250।

पुलिस कमिश्नर, कलकत्ता और बम्बई—रु० 2250-125/2 2500।

पुलिस महानिरीक्षक—रु० 2500-125/2-2750।

निदेशक, खुफिया ब्यूरो—रु० 3000 (रु० 3500 संशोधित किए जाने की सम्भावना है)।

महंगाई भत्ता अखिल भारतीय सेवा (महंगाई भत्ता) नियम, 1972 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-प्रमाण पर जारी हित गए आवेदनों के अनुसार मिलेगा।

- | | |
|-----|---------------------------------------|
| (च) | |
| (छ) | जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के खण्ड |
| (ज) | (च), (छ) (ज) और (झ) में दिया गया है। |
| (झ) | |

4. विल्ली और अण्डमान, निकोबार हीव [समूह पुलिस सेवा, श्रेणी-2]

(क) नियुक्तियां दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगी जो, सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के अनुसार अद्वाई भी जा सकती हैं परख पर नियुक्त उम्मीदवार को केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएँ देनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ग) जब यह घोषित कर दिया जाएगा कि अमुक अधिकारी ने संतोषजनक रूप से अपनी परख-अवधि समाप्त कर ली है तो उसे सेवा में पक्का कर दिया जाएगा। यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(घ) वेतन-मान:—

ग्रेड I (चयन ग्रेड)—रु० 1100-50-1500

ग्रेड II समयमान—रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किये जाने वाले व्यक्ति को सेवा में नियुक्त पर ममता वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा, बशर्ते यदि वह सेवा में नियुक्त में पहले मूल रूप से सावधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परिवीक्षा का अवधि में उसका वेतन मूल-नियम 22-ख (1) के परन्तुके अधीन विनियमित किया जायेगा सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन बढ़ियों मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

(च) सेवा के अधिकारियों को परिणीति केन्द्रीय वेतनमान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों पर लागू केन्द्रीय सरकार की दरों पर महगाई भत्ता प्राप्त करने का हक होगा।

(छ) महंगाई भत्ता और मंहंगाई वेतन के अतिरिक्त, इस सेवा के अधिकारियों को, प्रतिकर (नगर) भत्ता मकान किराया भत्ता और पहाड़ी स्थानों तथा सुदूर स्थानों में रहन-सहन के बड़े खर्च को पूरा करने के लिए अन्य भत्ते दिये जाएंग, यदि उन्हें इयूटी पर या प्रशिक्षण के लिए ऐचे स्थानों पर भेजा जायगा और उन स्थानों के लिये ये भत्ते अनुभव्य होंगे।

(ज) इस सेवा के अधिकारी दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा नियमावली, 1971 और इस नियमावली को लागू करने के प्रयोजन से केन्द्रीय सरकार द्वारा दी जाने वाली हिदायते अथवा बनाये जाने वाले अन्य विनियम लागू होंगे। जो मामले विशिष्ट रूप से उक्त नियमों या विनियमों अथवा उनके अन्तर्गत दिए गए आदेशों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते, उनमें से अधिकारी उस नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे जो मध्य के कार्यों में सम्बन्धित सेवा करने वाले तदनुस्पष्ट (corresponding) अधिकारियों पर लागू होत है।

5. रेल सुरक्षा बल में श्रेणी-II में सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक समावेष्टा/एडजूटेन्ट के पद

(क) रेल सुरक्षा बल (उच्च अधिकारी) निम्न प्रकार है:

* वेतन मान

(I) उप सुरक्षा सुरक्षा अधिकारी—रु० 1300-60-1600

(II) सहायक महा निरीक्षक सुरक्षा अधिकारी समावेष्टा—रु० 700/40-1100-50/2-1250

(III) सहायक सुरक्षा अधिकारी, सहायक समावेष्टा, एड-जूटेन्ट श्रेणी-II रु० 350-25-500-30-590-द० रो० 30-800-द० रो० 30-830-35-900

* नृतीय वेतन आयोग की सिफारिश के अनुसार वेतनमान को संशोधित किए जाने की संभावना है।

(ख) 2 वर्ष ही अवधि के निये परिवीक्षा के आधार पर नियुक्ति की जाएगी जिसके द्वारान प्रत्येक ग्रोर से तीन महीने के नोटिस पर सेवा समाप्त की जा सकेगी। यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी स्थायीकरण के निये निर्धारित विभागीय अथवा अन्य परीक्षाएँ पास न करे तो यह अवधि बढ़ाई जा सकेगी, चयन किए गए उम्मीदवारों को परिवीक्षा की अवधि के द्वारान सरकार द्वारा निर्धारित स्थान तथा गीति से प्रशिक्षण लेना होगा तथा परीक्षाएँ देनी होंगी।

(ग) जिस अधिकारी की अपनी परिवीक्षा की अवधि सतोष-पूर्वक समाप्त की गई घोषित कर दी जाए उसे स्थायी किया जा सकेगा। परन्तु यदि, सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण असतोषजनक हो अथवा ऐसा प्रतीत हो कि उसका सक्षम होना असभव हो तो सरकार उसे तुरन्त सेवामुक्त कर सकेगी अथवा जितना वह उचित समझे उसकी परिवीक्षा की अवधि बढ़ा सकेगी।

(घ) इस प्रकार भर्ती किए गए किसी भी अधिकारी को रेल सेवा में किसी भी स्थान पर सेवा करनी पड़ेगी।

(इ) इस प्रकार भर्ती किए गए अधिकारियों को

- (i) रेल पेशन नियमों द्वारा शासित किया जाएगा,
- (ii) रेल भविष्य निधि समय समय पर सशोधित नियमों के अधीन रेल भविष्य निधि (गैर-अण्डायी) में अण्डान करना होगा, -
- (iii) रेल भविष्य निधि अधिनियम, 1957 तथा रेल भविष्य निधि नियम 1957 में दी गई व्यवस्थाओं के द्वारा शासित किया जाएगा, और
- (iv) उक्त अधिनियम तथा नियमों के अधीन बल के उच्च अधिकारियों में निहित शक्तियों का प्रयोग करना होगा।

(च) यदि कोई परिवीक्षाधीन विसी ऐसे कारण से जिस पर वह नियबंग कर सकता है प्रशिक्षण लेना अथवा परिवीक्षा में रहना नहीं चाहे तो उसे प्रशिक्षण पर हम्रा सम्पूर्ण व्यय तथा उसकी परिवीक्षा की अवधि में उसे दिया गया बोई भी अन्य धन वापिस करना होगा।

(छ) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण सतोषजनक न हो अथवा ऐसा प्रतीत हो कि उसका सक्षम बनने की सभावना न हो तो सरकार उसे तुरन्त सेवामुक्त कर सकेगी।

(ज) श्रणी-II के अधिकारी इस मबद्द में समय-समय पर लागू होंगा गां नियमों के ग्रन्तुसार मुख्य अधिकारी/समादेव्या/सहायक महातिर्थीक के पद पर पदोन्नति किए जाने के पाव होंगे।

(झ) अधिकारियों को सेवा अभिक वेतनमान में उसके न्यूनतम से अरम्भ होगी और यह वार्षिक वेतन वृद्धि के लिये पद ग्रहण करने की तारीख से गिनी जाएगी।

(ञ) अधिकारियों को उन सभी मामलों में जिन्हे विशेष रूप से इसमें नहीं दिया गया है, भारतीय रेल स्थापना सहिता की

व्यवस्थाओं तथा समय-समय पर सशोधित/जारी किए गए वर्तमान आदेशों द्वारा शासित किया जाएगा।

भारतीय झाक व तार सेवा तथा विसेवा

(क) नियमित परख पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है यदि परखाधीन अधिकारी ने निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करके अपने को स्थायी किए जाने के योग्य सिद्ध न किया हो। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएँ पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियमित समाप्त कर दी जाएगी।

(ख) यदि सरकार की राय में परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण, असतोषजनक हो या उसे देखते हुए उसके कार्य-कुशल होने की सभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामक्त कर सकती है।

(ग) परख अवधि के समाप्त होने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा से मुक्त कर सकती है या उसकी परख अवधि को जितना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(घ) भारतीय झाक व तार लेखा तथा विसेवा पर भारत के किसी भी भाग में सेवा का एक निश्चित उत्तरदायित्व है।

भारतीय झाक व तार तथा विसेवा का वेतनमान

(1) कनिष्ठ वेतनमान—₹० 700-40-900- द० रो० 40-1100-50-1300।

(ii) वरिष्ठ वेतनमान—₹० 1100-50-1600।

(iii) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड —₹० 1500-60-1800-100-2000।

(iv) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (लेवल II)—₹० 2250-125/2-2500।

(v) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—(लेवल I) ₹० 2500-125/2-2750।

टिप्पणी 1—परखाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ समय वेतनमान में कम से कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतन वृद्धि के प्रयोजन से उसकी सेवा कार्य-ग्रहण की तारीख से गिनी जायगी।

2 परखाधीन अधिकारियों को 400 रु० से ऊपर का वेतन तब तक नहीं मिलेगा, जब तक कि वे समय-समय पर विहित किए जाने वाले नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षाएँ पास नहीं कर लेंगे,

3 यदि कोई परखाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमान्त परीक्षा पास नहीं करता तो उसकी 450 रु० तक से जाने वाली वेतनवृद्धि एक साल के लिये उसकी वेतन वृद्धि की तारीख स्थगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अनुसार उसकी दूसरी वेतनवृद्धि जब पड़ने वाली हो और इन दोनों में मे जो पहले पड़े तब तक वेतन वृद्धि स्थगित रहेगी।

4. जो सरकारी कर्मचारी परिवेश के आधार पर नियुक्ति से पूर्व, मौलिक आधार पर सावधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थायी पद पर नियुक्त था उसका बेतन मूल नियम 22-ख (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।
6. भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा
7. भारतीय सीमा शुल्क कर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा
8. भारतीय रक्षा लेखा सेवा
- (क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी। परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है यदि परखाधीन अधिकारी न निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके, अपने को पक्का किये जाने (confirmation) के योग्य सिद्ध न किया हो। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जाएगी।
- (ख) यदि यथास्थिति, सरकार या नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक की राय में, परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।
- (ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर, यथास्थिति, सरकार या नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती/सकता है या यदि यथास्थिति, सरकार या नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा से मुक्त कर सकती/सकता है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती/सकता है, परन्तु अस्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के संबंध में पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।
- (घ) लेखा परीक्षा के लेखा सेवा में अलग किए जाने की संभावना को ध्यान में रखते हुए, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा में परिवर्तन हो सकते हैं और कोई उम्मीदवार जो इस सेवा के लिये चुना जाये इस परिवर्तन से होने वाले परिणाम के आधार पर कोई दावा नहीं करेगा और उसे अलग किये गये केन्द्रीय और राज्य सरकार और नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक के अन्तर्गत सांविधिक लेखा परीक्षा कार्यालय में काम करना पड़ेगा और केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के अन्तर्गत अलग किए गए लेखा कार्यालयों के संवर्ग में अन्तिम रूप से रहना पड़ेगा।
- (इ) भारतीय रक्षा लेखा सेवा के प्रधिकारियों से भारत में कहीं भी सेवा ली जा सकती है और उन्हें क्षेत्र-सेवा (फ़ील्ड-सर्विस) पर भारत में या भारत के बाहर भी भेजा जा सकता है।

भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा का बेतनमान

1. कनिष्ठ बेतनमान—रु 700-40-900-द० रो० -40-1100-50-1300।
2. अरिष्ठ बेतनमान—1100 (छठे वर्ष या उससे पहले) 50-1600।
3. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु 1500-60-1800-100-2000।
4. महालेखापाल (1) रु 2500-125/2-2750 (पदों का 50 प्रतिशत)।
(2) रु 2250-125/2-2500 (पदों का 50 प्रतिशत)।
5. अपर उपनियन्त्रक और महालेखा परीक्षक—रु 2500-125/2-2750।
6. भारतीय उप नियन्त्रक तथा महालेखा परीक्षक—रु 3000-100-3500।

नोट 1—परखाधीन अधिकारियों की सेवा, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के समय-मान में कम-से-कम बेतन से प्रारम्भ होगी और बेतन-वृद्धि के प्रयोजन से, उसकी सेवा कार्यग्रहण की तारीख से गिनी जाएगी।

नोट 2—परखाधीन अधिकारियों को 700 रु से ऊपर का बेतन तब तक नहीं मिलेगा जब तक कि वे समय-समय पर विहित नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेंगे।

नोट 3—यदि कोई परखाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी की पाठ्य-अनुसार परीक्षा पास नहीं करता तो उसकी रु 740 तक ले जाने वाली बेतनवृद्धि भारत सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार दी जाएगी।

नोट 4—जो सरकारी कर्मचारी परिवेश के आधार पर नियुक्ति से पूर्व, मौलिक आधार पर सावधिक पद के प्रतिरित किसी स्थायी पद पर नियुक्त था उसका बेतन मूल नियम 22-ख (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय शुल्क सेवा

अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सहायक क्लेक्टर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और/अथवा सीमा शुल्क (कनिष्ठ बेतनमान)—रु 700-40-900-द० रो० -40-1100-50-1300।

सहायक क्लेक्टर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और/अथवा सीमा शुल्क (वरिष्ठ बेतनमान)—रु 1100 (छठे वर्ष अथवा उससे कम) -50-1600।

उप क्लेक्टर सीमा शुल्क और/अथवा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अपर क्लेक्टर सीमा शुल्क और/अथवा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क—रु 1500-60-1900-100-2000।

अपिलेट कलेक्टर सीमा शुल्क तथा/अथवा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ।

सीमा शुल्क कलेक्टर तथा/अथवा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ।

निरीक्षक निदेशक

नारकोटिक्स आयुक्त

प्रशिक्षण निदेशक

आसूचना तथा साधियकी निदेशक

(I) ₹ 2250-125/2-2500 (पदा का 50 प्रतिशत) ।

(II) ₹ 2500-125/2-2750 (पदों का 50 प्रतिशत) ।

(क) नियुक्तिया 2 वर्ष के लिए परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी, किन्तु यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी निर्वाचित विभागीय परीक्षाएँ उत्तीर्ण कर के स्थायी-करण का हकदार नहीं हो जाता तो उक्त अवधि को बढ़ाया भी जा सकता है। तीन वर्ष की अवधि में विभागीय प्रतियोगिताओं को उत्तीर्ण न कर लेने पर नियुक्त रह भी की जा सकती है।

(ख) यदि मरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण सतोपजनक नहीं है अथवा उसके मध्यम अधिकारी बनने की सभावना नहीं है तो मरकार उसे तुरन्त सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) परिवीक्षाधीन अधिकारी का परिवीक्षाकाल पूर्ण होने पर मरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी कर सकती है अथवा यदि मरकार की गय में उसका कार्य या आचरण सतोपजनक नहीं रहा है तो मरकार या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है अथवा उसके परिवीक्षाकाल में अपनी इच्छानुसार वृद्धि कर सकती है किन्तु अस्थायी रिक्तियों पर नियुक्ति किए जाने पर स्थाई-करण सम्भव्य ही उसका कोई दावा नहीं स्वीकार किया जाएगा।

(घ) भारतीय सीमाशुल्क तथा उत्पादन शुल्क सेवा, क्लाम 1 के अधिकारी को भारत के किसी भी भाग में सेवा करनी होगी तथा भारत में ही 'फील्ड मर्विम' भी करनी होगी।

नोट 1—एक परिवीक्षाधीन अधिकारी को प्रारम्भ में ₹ 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के समय वेतन में न्यूनतम वेतन मिलेगा तथा वार्षिक वृद्धि के लिए अपने सेवाकाल को वह कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मानेगा।

नोट 2—जो मरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर भारतीय सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन कर सेवा श्रेणी 1 में नियुक्त से पूर्व मौलिक आधार पर मावधिक पद के अतिरिक्त स्थाई पद पर नियुक्त था उसका वेतन मल नियम 22-ख(1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

नोट 3—परिवीक्षा की ग्रवधि में अधिकारी का प्रशिक्षण निदेशालय (सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद

शुल्क), नई दिल्ली में विभागीय प्रशिक्षण तथा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में वृनियादी पाठ्यक्रम प्रशिक्षण लेना होगा। मसूरी में प्रशिक्षण समाप्त कर लेने पर उसे 'पाठ्यक्रम मर्पित परीक्षा' उत्तीर्ण करनी होगी उसे विभागीय परीक्षा के खण्ड I और खण्ड II में भी सफलता प्राप्त करनी होगी।

नोट 4—परिवीक्षाधीन अधिकारियों को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारतीय सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा क्लाम 1 के गठन में समय-समय पर भारत मरकार द्वारा आवश्यक समझ कर किए जाने वाले प्रत्येक परिवर्तन के अधीन होगी और इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप उन्हें किसी प्रकार का मुश्वाजा नहीं दिया जाएगा।

भारतीय रक्षा लेखा सेवा

कनिष्ठ समय वेतनमान—₹ 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।

वर्गिष्ठ समय वेतनमान—₹ 1100 (छटे वर्ष या उसके कम) 50-1600।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—₹ 1500-60-1800-100-200।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (लेवल II)—₹ 2250-125/2-2500।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (लेवल I)—₹ 2500-125/2-2750।

रक्षा लेखा महानियबक—₹ 3000 (नियत)।

नोट 1—परखाधीन अधिकारियों की सेवा, कनिष्ठ समय-मान में कम-से-कम वेतन से प्रारम्भ होगी आगे वेतन-वृद्धि के प्रयोजन से उनकी कार्यग्रहण की तारीख से गिरी जाएगी।

जो मरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त से पूर्व मौलिक आधार पर मावधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थाई पद पर नियुक्त था उसका वेतन मूल्य नियम 22-ख(1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगी।

नोट 2—परखाधीन अधिकारियों को 700 रु० से ऊपर का वेतन तब तक नहीं मिलेगा, जब तक कि समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुमान विभागीय परीक्षा पास नहीं कर लेंगे उसके अलावा यदि कार्ड भी अधिकारी जा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी मसूरी की पाठ्यक्रमान्तर परीक्षा नहीं पास करता उसकी पहली वेतन-वृद्धि जो उसे विभागीय परीक्षा के खण्ड I पास करने पर प्राप्त होती उसकी नियत एक वर्ष के लिए मिश्र ग्राहित की जाएगी अथवा खण्ड II पास कर लेने के बाद जो उसे मसूरी वेतन-वृद्धि मिलनी

और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

10. भारतीय आयकर सेवा, श्रेणी-1

- (क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिसकी अवधि २ वर्ष की होगी। परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है, यदि परखाधीन अधिकारी, निर्धारित विभागीय परीक्षण पास करके अपने ग्राप को पक्का किए जाने (Consummation) के प्रोग्राम मिल न कर सके। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षण पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जाएगी।
- (ख) यदि सरकार की राय में, परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असतोषजनक हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना न हो तो सरकार उसे तत्काल मेवामुक्त कर सकती है।
- (ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर, सरकारी अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा से मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि का, जितना उचित समझ बढ़ा सकती है, परन्तु अस्थाई रूप से छाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के सबध में, पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।
- (घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तिया करने को अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी है तो वह अधिकारी ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) वेतनमान :—

आयकर अधिकारी श्रेणी-1

- (i) कनिष्ठ वेतनमान ₹ 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300
- (ii) वरिष्ठ वेतनमान ₹ 1100-50-1600
- आयकर सहायक आयुक्त ₹ 11500-60-1800-100-2000
- आयकर आयुक्त (i) ₹ 2250-125/2-2500
(लेवल II)
- (ii) ₹ 2500-125/2-2750
(लेवल I)

(च) परखाधीन अवधि में अधिकारी को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी मसूरी तथा आयकर प्रशिक्षण कालेज नागपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। मसूरी में प्रशिक्षण समाप्त होने पर उसे पाठ्य-क्रमान्त परीक्षा पास करनी होगी। इसके अतिरिक्त परखाधीन अवधि में विभागीय परीक्षा खण्ड I और खण्ड II भी पास करने होगे। पाठ्य-अमान्त परीक्षा तथा विभागीय परीक्षा खण्ड I पास कर लेने पर वेतन बढ़ाकर ₹ 740 रु० कर दिया जाएगा। विभागीय परीक्षा खण्ड II पास कर लेने पर वेतन बढ़ा कर

₹ 780 कर दिया जाएगा। ₹ 780 के स्तर के ऊपर वेतन तब तक नहीं दिया जाएगा। जब तक कि उस अधिकारी की सेवा ३ वर्ष पूरी नहीं हो चुकी हो या दूसरी ऐसी शर्तों के अधीन होगा जो आवश्यक समझा जाए।

यदि वह एकादमी की पाठ्य-क्रमान्त परीक्षा पास नहीं कर सकता तो एक वर्ष के लिए उसकी वेतन बढ़ावा स्थगित कर दी जाएगी अथवा उस तारीख तक जब तक कि विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे दूसरी वेतन बढ़ावा मिलने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तक तक स्थगित रहेगी।

नोट 1—परखाधीन अधिकारियों को भली-भाति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा आयकर सेवा श्रेणी-1 के गठन में किए जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन से प्रभावित हो सकेगी जो कि समय-समय पर उचित समझे जाने के बाद भारत सरकार द्वारा किया जाएगा और वे उस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रतिकर का दावा नहीं कर सकेंगे।

11. भारतीय-आयुध कारखाना सेवा, श्रेणी-1

(अतकनीकी संवर्ग)

- (क) जूने गए उम्मीदवारों को सहायक प्रबन्धकों (परिवीक्षा पर) के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि दो वर्ष की होगी। इस अवधि को आयुध कारखानों के महानिदेशक की सिफारिश से सरकार द्वारा घटाया या बढ़ाया जा सकता है। सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा पर) सरकार द्वारा दिया जाने वाला प्रशिक्षण प्राप्त करेगा और उसे सरकार द्वारा निर्धारित विभागीय तथा भाषा परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होगी। भाषा परीक्षाओं में एक परीक्षा हिन्दी की होगी।

अधिकारी की परिवीक्षा की अवधि के समाप्त होने पर सरकार उसको उसकी नियुक्ति पर स्थाई करेगी, परन्तु यदि परिवीक्षा की अवधि में अधवा अन्त में उसका काम या आचरण, सरकार की राय में, असतोषजनक रहा है तो सरकार या तो उसको कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि उतने समय के लिए और बढ़ा सकती है जितना वह उचित समझ परन्तु शर्त यह है कि कार्यमुक्त करने के आदेश इन से पहले अधिकारी की सक्षम प्राधिकारी द्वारा उन बातों से अवगत कराया जाएगा जिनके आधार पर उसको कार्यमुक्त किया जाने वाला है और उसको उस पर लगाए गए दोषों के कारण बताने का अवसर दिया जाएगा।

- (ख) भारतीय आयुध कारखाने में सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा पर) को ₹ 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के निर्धारित वेतनमान में वेतन मिलेगा। परिवीक्षा की अवधि के समय उनको विभागीय प्रशिक्षण एकादमी मसूरी में प्रशिक्षण के आधारभूत पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण लेना होगा।

(ग) (1) चुने गए उम्मीदवारों को आवश्यकता होने पर कम-से-कम चार वर्ष की अवधि के लिए सांस्कृतिक सेनाओं में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में काम करना होगा। इस अवधि में प्रशिक्षण की अवधि भी, यदि ही तो, शामिल होगी, परन्तु शर्त यह है कि ऐसे अधिकारी के लिए (i) उसकी नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष के बाद कमीशन प्राप्त अधिकारी के रूप में सेवा करना आवश्यक नहीं होगा और (ii) चालीस वर्ष की आयु हो जाने के बाद आमतौर से कमीशन-प्राप्त अधिकारी के रूप में काम करना आवश्यक नहीं होगा।

(2) तारीख 9-3-1957 के साठ निः आठ सं 92 के अधीन प्रकाशित, रक्षा सेना में असंनिक व्यक्ति (क्षेत्रीय सेवा दायिता) नियम, 1957 इन उम्मीदवारों पर भी लाग़ होंगे। उन नियमों में निर्धारित स्वास्थ्य-स्तर के अनुसार इनकी स्वास्थ्य परीक्षा की जाएगी।

(घ) स्वीकार्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं :—

सहायक प्रबन्धक तकनीकी	कनिष्ठ वेतनमान :
स्टाफ अधिकारी	रु० 70-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 40-1100-50-1300

उप प्रबन्धक/उप सहायक	रु० 1100 (छटे वर्ष या उससे महानिदेशक, आयुध कारखाना कम)-50-1600
----------------------	----------------------------------------------------------------

प्रबन्धक/वरिष्ठ उप सहायक रु० 1100-50-1400

महानिदेशक आयुध कारखाना।

उप महाप्रबन्धक/सहायक	रु० 1300-60-1600-100- महानिदेशक, आयुध कार- खाना श्रेणी-II
----------------------	-----------------------------------------------------------------

सहायक महानिदेशक, आयुध कारखाना, श्रेणी-I	रु० 2000-125/2-2250
-----------------------------------------	---------------------

उपमहानिदेशक आयुध कारखाना।	(i) रु० 2500-125/2- 2750 पदों के 50 प्रतिशत के लिए। (ii) रु० 2250-125/2- 2500 पदों के 50 प्रतिशत के लिए।
---------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

संशोधन पूर्व वेतनमान।

संशोधन वेतनमान विचाराधीन है।

(ङ) इस प्रकार भर्ती किए गए परिवीक्षाधीन को सेवा ग्रहण करने से पहले एक ब्रांड भरना होगा।

12. भारतीय डाक सेवा

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को इस विभाग में प्रशिक्षण देना होगा जिसकी अवधि, आम तौर पर, दो वर्ष से अधिक नहीं होगी। इस अवधि में उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी प्रणिक्षणाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण सतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य कुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ग) परखावधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परखावधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है, परन्तु अस्थाई रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के सम्बन्ध में, पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तियां करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौप रखी हो तो वह अधिकारी ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(i) कनिष्ठ समय वेतनमान :—

रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300

(ii) वरिष्ठ समय वेतनमान :—

रु० 1100-50-1600

(iii) कनिष्ठ प्रशासनिक मेड :—

रु० 1500-60-1800-100-2000

(iv) वरिष्ठ प्रशासनिक (लेवल II)

रु० 2250-125/2-2500

(v) वरिष्ठ प्रशासनिक मेड (लेवल I) :—

रु० 2500-125/2-2750

(vi) वरिष्ठ सदस्य

रु० एड टी० बोर्ड—रु० 3000

(च) जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर सार्वाधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थाई पद पर नियुक्त था उसका वेतनमूल नियम 22-ख(1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

(छ) परखावधीन अधिकारियों को यह भली भांति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा भारतीय डाक सेवा श्रेणी I के गठन में किए जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन में प्रभावित हो सकेगी जो कि समय-समय पर उचित समझे जाने के बाद, भारत सरकार द्वारा किया जाएगा, और वे इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रतिकार का दावा नहीं कर सकेंगे।

(ज) चुने गए उम्मीदवारों को, सरकार के निदेशानुसार, सैन्य डाक सेवा के अन्तर्गत भारत अथवा विदेश में कार्य करना होगा।

13. भारतीय रेलवे लेखा सेवा

(क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी। इस अवधि में दोनों में से किसी भी और में तीन महीने का नोटिस देकर सेवा समाप्त की जा सकेगी। परख-अवधि बढ़ाई जा सकेगी, यदि परखाधीन अधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षाएँ पास करके अपने श्रापको पक्का करने के योग्य सिद्ध नहीं करेगा।

मरकार ऐसे परखाधीन अधिकारी की नियुक्ति खत्म कर सकती है जो अपनी नियुक्ति की तारीख से तीन वर्ष के भीतर सभी विभागीय परीक्षाएँ पास नहीं कर लेता।

(ख) भारतीय रेलवे लेखा सेवा के परखाधीन अधिकारियों को भी रेलवे स्टाफ कालेज, बडोदा में प्रशिक्षण लेना होगा और कालेज प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित परीक्षा पास करनी होगी। इस कालेज में परीक्षा देनी अनिवार्य है और एक नार असफल होने पर दूसरा अवसर तभी मिल सकता है जब कि अपवादिक परिस्थितिया हो और अधिकारी, का कार्य ऐसा हो कि उसे यह छूट दी जा सकती हो। हालांकि, दो वर्ष का प्रशिक्षण मतोषजनक रूप से पूरा करने पर, उन्हें किसी कार्यकारी पद (Working Post) पर लगाया जा सकता है परन्तु उन्हें तब तक पक्का नहीं किया जाता जब तक कि वे नेलवे स्टाफ कालेज, बडोदा की परीक्षा और उच्च तथा नीची विभागीय परीक्षाएँ पास नहीं कर लेते।

(ग) परखाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में हिन्दी की अनुमोदित स्तर की एक परीक्षा पहले हो या परखा अवधि में पास कर लेनी चाहिए। यह परीक्षा या तो गृह मलालय की ओर से शिक्षा निदेशालय, दिल्ली द्वारा सचालित 'प्रवीण' हिन्दी परीक्षा हो या केन्द्रीय सरकार द्वारा गान्धीन-प्राप्त कोई रामकक्ष परीक्षा हो। किसी भी परखाधीन अधिकारी को तब तक पक्का नहीं किया जा सकता या उसका वेतन 780 रु. नहीं किया जा सकता जब तक कि वह यह परीक्षा पास नहीं कर लेता। ऐसा न करने पर सेवा समाप्त की जा सकती है। इसमें कोई छूट नहीं दी जा सकती।

(घ) इन नियमों के अनुसार भर्ती किए गए भारतीय रेलवे लेखा-सेवा के अधिकारी (परखाधीन) भी (क) पैशन के लाभों के पाव होंगे, और (ख) समय समय पर मणोधित राज्य रेलवे भविष्य निधि (अणादान रहित) के नियमों के अन्तर्गत इस निधि में अभिदान कर सकेंगे।

(ङ) इन नियमों के अधीन जो अधिकारी भर्ती किए जाएंगे वे समय समय पर लागू होने वाले छुट्टियों के सुविधाजनक नियमों के अनुसार छुट्टी लेने के पाव होंगे।

(च) यदि किसी ऐसे कारण में जो कि उसके वर्ष के बाहर न हो, भारतीय रेलवे लेखा सेवा का कोई परखाधीन

अधिकारी परख या प्रशिक्षण में ही छोड़ना चाहे तो उसे अपने प्रशिक्षण का सारा खर्च और परख-अवधि में उसे दी गई सब रकमें वापस करनी होगी।

(छ) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण सतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की समावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ज) परख अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण सतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे बढ़ा सकती है, परन्तु अस्थाई रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के सम्बन्ध में पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(१) वेतनमान

कनिष्ठ वेतनमान ₹० 700-40-900 द० रो०-40-1100-50-1300

वरिष्ठ वेतनमान ₹० 1100(छठे वर्ष या उमसे कम)-50-1600

कनिष्ठ प्रशासनिक ₹० 1500-60-1800-100-2000

वरिष्ठ प्रशासनिक

(i) ₹० 2250-125/2-2500

(ii) ₹० 2500-125/2-2750

(ख) यदि परखाधीन अधिकारी अपनी दो वर्ष की परख अवधि में, निर्धारित विभागीय परीक्षाएँ पास नहीं कर सकेगा तो ₹० 740 से ₹० 780 तक की उसकी वेतन-वृद्धि रोक दी जाएगी और परख-अवधि बढ़ा दी जाएगी। जब वह विभागीय परीक्षाएँ पास कर सेगा और उसके बाद जब पक्का कर दिया जाएगा तो अतिम विभागीय परीक्षा समाप्त होने की तारीख के बाद अगले दिन से उसका वेतन समय मान में उस अवस्था (Stage) पर नियत कर दिया जाएगा जो उसे अन्यथा मिला होता पर उसे वेतन का बकाया नहीं मिलेगा। ऐसे मामलों में भावी वेतन-वृद्धियों की तारीख पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

यदि कोई परखाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमात परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहली वेतन-वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिए स्थगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन-वृद्धि प्राप्त होने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

नोट 1—परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर भान में कम से-कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतन वृद्धि के प्रयोगन से, वह उनकी कार्य-ग्रहण की तारीख से गिनी जाएगी। परन्तु उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा या परीक्षाएँ पास करनी होगी और उसके बाद ही उनका वेतन समय-

मान में रु० 740 प्रतिमास से रु० 780 प्रतिमास किया जा सकेगा।

टोट 2— तथापि, जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले सावधिक पद के अतिरिक्त अन्य स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य करता था, उसका वेतन नियम 2018क (I) नियम 2 [म० नि० 22-ख (i)] में दिए गए उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

13. सैनिक भूमि और छावनी सेवा (श्रेणी I और श्रेणी II)

(क) (i) नियुक्ति के लिए चुना गया उम्मीदवार परख पर रखा जाएगा जिसकी अवधि आमतौर पर 2 वर्ष से अधिक नहीं होगी इस अवधि में सरकार द्वारा निर्धारित परीक्षण लेना होगा।

(ii) तथापि जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले सावधिक पद के अतिरिक्त अन्य स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य करता था उसका वेतन एफ० आर० 22 (ख) (i) में दिए गए उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ख) परख अवधि में उम्मीदवार को निर्धारित विभागीय परीक्षाएँ पास करनी होंगी।

(ग) (i) यदि सरकार की राय में परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है, परन्तु सेवामुक्ति का आदेश देने से पहले, उसे सेवा मुक्ति के कारणों से अवगत कराया जाएगा और लिख कर “कारण बताने” का अवसर भी दिया जाएगा।

(ii) यदि परख अवधि की समाप्ति पर, अधिकारी ने ऊपर उप-पैरा (ख) में उल्लिखित विभागीय परीक्षा पास न की हो तो सरकार अपने निर्णय से था तो उसे सेवा-मुक्त कर सकती है या यदि मामले की परिस्थितियों को देखते हुए, उसकी परख अवधि बढ़ानी आवश्यक हो तो वह जितना उचित समझे, परख-अवधि को बढ़ा सकती है।

(iii) परख अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परख अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है। परन्तु सेवा मुक्ति का आदेश देने से पहले, अधिकारी को सेवामुक्ति के कारणों से अवगत कराया जाएगा और लिख कर “कारण बताने” का अवसर भी दिया जाएगा।

(घ) इस सेवा के सदस्य को उसकी परख-अवधि में वार्षिक वेतनवृद्धि देय हो जाने पर भी, तब तक नहीं मिलेगी जब तक कि वह विभागीय परीक्षा पास नहीं कर लेगा। जो वृद्धि इस प्रकार नहीं मिली होगी, वह विभागीय परीक्षा पास करने की तारीख से मिल जाएगी।

(ङ) यदि कोई परखाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रणालीक श्रकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमात् परीक्षा पाय नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहली वेतन वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिए स्थगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन वृद्धि प्राप्त होने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

(च) वेतन-मान इस प्रकार है:—

प्रशासनिक पद

(i) निदेशक, सैन्य भूमि और छावनिया—रु० 1800-100-2000-125-2250।

(ii) उप निदेशक, सैन्य भूमि और छावनियां—रु० 1300-60-1600।

(iii) सहायक निदेशक, सैन्य भूमि और छावनियां—रु० 1100-50-1400।

श्रेणी-I

(i) वरिष्ठ वेतनमान :

रु० 1100-(छठवां वर्ष अथवा इक्षसे कम)-50-1600

कनिष्ठ वेतनमान :

रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।

श्रेणी-II

(iii) कार्यपालक अधिकारी तथा सहायक सैन्य सम्पदा अधिकारी :—

रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40
1000-द० रो०-40-1200।

(छ) (i) श्रेणी I के वरिष्ठ वेतनमान के अधिकारियों को सामान्यतया श्रेणी-II की छावनियों में उप सहायक निदेशकों, सैन्य सम्पदा अधिकारियों तथा कार्यपालक अधिकारियों के पदों पर नियुक्त किया जाएगा।

(ii) श्रेणी I के कनिष्ठ वेतनमान के अधिकारियों को मामान्यतया श्रेणी-I तथा श्रेणी-II की उन छावनियों में कार्यपालक अधिकारियों के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिन पर छावनी अधिनियम, 1924 की धारा 13 की उपधारा (4) के खण्ड (ङ) का उपक्रमण (1) लागू होता है।

(iii) श्रेणी II के कार्यपालक अधिकारी को सामान्यतया उपर्युक्त (I) तथा (II) पर उल्लिखित छावनियों को छोड़कर अन्य छावनियों में नियुक्त किया जायेगा।

(ज) (i) सभी पदोन्नतियां, इस प्रयोजन के लिये सरकार द्वारा नियुक्त की गयी विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारियों के अनुसार, सरकार द्वारा चुन कर (By Selection) की जाएंगी। [वरीयता (मीनियारिटी) पर सभी विचार किया जायेगा, जब कि दो या अधिक उम्मीदवारों के दावे गुणों की दृष्टि से बराबर होंगे]। श्रेणी-II से श्रेणी I में पदोन्नति होने पर, वेतन मूल

नियमावली (Fundamental Rules) के अनुसार विनियमित किया जायेगा।

(ii) साधारणतया, किसी भी अधिकारी को श्रेणी-I में तद तक पदोन्नत नहीं किया जायेगा जब तक श्रेणी-II में उसकी तीन वर्ष की सेवा पूरी न हो गयी हो।

(अ) समय-समय पर संशोधित पुनरीक्षित छुट्टी नियमावली 1933 लागू होगी।

(इ) इस सेवा का कोई भी सदस्य, सरकार से पहले मंजूरी लिये बिना कोई भी ऐसा काम अपने जिम्मे नहीं लेगा जोकि उसके सरकारी काम से सबधित न हो।

(ट) सैनिक-भूमि और छावनियां के अधिकारियों से भारत में कहीं भी सेवा ली जा सकती है, और उन्हें सेवा-सेवा (Field Service) पर भी भारत के किसी भाग में भेजा जा सकता है।

(ठ) इस सेवा में नियुक्त किये गये उम्मीदवार को समय समय पर संशोधित सैन्य भूमि तथा छावनी सेवा (श्रेणी I श्रेणी-II) नियम 1951 द्वारा शासित किया जाएगा।

14. भारतीय रेलवे यातायात सेवा

(क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को भारतीय रेलवे यातायात सेवा में परखाधीन अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उनकी परख अवधि 3 वर्ष होगी। इस अवधि में उन्हें पैरा (ड.) में उल्लिखित प्रशिक्षण लेना होगा और कम से कम एक वर्ष तक किसी कार्यकारी पद पर काम करना होगा। यदि किसी मामले में संतोषजनक रूप से प्रशिक्षण पूरा न करने के कारण प्रशिक्षण की अवधि बढ़ाई जाएगी तो उसके अनुसार परख की कुस अवधि भी बढ़ जायगी।

(ख) यदि किसी ऐसे कारण से जो, कि उसके बाहर न हो, भारतीय रेलवे यातायात सेवा का परखाधीन अधिकारी परख या प्रशिक्षण बीच में छोड़ना चाहे तो उसे अपने प्रशिक्षण का सारा खर्च और परख अवधि में उसे दी गई सब रकमें वापस करनी होगी।

(ग) इस सेवा में नियुक्ति परख पर की जायगी जिसकी अवधि तीन वर्ष होगी। इस अवधि में दोनों में से किसी भी और से तीन महीने का नोटिस दे कर समाप्त की जा सकेगी। परखाधीन अधिकारियों को पहले दो वर्ष तक व्यवहारिक प्रशिक्षण लेना होगा। जो अधिकारी इस प्रशिक्षण को सफलता पूर्वक समाप्त कर लेगे और अन्यथा भी उपयुक्त समझे जायेंगे, उन्हें कार्यकारी पद का कार्यभार सौप दिया जायेगा, यदि उन्होंने निर्धारित विभागीय और अन्य परीक्षाएं पास कर ली हो। ध्यान रहे कि ये परीक्षाएं नियमित प्रथम प्रयास में ही पास कर ली जाये, क्योंकि यिथोर्ष ('एक्सेप्शनल') परिस्थितियों को छोड़कर बाकी किसी भी हालात में दूसरा अवसर नहीं दिया जायेगा। किसी परीक्षा में असफल होने के परिणामस्वरूप परखाधीन अधिकारी भी सेवा समाप्त की जा सकती है और उसकी बेतनमूदि तो हर हालात में रुक ही जायेगी। किसी कार्यकारी पद पर एक वर्ष तक कार्य करने के बाद परखाधीन अधिकारियों को 6-491GI/74

एक अन्तिम परीक्षा पास करनी होगी। यह परीक्षा व्यावहारिक और मैदानिक दोनों प्रकार की होगी। जब परखाधीन अधिकारी सब तरह में नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझ लिये जाएंगे तो उन्हें परख कर दिया जायेगा। जिन मामलों में किसी कारण से परख की अवधि बढ़ाई गई हो उनमें विभागीय परीक्षा पास करने पर और पक्का होने पर समय-समय पर लागू होने वाले नियमों और आदेशों के अनुसार पहली और बाद की वेतनवृद्धियां ली जा सकेंगी।

(घ) परखाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में अनु-मोदित स्तर की हिन्दी की एक परीक्षा पहले ही या परख अवधि में पास कर लेनी चाहिए। यह परीक्षा या तो गृह मंत्रालय की ओर से शिक्षा निदेशालय द्वारा सचालित "प्रवीण" हिन्दी परीक्षा हो या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई समकक्ष परीक्षा हो।

किसी भी परखाधीन अधिकारी को तब तक परख का नहीं किया जा सकता या उसका बेतन 780 रु. नहीं किया जा सकता जब तक कि वह यह परीक्षा पास नहीं कर लेता। ऐसा न करने पर सेवा समाप्त की जा सकती है। इस में कोई छूट नहीं दी जा सकती।

(ङ) इन नियमों के अनुसार भर्ती किये गये भारतीय रेलवे यातायात सेवा के अधिकारी (परखाधीन) भी —

(क) रेलवे पेशन नियमों द्वारा अधिशासित होंगे, और

(ख) समय-समय पर संशोधित राज्य रेलवे भविष्य निधि (अंशदातरहित) के नियमों के अन्तर्गत इम निधि में अभिवान भी कर सकेंगे।

(च) कार्यप्रवर्तन की तरीख से ही बेतन प्रारम्भ होगा। बेतनमूदि के प्रयोजनों से भी सेवा उसी तरीख से गिनी जायगी।

(छ) इन नियमों के अधीन जो अधिकारी भर्ती किये जाएंगे वे समय-समय पर लागू होने वाले छुट्टियों के मुविधाजनक नियमों के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र होंगे।

(ज) अधिकारियों को आमतौर पर उनकी सेवा की अवधि पर उसी रेलवे में रखा जायगा जिसमें वे सर्वप्रथम नियुक्त कर दिये जायेंगे और किसी अन्य रेलवे में स्थानान्तरित होने के लिये साधिकार दावा नहीं कर सकेंगे। परन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि वह उन अधिकारियों को सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारत में या भारत से बाहर किसी परियोजना (Project) या रेलवे में स्थानान्तरित कर सके।

(झ) बेतन मान :—

कनिष्ठ बेतनमान:—रु. 700-40-900-द० रा०-40-1100-50-1300।

वरिष्ठ बेतनमान:—रु. 1100 (छठवा वर्ष अथवा दरमें कम) 50-1600।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड:—रु. 1500-60-1800-100 2000।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड:—(i) रु. 2250-125/2-2500, (ii) रु. 2500-125/2-2750।

मोठ १—परखाधीन भूथिकारियों की सेथा जूनियर मान में कम में कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतनबृद्धि के प्रयोजन से वह उनकी कार्यग्रहण की तारीख में गिनी जायगी। परन्तु उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा या परीक्षाएँ पास करनी होगी। और उसके बाद ही उनका वेतनमात्र ₹ ७४० प्रतिमास में ₹ ७८० प्रतिमास किया जा सकेगा।

यदि परदाधीन अधिकारी आपनी परख और प्रशिक्षण की अवधि के पहले दो वर्षों में विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर सकेगा तो ₹० 740 से 780 तक की उसकी वेतनवृद्धि रोक दी जाएगी और परख अवधि बढ़ा दी जाएगी। जब वह विभागीय परीक्षाएं पास कर लेगा और उसके बाद जब पक्का हो जायेगा तो अंतिम विभागीय परीक्षा समाप्त होने की तारीख के बाद अगले दिन से उसका वेतन समयमान में उम अवस्था पर नियत कर दिया जायेगा जो उसे अन्यथा मिला होता पर उसे वेतन का बकाया नहीं मिलेगा, ऐसे मामलों में भावी वेतनवृद्धियों की तारीख पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

यदि कोई परखाधीन श्रधिकारी लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रणालीसनिक एकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमांत परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहले वेतनवृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिये स्थगित कर दी जायगी, अर्थात् विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतनवृद्धि प्राप्त होने वाली हो और उन दोनों मे से जो भी ग्रवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

नोट 2—स्थायी जो सरकारी कर्मचारी परिवेक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले सावधिक पद के अतिरिक्त अन्य स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य करता था, उसका वेतन नियम 2018 के (i) निं०—(ii) म० निं० 22-ख (i) में दिये गये उपबन्धों के अनसार विनियमित किया जायेगा।

(जा) वेतनवृद्धियाँ केवल अनुमोदित सेवा के लिये ही और विभाग के नियमों के अनसार ही ही जाएंगी।

(ट) प्रभासनिक ग्रेडों में पदोन्नति, स्वीकृत स्थापना (Establishment) में खाली जगहें होने पर ही की जायेंगी और पूर्ण रूप से चुनाव (Selection) के आधार पर ही की जायेंगी। एकमात्र वरीयता के आधार पर ही पदोन्नति के लिये दावा नहीं किया जा सकता।

(८) भारतीय रेखावे यातायात सेवा के परखाधीन अधिकारियों के प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम ।

नोट १—जिन उमीदवारों ने भारत में या श्रीर कही प्रश्न-क्षण या अनुभव पहले कभी प्राप्त कर रखा हो, उनके मामले में भारत सरकार को अपने निर्णय के अन्याय प्रश्नक्षण अवधि प्रटाने का व्रिधिकार है।

नोट 2—परखाधीन अधिकारियों को भी रेलवे स्टाफ कालेज बड़ीदा में दो दौर में प्रशिक्षण लेना होगा। इस कालेज में परीक्षा देना अनिवार्य है और एक बार असफल होने पर दूसरा प्रवास तभी मिल सकता है जब कि आपवादिक परिस्थितियाँ हो

श्रीर अधिकारी का कार्य अभिलेख ऐसा हो कि उसे यह छुट दी जा सकती है। परीक्षा में असफल होने पर परखाधीन अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती, उनके प्रशिक्षण और परख की अवधि आवश्यकतानुसार बड़ा दी जायगी और उन्हे किसी भी हालत में तब तक पवका नहीं किया जाएगा जब तक कि वे परीक्षायें पास नहीं कर लेंगे।

नोट 3 — नीचे जो प्रशिक्षण का कार्यक्रम दिया गया है वह मुख्य रूप से मार्ग-दर्शन के प्रयोजन से बनाया गया है। इसमें महाप्रबन्धकों द्वारा अपने निर्णय के अनुसार स्थिति-विशेष को ध्यान में रखते हुये परिवर्तन किये जा सकते हैं, परन्तु मामान्यतया प्रशिक्षण की कुल अवधि घटाई जानी चाहिये।

नोट 4—प्रशिक्षण के दौरान परिवीक्षाधीन अधिकारी को, गार्ड, यार्ड मास्टर, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोरमैन, ट्रेन परीक्षक, सहायक लोको फोरमैन, सहायक नियंत्रक प्रादि की हेसियत से कार्य करना होगा जिसका विवरण नीचे दिया गया है। प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद जब परिवीक्षाधीन अधिकारी को किसी कार्यकारी पद पर तैनात किया जाता है तो उसे अपना कार्य करने के लिये यात्रा करनी पड़ती है तथा यात्रा के दौरान रास्ते के स्टेशनों पर “पड़वा” की कोई सुविधायें उपलब्ध नहीं होती हैं। उसे दुर्घटना स्थलों की जांच के लिये किसी भी समय जाना पड़ता है तथा नियंत्रण कार्यालयों (control offices) और स्टेशनों का निरीक्षण करना पड़ता है। इस सब के लिये बहुत परिश्रम अपेक्षित होता है तथा शत को भी काम करना पड़ता है।

उ (i) पाठ्यक्रम की अवधि— दो वर्ष

मद	अधिकारी (सत्ताह)
1	2
1. लाल बहादुर यास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी	17
2. बड़ीवा स्टाफ कालिज (प्रथम दौर)	12
3. क्षेत्रीय स्कूल, गार्ड के कर्तव्य सीखने के लिये (प्रथम दौर)	4
4. गार्ड के रूप में कार्य करते हुए	3
5. बुकिंग/पर्टीज आफिस, गुड्स एंड तथा ट्रांस- शिपमेंट रोड	10
6. धातायात लेखा तथा लेखाओं का यांत्रिक निरीक्षण	5
7. क्षेत्रीय स्कूल में सहायक स्टेशन मास्टर के कर्तव्य सीखने के लिये (द्वितीय दौर)	4
8. यार्ड मास्टर, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोर्मैन तथा ट्रेन परीक्षक के रूप में कार्य करते हुए	13

1	2
9. सहायक लोकों फोरमैन के रूप में कार्य करते हुए	1
10. सहायक नियंत्रक	4
11. उप सहायक नियंत्रक, विद्युत नियंत्रक का प्रशिक्षण	6
12. बड़ौवा स्टाफ कालिज (द्वितीय दौर)	6
13. पूर्वी रेलवे में प्रशिक्षण	
(क) आसनसोल डिवीजन	
(i) कोल पाइलट कार्य करते हुए 1.5 सप्ताह	
(ii) अन्दाल और आसनसोल यार्ड कम्पलेक्स का कार्य—इसमें दुर्गापुर इस्पात कारखाना भी शामिल है।	2.5
(ख) धमबाब डिवीजन	
(i) कोयला आवंटन को कार्यविधि इसमें पेह और करनपुरा जैसे याड़ों तथा पेह और दुगदा वाशरीज तक के क्षेत्रों का बौरा करना होगा।	2
(ii) क्षेत्रीय कोयला अधीक्षक के कार्यालय का कार्य।	
(ग) मुगलसराय मार्शलिंग यार्ड—साथ ही मनुआदीहवेहरी ओन-सन तक दौरे भी करने होंगे।	1
14. वक्षिण पूर्वी रेलवे में प्रशिक्षण	
(i) चक्रवरपुर डिवीजन—बोडामुडा यार्ड, राउरकेला इस्पात कारखाना—इसके साथ-साथ कैप्टिव माइन्स के दौरे।	1.5
(ii) बिलासपुर डिवीजन	
भिलाई मार्शलिंग यार्ड, भिलाई इस्पात कारखाना तथा चौरीमीरी और महेंद्रगढ़ कोयला खानों के क्षेत्रों का दौरा।	1.5
15. रेलवे जिनमे आबंटिस किया गया—उसमें प्रशिक्षण	
(क) मुख्य कार्यालय (संचालन) 4.00	8.00
(ख) मुख्य कार्यालय (वाणिज्यिक) 4.00	
विभिन्न प्रकार के परीक्षण के लिये याता समय तथा अतिआवश्यक छुट्टी के लिये रखी गई समयावधि	2.5
कुल	104.0
	सप्ताह
	या 24 महीने

टिप्पणी :—3 से 11 तक की मदे जिनका समय 1 वर्ष होगा आसनसोल डिवीजन में होगी।

(2) यदि परबाधीन अधिकारी अपने दो वर्ष के प्रशिक्षण के अन्त में परीक्षा पास कर लेगा तो उसे अगले एक वर्ष के लिये किसी कार्यकारी पद का भार परख पर सीप दिया जाएगा, परीक्षा आवश्यकता अनुसार, पाठ्यक्रम पूरा होने पर तथा प्रशिक्षण अवधि में निश्चित समय पर ली जाएगी।

नोट—किसी परबाधीन अधिकारी को, स्वतन्त्र रूप से गार्ड, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोरमैन, सहायक लोकोमोटिव फोरमैन या सहायक नियंत्रक का बाम सीपने से पहले यह आवश्यक है कि प्रशासन के किसी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा उक्त प्रत्येक पद के कार्य के संबंध में उसकी परीक्षा ली जाए और योग्य घोषित किया जाए।

16. केन्द्रीय सचिवालय सेवा, अनुभाग अधिकारी ग्रेड, श्रेणी-II

(क) केन्द्रीय सचिवालय सेवा में इस समय निम्नलिखित ग्रेड हैं :—

ग्रेड	वेतनमान
मेलैक्षण ग्रेड उप-सचिव या समकक्ष	रु० 1500-60-1800-100-2000।
ग्रेड-I अवर सचिव	रु० 1200-50-1600।
अनुभाग अधिकारी ग्रेड	रु० 650-30-740-35-810-द० रु० -35-880-40-1000-द० रु० -40-1200।
महानक ग्रेड	रु० 425-15-500-द० रु०-15-560-20-700-द०रु०-25-800।

सेलैक्षण ग्रेड और ग्रेड I का नियंत्रण अखिल-सचिवालय आधार पर मन्त्रीमण्डल (कार्मिक तथा प्रशासनिक विभाग) करता है और अनुभाग अधिकारी/सहायक ग्रेड, मंत्रालयों द्वारा नियंत्रित किये जाने हैं।

केवल अनुभाग अधिकारी ग्रेड और सहायक ग्रेड में ही सीधी भर्ती की जाती है।

(ख) अनुभाग अधिकारी ग्रेड में सीधे भर्ती किये गये अधिकारियों को दो वर्षे तक परख पर रखा जायेगा। इस परख अवधि में उनको सरकार के द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी, यदि परबाधीन अधिकारी परिक्षण अवधि में पदाप्ति प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सके तो उन्हें सेवा मुक्त कर दिया जायेगा।

(ग) परख अवधि रामाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण सतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी उपर्युक्त खण्डों में वर्णित सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) अनुभाग अधिकारियों को सामान्यतया "अनुभागों" का अध्यक्ष बनाया जायेगा और ग्रेड-I के अधिकारियों को, सामान्यतया शासांशों का कार्यभार सौंपा जायेगा, जितमें एक या अधिक अनुभाग होंगे।

(च) अनुभाग अधिकारी इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार ग्रेड में पदोन्नति पा सकेंगे।

(छ) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के अधिकारी, केन्द्रीय सचिवालय में सलैक्शन ग्रेड की सेवा में और अन्य ऊचे प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति पाने के पात्र होंगे।

(ज) जहाँ तक केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अधिकारियों की छुट्टी, पेशन और सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, वे अन्य श्रेणी-I और II के अधिकारियों के समान ही समझे जायेंगे।

17. भारतीय विदेश सेवा ब्रांच 'बी०' सामान्य संघर्ष के एकीकृत ग्रेड-II तथा III (अनुभाग अधिकारी प्रेड)

(क) भारतीय विदेश सेवा ब्रांच 'बी०' (श्रेणी-II) के एकीकृत ग्रेड-II तथा III की स्थायी रिक्तियों की 16 $\frac{2}{3}$ प्रतिशत रिक्तिया संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से मीधी भर्ती द्वारा भरी जाती है। इस ग्रेड का वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रु० -35-880-40-1000-द० रु०-40-1200 है।

(ख) अनुभाग अधिकारी ग्रेड से सीधे भर्ती किये गये अधिकारी 2 वर्ष के लिये परिवीक्षा पर होंगे और इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा विहित की गई ट्रेनिंग तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें पर्याप्त प्रगति न कर पाने अथवा विहित परीक्षाएं पास न कर सकने पर परिवीक्षाधीन अधिकारी को सेवा से अलग कर दिया जाएगा।

(ग) परिवीक्षा की अवधि समाप्त होने पर सरकार स्थायी पद उपलब्ध होने पर अधिकारी को उसके पद पर स्थायी कर सकती है अथवा उसका कार्य अथवा आचरण, सरकार की राय में, असंतोषप्रद होने पर या तो उसे सेवा से अलग किया जा सकता है या उसकी परिवीक्षा की अवधि को उतना और बढ़ाया जा सकता है जितना सरकार उचित समझेगी। परिवीक्षा की कुल अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(घ) इस सेवा में नियुक्तियाँ करने की शक्तियाँ सरकार द्वारा किसी अधिकारी को प्रत्यायोजित किये जाने पर वह अधिकारी उपरोक्त खण्ड में विहित सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) इस सेवा में नियुक्ति किये गये अधिकारी सामान्यतः अनुभागाध्यक्ष होंगे। विदेश मंत्रालय/विदेश व्यापार मंत्रालय के मुख्यालय में नियुक्त होने पर उनका पदनाम अनुभाग अधिकारी तथा कहीं प्रशासनिक अधिकारी होगा। विदेश स्थित भारतीय मिशनों में सेवा पर होने पर उनका पदनाम रजिस्ट्रार होगा। हालांकि स्थानीय प्रबोजनों के लिये उन्हें राजनयिक हैसियत का अताशे (अटैची) कहा जा सकता है।

(च) अनुभाग अधिकारी भारतीय विदेश सेवा (बी०) के सामान्य संघर्ष के ग्रेड-I में इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार रु० 1,200-50-1600 पदोन्नति के पात्र होंगे।

(छ) इसी तरह भारतीय विदेश सेवा (बी०) के सामान्य संघर्ष के ग्रेड-I के अधिकारी, इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार भारतीय विदेश सेवा (ए०) के वरिष्ठ वेतनमान में, रु० 1,200 (छ: वर्ष या कम)-50-1,300-60-1,600-द० रो०-60-1,900-100-2,000 के वेतनमान में नियुक्ति के पात्र होंगे।

(ज) भारतीय विदेश सेवा, ब्राच (बी०) विदेश मंत्रालय तथा विदेश स्थित भारतीय मिशनों तक सीमित है और इस सेवा में नियुक्त अधिकारी विदेश व्यापार मंत्रालय के अलावा किसी अन्य मंत्रालय में सामान्यतः अन्तरित नहीं किये जाते। किन्तु उन्हें भारत में तथा बाहर कहीं भी सेवा में जाना पड़ सकता है।

(झ) विदेश में सेवा के दौरान, भारतीय विदेश सेवा (बी०) के अधिकारियों को उनके मूल वेतन के अतिरिक्त, समय-समय पर मंजूर की गई दरों पर विदेश भत्ता प्रदान किया जाता है जो सम्बन्धित देश में निर्वाह-खर्च पर निर्भर करता है। इसके अतिरिक्त, विदेश में सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियम, 1961, जिस रूप में वे भारतीय विदेश सेवा (बी०) के अधिकारियों पर लागू किये गये हैं, के अनुसार रियायतें भी दी जाती हैं:—

(i) सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान के अनुसार निःशुल्क सुसज्जित भावास।

(ii) सहायता प्रदत्त चिकित्सा परिचर्या योजना के अन्तर्गत चिकित्सा परिचर्या की सुविधाएं।

(iii) विशेष सकट काल में जैसे किसी निकटतम संबंधी की भारत में मृत्यु या गंभीर बीमारी की स्थिति में, जैसा कि सरकार द्वारा परिभाषित किया गया हो, अधिकारी के सेवा काल के दौरान अधिकतम दो बार विदेश में उपटी स्थल से भारत और वहाँ से वापिस उपटी स्थल तक का वापसी हवाई भाड़ा।

- (iv) भारत में पढ़ रहे 8 और 21 वर्ष के बीच की आयु के बच्चों को छुट्टियों के दौरान अपने माता-पिता से मिलने के लिये कठिपय शर्तों के अधीन वापिक वापसी हवाई भाड़ा।
- (v) 5 और 18 वर्ष के बीच की आयु के अधिकतम दी बच्चों के लिये, सरकार द्वारा समय-समय पर विहित की गई दरों पर शिक्षा भत्ता।
- (vi) सरकार द्वारा समय-समय पर नियत की गई दरों तथा विहित नियमों के प्रनुसार विदेश सेवा के संबंध में आऊट-फिट भत्ता। साधारण आऊट-फिट भत्ते के अतिरिक्त ऐसे देशों में पदस्था अधिकारियों को विशेष आऊट-फिट भत्ता भी मिलता है जहाँ की जलवायु असामान्य रूप से शीतल होती है।
- (vii) विहित नियमों के अनुसार अधिकारियों और उनके परिवारों को होम लीव (घर जाने की छुट्टी) भाड़ा।

(अ) इस सेवा के सदस्यों पर संशोधित छुट्टी नियम, 1933 समय-समय पर संशोधित रूप में लागू होते हैं जिनमें कुछ संशोधन किया जा सकता है। विदेश सेवा के संबंध में, पड़ोसी देशों को छोड़ कर, अधिकारी संशोधन छुट्टी नियम के अन्तर्गत मिलने वाली छुट्टी के 50 % तक छुट्टी का एडीशनल क्रेडिट पाने के हकदार हैं।

(ट) भारत में होने पर ये अधिकारी ऐसी रिआयते पाने के हकदार होंगे जो बराबर के और मिलती-जुलती हैं सियत के अन्य केन्द्रीय सरकारी अधिकारियों को प्राप्त हैं।

(ठ) भारतीय विदेश सेवा (बी०) के अधिकारी सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियम, 1960, यथा समय-समय पर संशोधित और उनके अधीन जारी विये गये आदेशों द्वारा शासित होंगे।

(ड) इस सेवा में नियुक्त अधिकारी लिप्लाइड पेशन रूल्स, 1950, यथा समय-समय पर संशोधित तथा उनके अधीन जारी किये गये आदेशों द्वारा शासित होंगे।

18. सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी ग्रेड श्रेणी-II

(क) सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा में फिलहाल निम्नलिखित पांच ग्रेड है:—

ग्रेड

वेतनमान

1. संयुक्त निदेशक (श्रेणी-I) रु० 1500-60-1800
2. सीनियर सिविलियन स्टाफ रु० 1500-60-1800
आफिसर (श्रेणी-I)

ग्रेड	वेतनमान
3. *सिविलियन स्टाफ आफिसर	रु० 740-30-800-50- (श्रेणी-I) 1150
*(उपर्युक्त ग्रेडों के वेतनमानों को तृतीय वेतन आयोग की सिफारियों को ध्यान में रखते हुए, शीघ्र ही संशोधित किए जाने की सम्भावना है।)	*(उपर्युक्त ग्रेडों के वेतनमानों को तृतीय वेतन आयोग की सिफारियों को ध्यान में रखते हुए, शीघ्र ही संशोधित किए जाने की सम्भावना है।)
4. सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर (श्रेणी-II राजपत्रित)	रु० 650-30-740-35- 810- द० रो०-35- 880-40-1000-द० रो०-40-1200
5. सहायक (श्रेणी-II-प्राराजपत्रित)	रु० 425-15-500-द० रो०-15-560-20- 700- द० रो०-25- 800

उपरोक्त सेवा सशस्त्र सेवा मुख्यालय तथा प्रतिरक्षा मंत्रालय के अन्तरसेवा संगठनों के लिये कर्मचारियों की आवश्यकता की पूर्ति करती है।

सीधी भर्ती केवल सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी ग्रेड तथा सहायक ग्रेड में ही की जाती है।

(ख) सीधी भर्ती वाले व्यक्ति सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी ग्रेड पर 2 वर्ष की परिवीक्षा पर रहेंगे। इस अवधि में उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित कोई भी प्रशिक्षण प्राप्त करना पड़ सकता है अथवा परीक्षाएं पास करनी पड़ सकती हैं। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न होने अथवा परीक्षाओं में उत्तीर्ण न हो पाने के फलस्वरूप परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से निकाल दिया जायेगा।

(ग) परिवीक्षा की अवधि समाप्त होने पर सरकार चाहे तो सम्बन्धित अधिकारी को उसकी नियुक्ति में स्थायी कर दे अथवा यदि उसका कार्य, अथवा आवारण सरकार के विचार में संतोषजनक न रहा हो तो उसे सेवा से निकाल दे या परिवीक्षा की अवधि उतने काल तक के लिये बड़ा दे जितना सरकार उचित समझे।

(घ) यदि सेवा में नियुक्तियाँ करने का अधिकार सरकार द्वारा किसी अधिकारी को प्रत्यायोजित किया जाये तो वह अधिकारी उपर्युक्त अनुच्छेदों में वर्णित सरकार की प्रक्रियाओं में से किसी का भी प्रयोग कर सकता है।

(ङ) रक्षा मंत्रालय के सशस्त्र सेवा मुख्यालय तथा अन्तः सेवा संगठनों में सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी सामान्य अनुभागों के प्रमुख होंगे जबकि सिविलियन स्टाफ अधिकारी एक या एकाधिक अनुभागों के कार्यकारी होंगे।

(च) सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी समय-समय पर तत्सम्बन्धी प्रचलित नियमों के अनुसार सिविलियन स्टाफ अधिकारी ग्रेड में पदोन्नति के हकदार होंगे।

(छ) सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा के सिविलियन स्टाफ अधिकारी समय-समय पर तत्सम्बन्धी प्रचलित नियमों के

अनुसार सेवा के वरिष्ठ सिविलियन स्टाफ अधिकारी ग्रेड में तथा अन्य प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति के हकदार होंगे।

(ज) जहाँ सक छुट्टी, पेंशन तथा सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, उनका नियन्त्रण सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा के अधिकारी, समय-समय पर रक्षा सेवाओं के व्यय में से वेतन पाने वाले अधिकारियों के लिए लागू विनियमों तथा आदेशों द्वारा शासित होंगे।

19. सीमा-शुल्क मूल्यांकन सेवा-क्लास-II

(क) मूल्यांकन ग्रेड में ₹० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन-मान में भरती की जाती है। नियुक्तियाँ दो वर्ष के लिए परिवीक्षा के आधार पर की जाती हैं तथा परिवीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी, यदि आहे तो बढ़ा भी सकता है। परिवीक्षा काल में उम्मीदवारों को केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क तथा सीमा-शुल्क बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। उन्हें ₹० 680 के ऊपर का वेतन तब तक नहीं लेने दिया जायेगा जब तक वे निर्धारित विभागीय परीक्षा पूर्ण रूप से पास नहीं कर लेते।

(ख) यदि परिवीक्षा की मूल अथवा परिवर्द्धित अवधि की समाप्ति पर नियोक्ता प्राधिकारी यह समझता है कि चयन किया गया उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा परिवीक्षा की उक्त मूल अथवा परिवर्द्धित अवधि के दौरान, प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि उम्मीदवार परिवीक्षा की अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवा से अलग कर सकता है, अथवा जो उचित समझे, वह आवेदन दे सकता है।

(ग) परिवीक्षा की अवधि को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लेने पर तथा विभागीय परीक्षाएं पास कर लेने के बाद अधिकारियों को संबद्ध ग्रेड में स्थायी करने पर विचार किया जाएगा।

(घ) लागू नियमों के अनुसार भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद सेवा क्लास-I (700--1300 ₹०) में सहायक कलक्टर के अगले उच्च ग्रेड में पदाप्रति के लिए मूल्य निरूपक (एप्रेजर) पात्र होंगे।

(इ) अवकाश पेंशन आदि के मामले में इन अधिकारियों पर केन्द्रीय सरकार के अन्य क्लास-II अधिकारियों पर लागू होने वाले नियम ही लागू होंगे। जहाँ तक उन की सेवा की अन्य शर्तों का प्रगत है, उन पर सीमा-शुल्क मूल्यांकक सेवा, क्लास की भरती नियमावली की व्यवस्थाएं लागू होंगी। इन नियमों में यह विशेष रूप से निर्दिष्ट है कि इस सेवा अधिकारियों को “केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क तथा सीमा-शुल्क बोर्ड” के अधीन किसी भी समान या उच्च पद पर भारत में कहीं भी तैनात किया जा सकता है।

20. द्विपात्री, और अप्पमान और निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा श्रेणी-II

(क) नियुक्ति परख पर की जायेगी, जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के

अनुसार बढ़ाया भी जा सकेगा। परख पर नियुक्त उम्मीदवार को केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं देनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसके देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभालबना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) यदि यह घोषित कर दिया जायेगा कि अमुक अधिकारी ने संतोषजनक रूप से अपनी परख प्रवधि समाप्त कर ली है तो उसे सेवा में पक्का कर दिया जायेगा। यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवा मुक्त बार सकती है या उसकी परख अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

(घ) वेतनमान:—

ग्रेड-I (सिलैकेशन ग्रेड) ₹० 1200-50-1600।

ग्रेड-II (समय वेतनमान) ₹० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

किसी प्रतिपोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा वर्षते कि यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से सावधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परिवीक्षा की अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) के परन्तुके के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन वृद्धियाँ मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

(ङ) सेवा के अधिकारियों को परिसोधित केन्द्रीय वेतनमान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों पर लागू केन्द्रीय सरकार की दरों पर महंगाई भत्ता प्राप्त करने का हक होगा।

(च) महंगाई भत्ता के अतिरिक्त इस सेवा के अधिकारियों को, प्रतिकर (नगर) भत्ता मकान किशाया भत्ता और पहाड़ी स्थानों तथा सुहूर स्थानों में रहन-सहन के बड़े हुए खर्च को पूरा करने के लिए अन्य भत्ते दिए जाएंगे, यदि उन्हें ड्यूटी पर या प्रशिक्षण के लिए ऐसे स्थानों पर भेजा जाएगा और जिन स्थानों के लिए ये भत्ते अनुमत्य होंगे।

(छ) इस सेवा के अधिकारियों पर दिल्ली, और अन्धमान निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा नियमावली, 1971 और इस नियमावली को लागू करने के परियोजन से केन्द्रीय सरकार द्वारा दी जाने वाली हिदायतें अथवा बनाए जाने वाले अन्य विनियम लागू होंगे। जो मामले विशेष रूप से उक्त नियमों या विनियमों अथवा उनके अन्तर्गत दिए गए आदेशों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते उनमें ये अधिकारी उन नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे जो संघ के कार्यों से संबंधित सेवा करने वाले तदनुरूप (Corresponding) अधिकारियों पर लागू होते हैं।

21. गोआ, दमन तथा दियु सिविल सेवा इस्सास-2

(क) नियुक्तियां दो बर्ष की परिवीक्षा अवधि के आधार पर की जाएंगी तथा परिवीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी चाहे तो बड़ा भी सकेगा। परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों को गोआ, दमन और दियु संघ राज्य के प्रशासक द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि प्रशासक की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का काम या आचरण संतोषजनक नहीं है अथवा उसे यह प्रकट होता है कि अधिकारी सुयोग सिद्ध होने की सम्भालना नहीं है, तो प्रशासक उसे सेवा से तुरन्त अलग कर सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के लिए यह घोषित हो जाएगा कि उसने परिवीक्षा की अवधि संतोषजनक ढंग से पूर्ण कर ली है उसे सेवा में स्थायी कर दिया जाएगा। यदि प्रशासक की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो वह उसे सेवा से अलग कर सकता है अथवा परिवीक्षा की अवधि जितनी ठीक समझे ग्रामे बड़ा सकता है।

(घ) इस सेवा के अधिकारी को गोआ, दमन तथा दियु संघ राज्य क्षेत्र में किसी भी स्थान पर कार्य करना होगा।

(ङ) वेतनमान:—

ग्रेड-I (चयन ग्रेड) ——रु० 1100-50-1600।

ग्रेड-II (समय वेतनमान) ——रु० 650-30-740-35-810-
[द० रु०-35-880-40-1000-द० रु०-40-1200।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति को सेवा में नियुक्त पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा बशर्ते यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से सायदिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परीक्षा की अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) के परन्तुक के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन-वृद्धियां मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

इस सेवा के अधिकारी भारतीय प्रशासन सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 के अनुसार भारतीय प्रशासन सेवा के सीनियर वेतनमान के पदों पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

(च) इस सेवा के अधिकारीयों पर गोआ, दमन तथा दियु सिविल सेवा नियमावली, 1967, तथा इन नियमों को कार्यान्वयित करने के लिए बनाए गए अन्य विनियम या प्रशासन द्वारा जारी किए गए आदेश लागू होंगे।

22. पांडिचेरी सिविल सेवा, इस्सास-II

(क) नियुक्तियां दो संवं की परीक्षा अवधि के आधार पर की जाएंगी तथा परीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी

चाहे तो बड़ा भी सकेगा। परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों को पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यनि प्रशासक की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का काम या आचरण संतोषजनक नहीं है अथवा उसे यह प्रकट होता है कि अधिकारी के सुयोग सिद्ध होने की सम्भालना नहीं है, तो प्रशासक उसे सेवा से तुरन्त अलग कर सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के लिए यह घोषित हो जाएगा कि उसने परिवीक्षा की अवधि संतोषजनक ढंग से पूर्ण कर ली है उसे सेवा में स्थायी कर दिया जाएगा। यदि प्रशासक की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो वह उसे सेवा से अलग कर सकता है अथवा परीक्षा की अवधि जितनी ठीक समझे ग्रामे बड़ा सकता है।

(घ) इस सेवा के अधिकारी को पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र में किसी भी स्थान पर कार्य करना होगा।

(ङ) वेतनमान:—

ग्रेड-I (चयन ग्रेड) ——रु० 1100-50-1600।

ग्रेड-II (समय वेतनमान) ——रु० 650-30-740-35-810-
द० रु०-35-880-40-1000-द० रु०-40-1200।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा बशर्ते यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से सायदिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परीक्षा की अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) के परन्तुक के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्ति किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन-वृद्धियां मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

इस सेवा के अधिकारी भारतीय प्रशासन सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 के अनुसार भारतीय प्रशासन सेवा के सीनियर वेतनमान के पदों पर पदोन्नति के पात्र न होंगे।

(च) इस सेवा के अधिकारीयों पर पांडिचेरी सिविल सेवा नियमावली, 1967, तथा इन नियमों को कार्यान्वयित करने के लिए बनाए गए अन्य विनियम या प्रशासन द्वारा जारी किए गए आदेश लागू होंगे।

परिशिष्ट IV

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

टिप्पणी—। ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं और इसलिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह मुनिश्चित कर सकें कि उनका

शारीरिक स्तर अधिकृत तक का है। इन अधिनियमों का यह भी ध्येय है कि स्वास्थ्य परीक्षकों को ऐसे उम्मीदवारों को जो अधिनियमों में निर्धारित न्यूनतम आवश्यकताओं को पूर्ण न करता हो स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा अरोग्य घोषित न हों जाए मार्ग दर्श सके। तथापि, यह जानते हुए कि उम्मीदवार इन अधिनियमों में दी हुई शर्तों के अनुसार अरोग्य नहीं है स्वास्थ्य बोर्ड की आज्ञा होगी कि भारत सरकार को स्पष्ट रूप से कारण सिफारिश करें जिससे वह बिना असुविधा के सेवा में भर्ती किया जा सकता है।

2. तथापि, यह भी स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि स्वास्थ्य बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् भारत सरकार को किसी भी उम्मीदवार को स्वीकार करने तथा अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार है।

विभिन्न सेवाओं का वर्गीकरण दो श्रेणियों “तकनीकी तथा अतकनीकी” के अधीन इस प्रकार से होगा :—

(क) तकनीकी

- (1) भारतीय रेलवे यातायात सेवा,
- (2) भारतीय पुलिस सेवा।

(ख) अतकनीकी

आई० ए० एस०, आई० एफ० एस०, आई० ए० और ए० एस०, भारतीय सीमा-शुल्क सेवा, भारतीय रेलवे लेखा सेवा के सभी अन्य पद भारतीय रक्षा लेखा सेवा, आयकर अधिकारी (श्रेणी-I) सेवा, भारतीय डाक सेवा, सैनिक भूमि रेलवे सुरक्षा बल में श्रेणी-II, पद, और छावनी सेवा-II और III, के तकनीकी अधिकारी।

1. नियुक्ति के योग्य ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का भानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में व्याधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो-इंडियन समेत) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग-दर्शन के रूप में ओ भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए ऐसा करने के बावही बोर्ड उम्मीदवार को योग्य अधिकारी करेगा।

(ख) निश्चित सेवाओं के लिए कद और छाती के घेरे का कम-से-कम मान नीचे दिया जाता है जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को मंजूर नहीं किया जा सकता।

कद	घेर पूरा (फैला कर)	छाती का		
		(1)	(2)	(3)
(1) भारतीय रेलवे	152	84	5 (पुरुषों के लिए)	
यातायात सेवा,	150	79	5 (स्त्रियों के लिए)	
			रेलवे सुरक्षा बल में श्रेणी II के पद	
(2) भारतीय पुलिस				
सेवा तथा दिली				
अंडमान, निकोबार				
द्वीप समूह	165	84	5 (पुरुषों के लिए)	
पुलिस सेवा श्रेणी-II	150	79	5 (स्त्रियों के लिए)	

अनुसूचित आदिम जातियों और गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड आदिम जातियों आदि से सम्बन्धित उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम निर्धारित कद की लम्बाई में कूट दी जा सकेगी जिनकी ग्रीसत कद की लम्बाई दूसरों से छोटी होती है।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में नापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप-दण्ड (स्टेंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाए एडियों के पांवों की ऊंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़ें। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियों, पिढ़लियों, नितन्म और कन्धे माप-दण्ड के साथ लगे रहेंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बैंकस आफ दि हैड लेवल) हारिजेन्टल आर (आई छड़ि) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे-सेंटीमीटरों में नापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति सीधा खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह से लगाया जाएगा कि फीते की ओर इसका ऊपरी किनारा श्रसफलक (शोल्डर लैड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर-एंगलस) से लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आई समतल (हारिजेन्टल लेन) में रहे (फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया

जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपरीछे नीचे की ओर न किए जाएं जिस से कि फीता न हिले। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक-से-अधिक फैलाव और से नोट किया जाएगा और कम-से-कम और अधिक-से-अधिक फैलाव सेटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-94.5 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेटीमीटर से कम के भिन्न (फ्रेशन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट:—अन्तिम निण्य लेने से पहले उम्मीदवारों की ऊंचाई और छाती दो बार नापनी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी लिया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा। आधे किलोग्राम से कम के फ्रेशन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जाते निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जाते का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(ख) चश्मे के बिना नजर (नेकेड शाई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इसमें आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फारेशन) मिल जाएगी।

(ग) विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए चश्मे के माथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

सेवा की श्रेणी	दूर की नजर	नजदीक की नजर
अच्छी खराब	अच्छी खराब	अच्छी खराब
आंख आख.	आख	आंख
(ठीक की हुई दृष्टि)	(ठीक की हुई दृष्टि)	

अ० भा० से, अ० पू० से तथा केन्द्रीय सेवाएँ

वर्ग-I और II

(i) तकनीकी	6/6 या 6/9	6/12 जे० I जे० II 6/9
(ii) तकनीकी	6/9	6/12 जे० I जे० II 6/6
भारतीय आईडिनेस्स	6/6	6/18 जे० I जे० II अथवा
फैक्टरी सेवा	6/9	6/9

(घ) (i) उपर्युक्त तकनीकी सेवाओं और लोक सुरक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य सेवाओं के संबंध में (सिलिंडर मिलाकर) मायोपिया कुन्न—4.00 डी० (प्लस) से अधिक नहीं हो। हाइ-परमेट्रोपिया की कुल (सिलिंडर मिलाकर) 4.00 डी० (प्लस) से अधिक नहीं होना चाहिए। बशर्ते “तकनीकी” श्रेणीबद्ध सेवाओं (रेल मत्रालय के अधीन सेवाओं को छोड़कर) से सबवित अति निकट दृष्टि (हाई मायोपिया) के आधार पर उम्मीदवार के अयोग्य पाये जाने के संबंध में, वह मामला तीन दृष्टि विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेजा जायेगा, जो यह घोषणा करेंगे कि क्या निकट दृष्टि रोगात्मक है अथवा नहीं। यदि यह मामला रोगात्मक नहीं है तो वह उम्मीदवार योग्य घोषित किया जायेगा, बशर्ते कि वह दृष्टि संबंधी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो।

(ii) आयोगिता के प्रत्येक मामले में, फड़स परीक्षा की जानी चाहिए और उसका परिणाम रिकार्ड किये जाने चाहिए। व्याधिकृत दशा मौजूद होने पर जो कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की दखला पर प्रभाव डाल सकती है, उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(झ) दृष्टि खेत्र :—सभी सेवाओं के लिये सम्मुख विधि (कन्फलेशन मैथड) द्वारा दृष्टि खेत्र की जाते की जाएंगी। जब ऐसी जाते का नतीजा असन्तोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि-खेत्र को परिभाषी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रत्तोधी (नाइट बलाइण्डनेस्स) साधारणतया रत्तोधी दो प्रकार की होती है, (1) विटामिन 'ए' की कमी होने के कारण और (2) रेटीना के शारीरिक रोक के कारण रेटीनोटिस पिग-मेटोसा होता है। जिसका सामान्य कारण ऊपर बताई गई (1) की स्थिति में फड़स में प्रसामान्य होता है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देता है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाता है। ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फड़स में खराबी होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी प्रौढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊची नौकरियों के लिये प्रयत्न करते वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिये अन्धेरा अनुकूलन परीक्षा से स्थिति का पता चल जायेगा। उपर्युक्त (2) के लिये विशेषतया जब फंडस खराब न हो तो इलेक्ट्रो-रेटीनोग्राफी किये जाने की आवश्यकता होती है। इन दोनों जातों में (अन्धेरा अनुकूलन और रेटीनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और इसलिये साधारण चैकिट्सक जाते के लिये यह समय नहीं है तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मत्रालय-विभाग को चाहिए कि वे बताये कि रत्तोधी के लिए इन जातों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि पद से सबन्ध आम की आवश्यकता क्या है और जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली उनकी उद्यूटी जिस तरह की होगी।

कलर विजन — रंगों के सम्बन्ध में नजर की जांच जल्दी है।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हाईर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेड में होता। चाहिए जो लैटर्न के द्वारा (एप्पर्चर) के आकार पर निर्भर हों।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16/	16/
2. द्वारक (एप्पर्चर)	का आकार 1. 3 मि० मीटर	13 मि० मीटर
3. दिक्षाने का समय	5 सेकंड	5 सेकंड

भारतीय रेलवे ट्रैफिक सेवा के लिये जिसमें रेलवे सुरक्षा बल के श्रेणी-II पद शामिल हैं और लोक बचाव से संबंधित अन्य सेवायें, कलर विजन के उच्चतर ग्रेड आवश्यक हैं किंतु दूसरों के लिये कलर विजन से लोअर ग्रेड पर विचार किया जाना पर्याप्त है।

लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इंजिहारा की प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एड्रिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपर्युक्त लैटर्न और अच्छे रोपनी में दिखाया जाता है, कलर विजन की जांच करने के लिये विशेष-सनीय समझा जायगा। वैसे तो दोनों में से किसी भी एक जांच को साधारणतया पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सङ्केत, रेल और ह्याई थालायात से सम्बन्धित सेवाओं के लिये लैटर्न से जांच करना लाजमी है। शक बाले मालों में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाये जाये तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए। तथापि कलर विजन की जांच के लिये इंजिहारा प्लेट और एड्रिज की हरी लालटेन दोनों का प्रयोग भारतीय रेल यातायात में उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिये किया जायगा। जहाँ तक अतकनीकी सेवाओं/पदों का सम्बन्ध है, सम्बन्धित मंत्रालय/विभाग को चिकित्सा बोर्ड को यह सूचित करना होगा कि उम्मीदवार “तकनीकी” पद के लिये है अथवा नहीं।

(ज) दृष्टि की पकड़ से भिन्न अंख की अवस्थाएं (आवश्यक कंडीशन)

- (i) आंब की उम बीमारी की या बढ़ती हुई वर्तन त्रुटि (प्रोप्रेसिव रिफेक्टर परर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की पकड़ के काम होने की समझना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।
- (ii) भैगापन (स्क्विंड)---तंकीकी सेवाओं में, जहाँ द्विनेत्री (बाइनाकुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य

हो, दृष्टि की पकड़ निर्धारित स्तर की होने पर भी भैगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। यह रेलवे सुरक्षा दल के उम्मीदवारों के लिये भी लागू होगा। दृष्टि की पकड़ निर्धारित स्तर की होने पर भैगापन को अन्य सेवाओं के लिये अयोग्यता के कारण नहीं समझना चाहिए।

(iii) किसी व्यक्ति की एक ही आंख हो अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य हो और दूसरी आंख की मन्द दृष्टि हो अथवा उप-सामान्य दृष्टि हो, जिसका प्रायः प्रभाव यह होता है कि व्यक्ति में गहराई वोध हेतु विविध स्थितियाँ दृष्टि वा आमाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि अनेक स्थितियाँ पदों के लिये आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य के रूप में अनुशासित कर सकता है। बश्ते कि सामान्य आंख का।

(i) दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जे०-१, चश्मा लगाकर अथवा उसके बिना, हो, बताएँ कि दूर की दृष्टि के लिये किसी मेरिडियन में त्रुटि 4 डायोप्ट्रिज से अधिक न हो।

(ii) दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो,

(iii) सामान्य वर्ण दृष्टि, जहाँ अपेक्षित हो।

बश्ते कि बोर्ड का यह समाधान हो जाय कि उम्मीदवार प्रश्नावीन विशिष्ट कार्य से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

दृष्टि तीक्षणता संबंधी उपरोक्त छूट प्राप्त मानक “तकनीकी” रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के लिये उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगी। सम्बद्ध मंत्रालय विभाग को चिकित्सा बोर्ड को यह सूचित करना होगा कि उम्मीदवार “तकनीकी” पद के लिये है अथवा नहीं।

(iv) कोनटेक्ट लेस (Contact Lenses)---उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कोनटेक्ट लेस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी : आंख की जांच करते समय यह आवश्यक है कि दूर की नजर के लिये टाइप किय दूप अक्षर 15 फुट से प्रकाशित हों।

7. ब्लड प्रेशर :—

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टालिक प्रेशर के आंगन्लम की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है :—

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में श्रीमत ब्लड प्रेशर लकभग 100+ आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर आयु बाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आंगन्लम का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु जोड़ दी जाय। यह तरीका विल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्याम द्वीजिये—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर के सिस्टालिक प्रैशर को और 90 से ऊपर के जायस्टालिक प्रैशर को संदिग्ध मान लेना चाहिये, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिये कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिये कि घबराहट (एक्स्माइटमेट) आदि के कारण ब्लड प्रैशर पोड़े समय रहने वाला है या उसका कारण कोई कार्यिक (आग्निक बीमारी) है। ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्स-रे और विद्युत हल्लेखी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी) परीक्षायें और रक्त-यूरिया निकास (लोयरेम) की जाने भी नेमी रूप से की जानी चाहिये। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रैशर (रक्त दाढ़) लेने का तरीका

नियमत: पारेवाले दावामापी (मर्करी बेनोमीटर) किस्म का आला (इन्स्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिये। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाढ़ नहीं लेना चाहिये। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विणेषकर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ-कुछ हाइजिंटल स्थिति में रोगी के पाश्वं पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाता है। भुजा पर से कधे पर कपड़े उतार देने चाहिये। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रक्ख को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और इसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिये। इसके बाद काँड़े की पट्टी को फैला कर सामान रूप से लपेटना चाहिये ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगङ्ग धमनी (ब्रेकिग्रल आर्टरी) को दबान-दबा कर कूदा जाता है और तब इसके ऊपर बीचो-बीच स्टैम्पोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200m.m.Hg. हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरेधीरे हवा निकाली जाती है। हल्की श्रमिक छवनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रैशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जायाएँ तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर में साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी-हुई-सी लुप्त प्राय हो जाय, वह डायस्टाकि प्रैशर है। ब्लड प्रैशर काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिये क्योंकि कपल के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये क्षोभकर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाय। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाढ़ गिरने पर वे गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गैप" से रीडिंग में गलती हो सकती है।)

8. परीक्षक की उपस्थित में किये गये मूँब की परीक्षा की जानी चाहिये और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिये। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूँब में रासायनिक जांच द्वारा शक्तिर का पता चले तो बोर्ड इसके दूसरे सभी पहलुओं की

परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटोज) के बोतक चिह्नों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाउकोसूलिरआ) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुस्पष्ट पाय तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अस्पृष्टमेही (नान डायवटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसिन के किसी प्रासे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएँ हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेस्ट टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड 'फिट' या 'अनफिट' की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। आपधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाय।

9. जो स्वी उम्मीदवार जांच के फलस्वरूप 12 सप्ताह या उससे अधिक अवधि की गर्भवती पाई जाये उसे तब तक के लिये अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाय जब तक उसकी गर्भविस्था के समाप्त न हो जाय। गर्भविस्था के समाप्त होने के 6 सप्ताह बाद यदि वह पंजीकृत चिकित्सक के स्वस्यता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दे तो आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिये उसकी फिर से जांच की जाय।

10. निम्नलिखित, अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों में ग्रच्छा मुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं? यदि कोई कान की खराबी हो तो इसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिये। यदि मुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल में हो सके तो उम्मीदवार को इस अधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि उसके कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। यह उपबन्ध रेल सेवाओं के मामले में लागू नहीं होता। चिकित्सा-परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग-दर्शन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जाती है :—

(1) एक कान में प्रकट अथवा यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में वह-पूर्ण बहरापन, दूसरा कान रापन 30 डेसीमल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिये योग्य।

(2) दोनों कानों में बहरेपन का यदि 1000 से 4000 प्रत्यक्ष-बोध, जिसमें श्वरण तंत्र (हियरिंग एड) द्वारा में बहरापन 30 डेसी-मल तक हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिये योग्य।

(3) सैन्धव अथवा मार्जिनल टाइप के टिम्पेनिक मेस्वरेन में छिद्र। (i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिम्पेनिक मेस्वरेन छिद्र विद्यमान

- हो तो अस्थाई रूप में
अयोग्य ।
- कान की शल्य चिकित्सा
की स्थिति सुधरने से
दोनों कानों में मार्जिनल
या अन्य छिद्र वाले उम्मी-
दवार को अस्थाई
रूप में अयोग्य घोषित
करके उम पर नीचे दिये
गये नियम 4 (ii) के
अधीन विचार किया
जा सकता है ।
- (ii) दोनों कानों में
मार्जिनल या एटिक छिद्र
होने पर अयोग्य ।
- (iii) दोनों कानों में सैटल
छिद्र होने पर अस्थायी
रूप में अयोग्य ।
- (4) एक ओर से/दोनों ओर से
मस्टायड कोविटी सबनार्मल
श्रवण वाले कान ।
- (i) किसी एक कान से
सामान्य रूप में सुनाई
देता हो, दूसरे कान में
मस्टायड कोविटी होने पर
तकनीकी तथा गैर तक-
नीकी दोनों प्रकार के
कामों के लिये योग्य ।
- (ii) दोनों ओर से मस्ट्रा-
यड कोविटी तकनीकी
काम के लिये अयोग्य,
यदि किसी भी कान
की श्रवणता श्रवण-
यंत्र लगाकर श्रथवा-
विना लगाये सुधार
कर 30 डेसीभल हो
जाने पर गैर तकनीकी
कामों के लिये योग्य ।
- (5) बहते रहने वाले कान
आपरेशन किया गया/बिना
आपरेशन वाला ।
- तकनीकी तथा गैर-तकनीकी
दोनों प्रकार के कानों
के लिये अस्थाई रूप में
अयोग्य ।
- (6) नासा-पट की हड्डी संबंधी
विसमताओं (बोमी डिफा-
मिटी) सहित अथवा
उससे रहित नाक की जीर्ण
प्रसाहक/प्रसर्जिक दशा ।
- (i) प्रत्येक मासले की परि-
स्थितियों के अनुसार
निर्णय लिया जायगा ।
- (ii) यदि लवणों सहित
नासा-पट अपसरण
विद्यमान होने पर
अस्थाई द्रव्य में अयोग्य ।
- (7) टांसिल्स और/अथवा स्वर-
यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदा-
हक दशा । (i) टांसिल्स और/अथवा
स्वरयंत्र की जीर्ण प्रदा-
हक दशा—योग्य ।
- (ii) यदि आवाज में अत्य-
धिक कर्कशता विद्यमान
हो तो अस्थाई रूप
में अयोग्य ।
- (8) कान-नाक, गले ($ई०$ प०
 $टी०$) के हल्के अथवा
अपने स्थान पर दुर्दम्य
द्रूमर । (i) हल्का द्रूमर—
अस्थाई रूप में
अयोग्य ।
- (ii) दुर्दम्य द्रूमर—
अयोग्य ।
- (9) ओर्टोस्किलिरोसिस
श्रवण-यंत्र की सहायता से
या आपरेशन के बाद
श्रवणता 30 डेसीबेल
के अन्दर होने पर
योग्य ।
- (10) कान नाक अथवा गले
के जन्मजात दोष । (i) यदि कामकाज में
बाधक न हो तो
योग्य ।
- (ii) भारी भाका में हल्का
लाहट हो तो अयोग्य ।
- (11) नेजल पोली
अस्थायी रूप में
अयोग्य ।
- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता है या नहीं ।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी
तरह चबाने के लिये ज़रूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं ।
(अच्छे तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा ।)
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं
और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल और फेफड़े
ठीक है या नहीं ।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं ।
- (च) उसे रेप्चर (हार्निया या फटन) है या नहीं ।
- (छ) उसे हाइड्रोसील, बड़ी हुई वेरिकोसील बेरीकोज शिरा
(बेन) या बवासीर है या नहीं ।
- (ज) उसकी शाखाओं, हाथों और पैरों की बनावट और
विकास अच्छा है या नहीं और उसकी संधियां भली भाँति स्वतंत्र
रूप से हिलती हैं या नहीं ।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं
- (ञ) कोई मजात, कुरचना या रोष है या नहीं ।
- (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं ।
जिनसे कमजोर गठन का पता लगे ।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्प्यूनिकेबिल) रोग है या नहीं ।

11. दिल और फेफड़ो को किसी ऐसी विलक्षणता का पता नगाने के लिये साधारण ज्ञारीरिक परीक्षा में ज्ञात न हो, सभी केसों में नेमी रूप से छाती के एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए। सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार के स्वास्थ्य के सबध में जहां कही सन्देह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किये जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, जैसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक बुटि अथवा विपथन (एबरेशन) से पीड़ित होने का संदेश होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल के किसी मनोविकार विज्ञानिक में परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाणपत्र में अवश्य ही नोट किया जाये। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की सभावना है या नहीं।

12. जहां तक मिली जुली प्रतियोगिता परीक्षा के उम्मीदवार का सबध है इसके लिये ऊपर पैरा 11 के नीचे की टिप्पणी में बतायी गई अपील करने की कार्य विधि लागू नहीं होती इस परीक्षा के उम्मीदवारों की अपील की शुल्क 50 रु. भारत सरकार के इस सबध में निर्धारित ढंग से जमा करना होता है। यह फीस केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगी जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित किये जाएंगे। शेष दूसरों के मामलों में यह जब्त कर ली जायगी। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण पत्र सलग्न कर मकांते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गये निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपीले पेश करनी चाहिए अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिये अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और इसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के सबध में की जाने वाली यात्राओं के लिये कोई यावा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जायगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबध के लिये मर्की भड़ल (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जायगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है —

1. ज्ञारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाए जाने वाले स्टैण्डर्ड में सबधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिये उचित गुजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जायगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइलिंग अथारिटी) को यह तमन्ती नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई वीमारी या ज्ञारीरिक दुर्बलता (वाइली इन-फर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की सभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भवित्व से भी उतना ही सबध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर काग्जर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के सामने में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट किया जाए कि जहां प्रश्न केवल निरन्तर काग्जर सेवा की सभावना का है और उम्मीदवार को अन्वेषित करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए, जब तक उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर काग्जर सेवा में बाधक पाया गया हो।

भिन्ना उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में महाप्रोजित किया जायगा।

भारतीय रक्षा लेखा सेवा (इंडियन डिफेंस एकाउन्ट्स मॉर्चिस) के उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। ऐसे उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य हैं या नहीं।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बतायी हो उनका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (आपैथ या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहा डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार की बोर्ड की राय सूचित किये जाने में को आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाय तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में सबधित प्राधिकारी स्वतत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर से अयोग्य करार दिया जाये तो दुवारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम ४ महीने से कम नहीं होनी चाहिए। मिश्रित अवधि के बाद जब दुवारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिये अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये उनकी योग्यता के सबध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. आपना पूरा नाम
(साफ अक्षरों में)।

2. आपनी आयु और जन्म स्थान बताएं

"2(क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नाशगालैण्ड आदिम जातियों आदि से संबंधित हैं जिनका आसत कद दूसरों से छोटा होता है। 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए और यदि उत्तर 'हाँ' में है तो उस जाति का नाम बताइये।"

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार ग्रंथियों (ग्लैडस) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, कफ़ड़ों की बीमारी,

यदि पिता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था यदि पिता की मृत्यु चुकी हो तो मृत्यु के समय पिता की आयु मृत्यु का कारण

मूर्छा के दौरे, स्मैटिज्म, अपेंडिसाइटिस हुआ है।

प्रथम

(अ) दूसरी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शम्पा पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. आपको चेचक आदि का अन्तिम टीका कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है—

6. आपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्यौरा दें।

आपके कितने भाई जीवित हैं,

उनकी आयु और स्वास्थ्य की

अवस्था

आप के कितने भाईयों की

मृत्यु हो चुकी है मृत्यु

के समय उनकी आयु और

मृत्यु का कारण

यदि माता जीवित हो तो
उसकी आयु और स्वास्थ्य
की अवस्था

यदि माता की मृत्यु हो
चुकी हो तो मृत्यु के समय
उसकी आयु और मृत्यु
का कारण

आपकी कितनी बहनें जीवित हैं
उनकी आयु और स्वास्थ्य की
अवस्था

आपकी कितनी बहिनों की
मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु
के समय उनकी आयु और
मृत्यु का कारण

7. क्या इससे पहिले किसी मेडिकल बोर्ड से आपकी परीक्षा की है?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हाँ'
हो तो बताइए किस सेवा/सेवाओं के
लिए आपकी परीक्षा की गई थी।

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी
कौन था?

10. कब और कहाँ मेडिकल का
परिणाम।

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा
का परिणाम यदि आपको बताया गया
हो अथवा आपको मालूम हो।

मैं घोषित करता हूँ कि जहा तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए।

बोर्ड के लेपररमैन के हस्ताक्षर

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छुगाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउंस) या उपदान (प्रेचुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) । की
आरीरिक परीक्षा की ।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास : अच्छा..... बीच का..... कम.....	
प्रेषण : पतला..... औसत..... भोटा.....	
नद (जूते उत्तरकर) वजन	
प्रत्युत्तम वजन..... कब था ?.....	
वजन में कोई हाल में ही हुआ परिवर्तन.....	
तापमान	
छाती का धेर.....	
(1) पूरा सांस खींचने पर	
(2) पूरा सांस निकालने पर.....	
2. त्वचा—कोई जाहिरी बीमारी.....	
3. नेत्र	
(1) कोई बीमारी	
(2) रसोधी	
(3) कलर विजन का दोष.....	
(4) दृष्टि थोक (फील्ड आफ विजन).....	
(5) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एक्विटी).....	
(6) फंड्स परीक्षा	
हृष्टि की पकड़ चाशे के बिना चाशे से चाशे की पावर	
	गोल सिली ० अक्ष

दूरी की नजर	दा० ने०
पास की नजर	बा० ने०
हाइपरमेट्रोपिया	बा० ने०
(व्यक्त)	बा० ने०
4. कान : निरीक्षण	सुनना :
दायां कान	बायां कान
5. ग्रंथियों	थाइराइड
6. दांतों की हालत	
7. प्रवसन तत्त्व (रेस्पिरेटरी सिस्टम) क्या आरीरिक परीक्षा करने पर सांस के ग्रंथों में किसी विलक्षणता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो विलक्षणता का पूरा व्यौरा दें ?	
8. परिचरण तत्त्व (सर्क्यूलेटरी सिस्टम)	
(क) हृदय : कोई आंगिक क्षति (आग्निक लीजन) ?	
गति (रेट)	
खड़े होने पर :	

- 25 बार कुदाए जाने के बाद
- कुदाए जाने के 2 मिनट के बाद
- (ख) ब्लड प्रैशर प्रिस्ट्रिक
- डायस्टालिक
-
9. उदर (पेट) : धेर दांब बेदना (दैब्सरेस)
- हानिया
- (क) दबा कर मालूम पड़ना, जिगर..... तिल्ली.....
गुदे द्यूमर
- (ख) बवासीर के मस्ते फिस्चुला
10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक अशक्तता का संकेत
11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)
कोई विलक्षणता
12. जनन-मूत्र तंत्र (जेनिटो यूरिनरी सिस्टम) /हाइड्रोसील बेरिकोसील आदि का कोई संकेत ।
- मूत्र परीक्षा :
- (क) कैसा विद्युती पड़ता है ?
- (ख) स्पेसिफिक ग्रेविटी (अपेक्षित गुणत्व)
- (ग) एल्व्यमेन
- (घ) शक्कर
- (इ) कास्ट
- (च) केशिकाएं (सेल्स)
13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई बात है जिससे वह उस सेवा को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है जिसके लिए वह उम्मीदवार है ?
- नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि वह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक से गम्भीरी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम ९ ।
15. (i) उन सेवाओं का उल्लेख करें जिनके लिए उम्मीदवार की परीक्षा की गई :—
- (क) भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा ।
- (ख) भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा ।
- (ग) केन्द्रीय सेवाएं, श्रेणी I और II
- (ii) क्या वह निम्नलिखित सेवाओं में दक्षतापूर्वक और निरन्तर काम करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया है :—
- (क) भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा ।

(ख) भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली और अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह पुलिस सेवा, (कद, छाती का घेर, नजर, रंग दिखाई न देना और चाल, खास तौर से देखें)।

(ग) भारतीय रेलवे यातायात सेवा (कद, छाती, नजर, रंग दिखाई न देना, खास तौर से देखें)।

(घ) दूसरी केन्द्रीय सेवाएँ श्रेणी I/II।

(iii) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है?

नोट :—बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

(i) योग्य (फिट)।

(ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण.....

(iii) अस्थाई रूप से अयोग्य, जिसका कारण.....

स्थान अध्यक्ष (प्रेसीडेंट)
तारीख सदस्य
सदस्य
सदस्य

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(परिवार नियोजन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1975

संकल्प

सं० 8-16/74-ओ० एस० बी० (सी० एण्ड जी०)—भारत सरकार ने परिवार नियोजन विभाग के संकल्प संख्या 2-28/73-नीति दिनांक 21-7-1973 द्वारा जो परिवार नियोजन सम्बन्धी अधिक्षित भारतीय कामगार समिति गठित की थी उसके स्थान पर परिवार कल्याण नियोजन सम्बन्धी एक त्रिपक्षीय राष्ट्रीय समिति गठित करने का निर्णय किया है। परिवार कल्याण नियोजन सम्बन्धी त्रिपक्षीय राष्ट्रीय समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

1. केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री . अध्यक्ष

2. केन्द्रीय स्वास्थ्य और प० नि० उप मंत्री . उपाध्यक्ष

3. 7. निम्नलिखित का एक-एक प्रतिनिधि :

(1) स्वास्थ्य और प० नि० मंत्रालय . सदस्य

(2) वित्त मंत्रालय सदस्य

(3) श्रम मंत्रालय सदस्य

(4) योजना मंत्रालय सदस्य

(5) कर्मचारी राज्य बीमा निगम सदस्य

8. अध्यक्ष केन्द्रीय कामगार शिक्षा बोर्ड सदस्य

9. 25 निम्नलिखित का एक-एक प्रतिनिधि :

(1) इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस सदस्य

(2) आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस सदस्य

(3) हिन्द मजदूर सभा सदस्य

(4) सेन्टर आफ इंडियन ट्रेड यूनियन सदस्य

(5) यूनाइटेड ट्रेड यूनियन कांग्रेस सदस्य

(6) यनाइटेड ट्रेड यूनियन कांग्रेस (लैनिन सारणी) सदस्य

(7) भारतीय मजदूर सघ सदस्य

(8) जाइट कन्सलटेटिव मरीनरी (स्टाफ पक्ष) सदस्य

(9) नेशनल फंट आफ इंडियन ट्रेड यूनियन सदस्य

(10) इंडियन फैडरेशन आफ इंडिपैन्सेंट ट्रेड यूनियन सदस्य

(11) लेबर प्रोग्रेसिव फैडरेशन सदस्य

(12) नेशनल लेबर आरमाइजेशन सदस्य

(13) हिन्द मजदूर पंचायत सदस्य

(14) एम्प्लायर्स फैडरेशन आफ इंडिया सदस्य

(15) आल इंडिया एम्प्लायर्स आरमाइजेशन सदस्य

(16) आल इंडिया मैन्युफैक्चर्ज आरमाइजेशन सदस्य

(17) ब्यूरो आफ पब्लिक एंटरप्राइजेस सदस्य

26. श्री के० बी० छेत्री, संसद सदस्य सदस्य

27. श्री बी० बी० कार्निक सदस्य

28. कुमारी मणि बेन कारा सदस्य

29. संयुक्त सचिव एवं आयुक्त, प० नि०, परिवार नियोजन विभाग, नई दिल्ली सदस्य-सचिव

2. यह समिति निम्नलिखित कार्य करेगी :—

(1) उपयुक्त नीतिया तैयार करना, विशिष्ट कार्यक्रम बनाना, कमजोर क्षेत्रों का निर्धारण करना तथा शोधक उपायों का सुझाव देना और परिवार कल्याण नियोजन कार्यक्रमों की प्रगति तथा संगठित क्षेत्र में कार्यकलापों का मूल्यांकन करना।

(2) कामगारों की शिक्षा तथा प्रेरणा हेतु मजदूर संघों और प्रबन्धकों की सहायता और सहयोग प्राप्त करना; तथा

(3) संगठित क्षेत्र में योजनाओं के कार्यान्वयन के सम्बन्ध में सरकार को विशेष परामर्श देना।

3. सामान्यतः समिति के सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष तक रहेगा।

4. समिति की बैठके आवश्यकतानुसार बुलाई जाएंगी।

5. समिति की बैठकों में भ्राग लेने के लिए मतियां और अधिकारियों के यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते का खर्च उसी क्रम से पूरा किया जाएगा जहां से वे अपना बैठन प्राप्त करते हैं। समिति की बैठकों में भ्राग लेने के लिए गैर-सरकारी सदस्यों के यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते का विनियमन एस० आर० 190 के उपबन्धों और भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए तत्वाधीन आदेशों के अनुसार किया जाएगा।

6. इस पर होने वाला व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत बजट अनुदान से पूरा किया जाएगा :—

“मांग संस्था 42-परिवार नियोजन के अन्तर्गत 281-व्य-परिवार नियोजन-व्य-1 पिंडण और प्रशासन-व्य-1 (1) मुख्यालय का तकनीकी बृहण— व्य-1 (1) (3) यात्रा व्यय (आयोजना)”

आदेश

आदेश दिया गया कि इस संकल्प की एक एक प्रतिलिपि भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों को भेजी जाए और यह संकल्प भारत के राजपत्र में आम मूचना के लिए प्रकाशित किया जाए।

ज्ञान प्रकाश,
सचिव

कृषि और सिचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1975
संकल्प

सं० 156(13)/73-पालिसी-1—सरकार ने अपने दिनांक 28 दिसम्बर, 1973 के संकल्प सं० 167(14)/73-पालिसी-1 से विभिन्न राज्यों में धान के श्रेणीकरण और वर्गीकरण में अन्तर और अपनाई गयी श्रेणियों के बीच मूल्य अन्तर की जांच करने के लिए एक समिति गठित की है ताकि इन समस्याओं के बारे में एक-रूपता और सर्वभान्ध पहुँच अपनाई जा सके। सरकार ने अब उपर्युक्त संकल्प में निम्नलिखित संशोधन का निर्णय किया है :—

1. सिति का गठन इस प्रकार होगा :—

- | | |
|----------------------------|-------|
| 1. श्री ए० के० मजूमदार, | आधिक |
| संयक्त सचिव, | |
| खाद्य विभाग। | |
| 2. श्री एस० के० घोष, | सदस्य |
| वित्तीय सलाहकार, | |
| खाद्य विभाग। | |
| 3. श्री श्री० एन० बाजपेयी, | सदस्य |
| मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, | |
| भारतीय खाद्य निगम, | |
| ‘नई दिल्ली। | |
| 4. डा० एस० वी० पिंगले, | सदस्य |
| प्रबंधक (गु० नि०), | |
| भारतीय खाद्य निगम, | |
| नई दिल्ली। | |
| 5. डा० एन० एस० अग्रवाल, | सदस्य |
| संयुक्त आयुक्त (गु० नि०), | |
| खाद्य विभाग, नई दिल्ली। | |

6. उपायुक्त (गु० नि०),
खाद्य विभाग,
नई दिल्ली।

7. श्री के० बी० ध्यागराजन,
सेवा नियूत उप सचिव,
खाद्य विभाग, नई दिल्ली।

2. समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को 31 दिसम्बर, 1975 तक प्रस्तुत करेगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों और समिति के सभी सदस्यों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

ए० के० अग्रवाल,
उप सचिव

नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 फरवरी 1975

संकल्प

सं० एम० टी० सी० (16)/74-एम० टी०—केन्द्रीय सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) के संकल्प सं० एम० टी० सी० (16)/74-एम० टी०, दिनांक 16 नवम्बर, 1974 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

“क्रम सं० 25 के सामने, ‘श्री कृष्णानन्द राय, भूतपूर्व सदस्य, विधान सभा, गाजीपुर, उत्तर प्रदेश—गैर सरकारी सदस्य’ रखा जाए।”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति राष्ट्रपति के निजी और सैनिक सचिवों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों, पत्तन न्यासों और महानिदेशक नौवहन, बम्बई को दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

डी० डी० जोशी,
संयुक्त सचिव

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1975

संकल्प

सं० 13016/9/71-पी० ई० (सी० य० डब्ल्यू०)—स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) के दिनांक 6 मई, 1972 के संकल्प संख्या क्य०० 13016/9/71-

पी० एच० ई० द्वारा गठित नगरीय अपशिष्ट पर समिति की कालावधि निर्णय और आवास मंत्रालय के दिनांक 25 जुलाई, 1974 के संकल्प संख्या 13016/9/71-पी० एच० ई० (सी० य० ड० ड०) द्वारा 31 दिसंबर, 1974 तक बढ़ाई गई थी। अब यह निर्णय किया गया है कि समिति की इस अवधि को 1 जनवरी, 1975 से 6 मास के लिए और बढ़ा दी जाए।

आदेश

1. आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को निम्नलिखित को भेजा जाए :—

- (i) सोक सभा सचिवालय
- (ii) राज्य सभा सचिवालय
- (iii) प्रधान मंत्री सचिवालय
- (iv) मन्त्रिमंडल सचिवालय
- (v) योजना आयोग
- (vi) राष्ट्रपति के निजी तथा

CABINET SECRETARIAT (DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

RULES

New Delhi, the 15th March 1975

No. 13018/1/75-AIS(I).—The rules for a combined competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1975 for the purpose of filling vacancies in the following services/posts are, with the concurrence of the Ministries concerned and the Comptroller and Auditor General of India in respect of the Indian Audit and Accounts Service, published for general information :—

Category I

- (i) The Indian Administrative Service, and
- (ii) The Indian Foreign Service.

Category II

- (i) The Indian Police Service.
- (ii) The Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Police Service, Class II, and
- (iii) Posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Class II in the Railway Protection Force.

Category III

(a) Class I Services :

- (i) The Indian P & T Accounts & Finance Service.
- (ii) The Indian Audit & Accounts Service.
- (iii) The Indian Customs and Central Excise Service.
- (iv) The Indian Defence Accounts Service.
- (v) The Indian Income-tax Service (Class I).
- (vi) The Indian Ordnance Factories Service, Class I (Assistant Managers—Non-Technical).
- (vii) The Indian Postal Service.
- (viii) The Indian Railway Accounts Service.
- (ix) The Indian Railway Traffic Service.

- (x) The Military Lands and Cantonments Service, Class I.

(b) Class II Services :

- (i) The Central Secretariat Service, Section Officers Grade, Class II.
- (ii) The Indian Foreign Service, Branch 'B', Integrated Grades II and III of the General Cadre (Section Officers' Grade).

सेना सचिव (vii) भारत के नियन्त्रक तथा महालेखा परीक्षक (viii) भारत सरकार के सभी मंत्रालय तथा विभाग (ix) सभी राज्य सरकारें संघ क्षेत्र (x) वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति मंत्रालय, नई दिल्ली (xi) महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली (xii) आई० सी० य० आर०, नई दिल्ली, (xiii) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली (xiv) केन्द्रीय लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान, नागपुर (xv) अखिल भारतीय स्वच्छता तथा लोक स्वास्थ्य, कलकत्ता।

2. आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

प्रकाश नारायण,
उप-सचिव

- (iii) The Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistant Civilian Staff Officers' Grade, Class II.
- (iv) The Customs Appraisers' Service, Class II.
- (v) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service Class II, and
- (vi) The Pondicherry Civil Service, Class II.

A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/posts mentioned above (please see Rule 4). He should clearly indicate in his application the Services covered by the category/categories concerned for which he wishes to be considered in the order of preference.

A candidate belonging to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or a woman candidate competing for the I.A.S./I.P.S. should clearly indicate in his/her application the order of preference for the State Cadre in case he/she is selected for the IAS/IPS.

A male candidate not belonging to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and competing for the IAS/IPS should indicate in his application if he would like to be considered for allotment to the State to which he belongs in case he is selected for the IAS/IPS.

"NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES COVERED BY THE CATEGORY/CATEGORIES FOR WHICH HE/SHE IS COMPETING OR IN RESPECT OF THE STATE CADRES TO WHICH HE/SHE WOULD LIKE TO BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 15 DAYS OF THE DATE OF DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE GOVERNMENT OF INDIA WOULD BE SENT TO CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS CADRES/SERVICES AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS. FOR SENDING THE REVISED PREFERENCES, IF ANY, THE CANDIDATES SHALL USE THE SAME FORMS AS GIVEN IN COLUMNS 32 AND 33 OF THE APPLICATION FORM."

2. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; The Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971; the Constitution

(Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix II to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. The combined competitive examination for recruitment to I.A.S. etc. is to be treated as comprising three separate and distinct examinations for three categories of Services/posts viz., (i) IAS and IFS, (ii) IPS, Delhi and Andaman and Nicobar Islands Police Service and posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant Class II in the Railway Protection Force and (iii) Central Services, Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service, Goa, Daman and Diu Civil Service and Pondicherry Civil Service.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a migrant from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania shall be permitted to compete more than three times at the examination for each of the three categories of Services/posts mentioned in Rule 4 above, but this restriction is effective from the examination held in 1961.

NOTE 1.—If a candidate actually appears in any one or more subjects he shall be deemed to have competed at the examination for each of the categories of Services/posts to which he is admitted by the Commission.

NOTE 2.—The existing scheme of examination, the syllabi for the various subjects and the number of times for which a candidate can compete at the examinations are liable to be revised for the examination to be held after 1975.

6. (1) For the Indian Administrative Service and Indian Police Service, a candidate must be a citizen of India or a subject of Sikkim.

(2) For other Services, a candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and the East African Countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to category (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (c), (d) and (e) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

7. (a) (i) A candidate for the Indian Administrative Service, the Indian Foreign Service and for all the remaining Services, excepting the Indian Police Service and Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service, and posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant Class II in the R.P.F. mentioned in paragraph 1 above and

must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 26 years on the 1st August, 1975, i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1949 and not later than 1st August, 1954.

(ii) A candidate for the Indian Police Service, Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service and posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant Class II in the R.P.F. must have attained the age of 20 years, and must not have attained the age of 26 years on the 1st August, 1975 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1949 and not later than 1st August, 1955.

(b) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January 1964 but before 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xiii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

8. A candidate must hold a degree of any of the Universities enumerated in Appendix I or must possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A.

NOTE I.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the

foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE II.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university which is not included in Appendix I, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

9. A candidate who is appointed to a Service in Category I (I.A.S. or I.F.S.) on the results of an earlier examination will not be eligible to compete at this examination.

A candidate who is appointed to a Service mentioned in col. (ii) below on the results of an earlier examination will be eligible to compete at this examination only for Services mentioned against that Service in col. (iii) below :

Sl. No.	Service to which appointed	Service for which eligible to compete
(i)	(ii)	(iii)
1. Indian Police Service		(i) Category I (I. A. S. and I. F. S.) (ii) Central Services, Class I in Category III
2. Central Services Class I		(i) Category I (I. A. S. and I. F. S.) (ii) I. P. S. in Category II
3. Central Services, Class II (including Civil and Police Services in Union Terri- tories)		(i) Category I (I. A. S. and I. F. S.) (ii) I. P. S. in Category II (iii) Central Services, Class I in Category III

10. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

11. Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along with the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's Office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's Office after the closing date will not be considered.

12. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

13. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means,
or

- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

15. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

16. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their direction and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

18. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various Services at the time of his application.

Provided that a candidate who is appointed to a Service in Category I (I.A.S. or I.F.S.), on the results of an earlier examination, will not be considered for appointment to any other Service on the results of this examination.

Provided further that a candidate who is appointed to a Service mentioned in col. (ii) below on the results of an earlier examination will be considered only for appointment to Services mentioned against that Service in col. (iii) below on the results of this examination.

Sl. No.	Service to which appointed	Service to which appointment will be considered
(i)	(ii)	(iii)
1. Indian Police Service		(i) Category I (I. A. S. and I. F. S.) (ii) Central Services, Class I in Category III
2. Central Services, Class I		(i) Category I (I. A. S. and I. F. S.) (ii) I. P. S. in Category II
3. Central Services, Class II (including Civil and Police Services in Union Territories)		(i) Category I (I. A. S. and I.F.S.) (ii) I. P. S. in Category II (iii) Central Services, Class I in Category III

19. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable for appointment to the Service.

20. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination. No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standard required are given in Appendix IV to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and the Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

21. No person :

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, have entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service,

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

22. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to take after entry into service.

23. Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

B.S. BASWAN, Under Secy.

APPENDIX I

List of Universities approved by the Government of India (vide Rule 8)

INDIAN UNIVERSITIES

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India and other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

UNIVERSITIES IN BURMA

The University of Rangoon.
The University of Mandalay.

ENGLISH AND WELSH UNIVERSITIES

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

SCOTTISH UNIVERSITIES

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

IRISH UNIVERSITIES

The University of Dublin (Trinity College).
The National University of Ireland.
The Queen's University, Belfast.

UNIVERSITIES IN PAKISTAN

The University of Punjab.
The University of Sind.

UNIVERSITIES IN BANGLA DESH

The Rajshahi University.
The Dacca University.

UNIVERSITY IN NEPAL

The Tribhuvan University, Kathmandu.

APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination (vide Rule 8)

1. Shastri of Kashi Vidyapith, Varanasi.
2. French Examination "Propédeutique".
3. Diploma in Rural Services of the National Council of Rural Higher Education.
4. Diploma in Rural Services of the Visva Bharati University.
5. National Diploma in Commerce of All India Council for Technical Education.
6. National Diploma in Engineering or Technology of the All India Council for Technical Education recognised by the Government for recruitment to superior Services and posts under the Central Government.
7. 'Higher Course' of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, provided that the Course has been successfully completed as a "full student".
8. Diploma in Mining Engineering of the Indian School of Mines, Dhanbad.
9. Diploma in the field of Humanities and Natural Sciences attaining graduation from a Higher Educational Establishment in the U.S.S.R. without defending first scientific thesis but having passed the State Examinations.

10. Shastri (with English) or Old Shastri or Sampurna Shastri examination with special examination in additional subjects with English as one of the subjects i.e. Varishta Shastri of Veraraseya Sanskrit Vishwa Vidyalaya, Varanasi.

11. Alankar degree of Gurukul Vishwa Vidyalaya, Kangri Hardwar.

12. Bachelor of Arts (B.A.) and the Bachelor of Science (B.S.) degrees awarded by the American University of Beirut, Beirut Lebanon.

APPENDIX II

SECTION I

Plan of the Examination

The competitive examination comprises :—

(A) Written examination in—

- (i) three compulsory subjects (for all Services/Posts). Essay, General English, and General Knowledge, each with a maximum of 150 marks [see Sub-Section (a) of Section II below];
- (ii) a selection from the optional subjects set out in Sub-Section (b) of Section II below. Subject to the provisions of that Sub-section, candidates may take optional subjects up to a total of 600 marks for all Services except the Services/Posts under Category II (cf Rules 1 and 4) for which optional subjects up to a total of 400 marks only may be taken. The standard of these papers will be approximately that of an Honours Degree Examination of an Indian University; and
- (iii) a selection from the additional subjects set out in Sub-Section (c) of Section II below. Subject to the provision of that Sub-Section, candidates may take additional subjects up to a total of 400 marks for the Indian Administrative Service and Indian Foreign Service (Category I). The standard of these papers will be higher than that prescribed for the optional subjects under Sub-Section (A)(ii) above.

(B) Interview for Personality Test (*vide* Part D of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying maximum marks as follows :

Category I :

Indian Foreign Service	400
Indian Administrative Service	300

Category II & III :

All Services/Posts	200
------------------------------	-----

SECTION II

Examination Subjects

(a) *Compulsory subjects* (*vide* Sub-Section A (i) of Section I above) :—

	Maximum marks
(1) Essay	150
(2) General English	150
(3) General Knowledge	150

Note :—The syllabi of the Subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

(b) *Optional Subjects* (*vide* Sub-Section A (ii) of Section I above) :—

Candidates for Services/Posts under category II (of Rules 1 and 4) may offer any two, and for all other Services any three of the following subjects :—

S. No.	Subjects	Code No.	Maximum Marks
(1) Pure Mathematics	01	200	
(2) Applied Mathematics	02	200	
(3) Statistics	03	200	
(4) Physics	04	200	
(5) Chemistry	05	200	
(6) Botany	06	200	
(7) Zoology	07	200	
(8) Geology	08	200	
(9) Geography	09	200	
(10) English Literature	10	200	
(11) <i>One of the following :</i>			
(i) Assamese	11	200	
(ii) Bengali	12	200	
(iii) Gujarati	13	200	
(vi) Hindi	14	200	
(v) Kannada	15	200	
(vi) Kashmiri	16	200	
(vii) Malayalam	17	200	
(viii) Marathi	18	200	
(ix) Oriya	19	200	
(x) Punjabi	20	200	
(xi) (a) Sindhi-Devanagari	21	200	
(b) Sindhi-Arabic	22	200	
(xii) Tamil	23	200	
(xiii) Telugu	24	200	
(xiv) Urdu	25	200	
(12) <i>One of the following :</i>			
(i) Arabic	26	200	
(ii) Chinese	27	200	
(iii) French	28	200	
(iv) German	29	200	
(v) Pali	30	200	
(vi) Persian	31	200	
(vii) Russian	32	200	
(viii) Sanskrit	33	200	
(13) Indian History	34	200	
(14) British History	35	200	
(15) European History	36	200	
(16) World History	37	200	
(17) General Economics	38	200	
(18) Political Science	39	200	
(19) Philosophy	40	200	
(20) Psychology	41	200	
(21) Law-I	42	200	
(22) Law-II	43	200	
(23) Law-III	44	200	
(24) Applied Mechanics	45	200	
(25) Sociology	44	200	

Provided that the following restrictions shall apply to particular optional subjects :—

(i) Of the subjects with codes 01, 02, and 03 not more than two can be offered for any category of Services/Posts.

- (ii) Candidates for Services other than the Indian Foreign Service may not offer more than one of the languages with codes 26 to 33 mentioned above. For the Indian Foreign Service only, candidates are allowed to offer any two of these languages but no candidate shall be allowed to offer both Pali (code 30) and Sanskrit (code 33).
- (iii) Of the History subjects with codes 34, 35, 36 and 37 not more than two can be offered for any category of Services posts but no candidate shall be allowed to offer both European History (Code 36) and World History (code 37).
- (iv) Of the subjects with codes 40 and 41, not more than one can be offered for any category of Services/Posts.
- (v) Of the Law subjects with codes 42, 43 and 44, not more than two can be offered for any category of Services/Posts.
- (vi) Subject with code 45 must not be offered for the Services /Posts under Category II.

NOTE:—The syllabi of the subjects mentioned above are given in Part B of the Schedule to this Appendix.

(c) *Additional subject* (vide sub-Section A(iii) of Section I above)

Candidates competing for the Indian Administrative Service/Indian Foreign Service (Category I), must also select any two of the following subjects —

S. No.	Subject	Code No.	Maximum Marks
1.	(a) Higher Pure Mathematics . . .	50	200
	OR		
	(b) Higher Applied Mathematics . . .	51	200
2.	Higher Physics . . .	52	200
3.	Higher Chemistry . . .	53	200
4.	Higher Botany . . .	54	200
5.	Higher Zoology . . .	55	200
6.	Higher Geology . . .	56	200
7.	Higher Geography . . .	57	200
8.	English Literature (1798-1935)	58	200
9.	(a) Indian History I (From Chandragupta Maurya to Harsha)	59	200
	OR		
	(b) Indian History II The Great Mughals (1526-1707) . . .	60	200
	OR		
	(c) Indian History III (From 1772 to 1950)	61	200
	OR		
	(d) British Constitutional History (From 1603 to 1950)	62	200
	OR		
	(e) European History (From 1871 to 1945)	63	200
10.	(a) Advanced Economics . . .	64	200
	OR		
	(b) Advanced Indian Economics . . .	65	200
11.	(a) Political Theory from Hobbes to the present day	66	200
	OR		

S. No.	Subject	Code No.	Maximum Marks
	(b) Political Organisation and Public Administration . . .	67	200
	OR		
	(c) International Relations . . .	68	200
12.	(a) Advanced Metaphysics including Epistemology . . .	69	200
	OR		
	(b) Advanced Psychology including Experimental Psychology . . .	70	200
13.	(a) Constitutional Law of India . . .	71	200
	OR		
	(b) Jurisprudence . . .	72	200
14.	(a) Medieval Civilisation as reflected in Arabic Literature (570 A.D. to 1650 A.D.) . . .	73	200
	OR		
	(b) Medieval Civilisation as reflected in Persian Literature (570 A.D. to 1650 A.D.) . . .	74	200
	OR		
	(c) Ancient Indian Civilisation and Philosophy . . .	75	200
15.	Anthropology . . .	76	200
16.	Advanced Sociology . . .	77	200

Provided that the following restrictions shall apply to particular additional subjects.

(1) No candidate shall be allowed to offer both Indian History I (code 59) and Ancient Indian Civilisation and Philosophy (code 75).

(2) No candidate shall be allowed to offer both European History (code 63) and International Relations (code 68).

NOTE.—The Syllabi of the subjects mentioned above are given in Part C of the Schedule to this Appendix.

SECTION III

General

1. (a) The question papers in 'Essay' and 'General Knowledge' *vide* items (1) and (3) respectively of Sub-Section (a) of Section II above, may be answered in English, or in any one of the languages mentioned in the Eighth Schedule to the Constitution, viz. Assamese, Bengali, Gujarati, Hindi, Kannada, Kashmiri, Malayalam, Marathi, Oria, Panjabi, Sanskrit, Sindhi, Tamil, Telugu and Urdu. Candidates exercising the option to answer both the papers in a language other than English must choose the same language for both the papers. The option will apply to a complete paper and not to a part thereof.

(b) Question papers in all other subjects must be answered in English, except question papers in languages, *vide* items (11) and (12) of sub-section (b) of Section II above, which, unless specifically required otherwise, may be answered in English or in the language concerned.

NOTE I.—A candidate desirous of answering the question paper(s) mentioned in para 1(a) above in a language other than English must clearly indicate in column 8 of the Application Form, the name of that language against the paper(s) concerned. If no entry is made in the said column in respect of either or both of the papers, it will be assumed that the paper/papers will be answered in English.

The option once exercised shall be treated as final; and no request for alteration or addition in the said column shall be entertained.

Note II.—Candidates exercising the option to answer the paper(s) in para 1(a) above in any of the languages mentioned in the Eighth Schedule to the Constitution will be required to write their answers in the respective script indicated below:

Language Script	Code No.
Assamese-Assamese	11
Bengali-Bengali	12
Gujarati-Gujarati	13
Hindi-Devanagari	14
Kannada-Kannada	15
Kashmiri-Persian	16
Malayalam-Malayalam	17
Marathi-Devanagari	18
Oriya-Oriya	19
Punjabi-Gurmukhi	20
Sanskrit-Devanagari	33
*(a) Sindhi-Devanagari	21
*(b) Sindhi-Arabic	22
Tamil-Tamil	23
Telugu-Telugu	24
Urdu-Persian	25

*Candidates exercising the option to answer the paper(s) referred to in para 1(a) above in Sindhi must also indicate in column 8 of the application form the name of the particular script (code 21 or code 22) which they will adopt.

2. The duration of each of the papers referred to in Sub-Sections (a), (b) and (c) of Section II above will be 3 hours.

3. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

5. For the Indian Administrative Service and the Indian Foreign Service (Category I), the two additional papers of only such candidates will be examined and marked as attain such minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion at the written examination in all the other subjects.

If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

9. Candidates are expected to be familiar with the metric system of weights and measures. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of metric system of weights and measures may be set.

SCHEDULE

PART A

[Vide Sub-Section (a) of Section II of Appendix II]

1. *Essay*.—Candidates will be required to write an essay. A choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

2. *General English*.—Candidates will be required to answer questions designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Some of the questions will be devised to test also their reasoning power, their capacity to perceive in implications and their ability to distinguish between the important and the less important. Passages will usually be set for summary or precis. Credit will be given for concise and effective expression.

3. *General Knowledge*.—Including knowledge of current events and such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study, and questions on the teachings of Mahatma Gandhi.

PART B

[Vide Sub-Section (b) of Section II of Appendix II]

1. Pure Mathematics (Code-01)

The subjects included will be (1) Algebra, (2) Infinite Sequences and Series, (3) Trigonometry, (4) Theory of equations, (5) Analytic Geometry of two and three dimensions, (6) Analysis and (7) Differential Equations.

(1) *Algebra*: Sets, Union, Intersection difference and complementation properties. Venn Diagram. Properties of natural numbers. Real numbers and their representation by decimals. Complex numbers. Argand Diagram. Cartesian Products. Relation Mapping. Function as a mapping. Equivalence relation. Groups. Isomorphism of groups. Subgroups. Normal subgroups. Lagranges Theorem. Frobenius theorem.

The definitions and illustrations of Rings and Fields. Divisors of Zero and Homomorphisms. Vector spaces.

Determinants. Addition, subtraction, multiplication and inversion of matrix. Linear homogeneous and non-homogeneous equations. Cayley-Hamilton theorem.

Elementary number theory. Fundamental theorem of arithmetic. Congruences. Theorems of Fermat and Wilson.

Inequalities. Arithmetical and Geometrical means. Inequalities of Cauchy, Schwaiz, Holder and Minkowsky.

(2) *Infinite Sequences and Series*:—Concept of limit. Infinite series. Convergent, divergent and Oscillatory series. Cauchy's general principle of convergence. Comparison and ratio tests. Gauss' test. Absolute convergence and rearrangement of series.

(3) *Trigonometry*: De Moivre's theorem for rational index and its applications. Inverse Circular and hyperbolic functions. Expansions and summation of trigonometrical series. Expressions for sine and cosine in terms of infinite products.

(4) *Theory of Equations*: General properties of polynomial equations. Transformation of equations. Nature of the roots of cubic and biquadratic. Cardan's solution of the cubic. Resolutions of biquadratic into quadratic factors. Location of roots and Newton's method of divisors.

(5) *Analytic Geometry of two and three dimensions*:—Straight line. Pair of straight lines, circle, system of circles. Ellipse. Parabola. Hyperbola. Reduction of a second degree equation to a standard form.

Planes, straight lines, sphere, cone coincides and their tangent and normal properties (Vector methods will be permissible.)

(6) *Analysis*: Concepts of Limit, Continuity, Derivation differentiability of a function of one real variable. Properties of continuous functions. Characterisation of discontinuities. Mean value theorems. Evaluation of indeterminate forms. Taylor's and Maclaurin's theorems with Lagrange's and Cauchy's forms of remainders. Maxima and minima of function of one variable. Plane curves singular points, curvature, curve tracing. Envelopes. Partial Differentiation. Differentiability of a function of more than one real variable.

Standard methods of integration. Riemann's definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. First mean value theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surfaces of solids of revolution and their applications.

(7) *Differential Equations*: Formation of ordinary differential equation. Order and degree. Geometrical demonstration of the existence theorem for $\frac{dy}{dx} = f(xy)$. First order linear and nonlinear equations. Singular points. Singular solutions. Linear differential equations and their important properties. Linear Differential Equations with constant co-efficients. Cauchy-Euler type of equations. Exact differential equations and equations admitting integrating factor. Second order equations. Changing of dependent and independent variables. Solution when one integral is known. Variation of parameters.

2. Applied Mathematics (Code-02)

The subjects included will be (1) Vector Analysis, (2) States, (3) Dynamics and (4) Hydrostatics.

(1) *Vector Analysis*: Vector Algebra. Differentiation of vector function of a scalar variable. Gradient, divergence and curl in cartesian, cylindrical, and spherical coordinates and their physical interpretation. Higher order derivatives. Vector identities and Vector equations. Gauss and Stokes theorems.

(2) *Statics*: Fundamental laws of Newtonian Mechanics. Theory of Dimensions. Plan statics. Equilibrium of system of particles. Work and Potential Energy. Centre of mass and centre of gravity. Friction. Common Catenary. Principle of Virtual work. Stability of equilibrium. Equilibrium of forces in three dimensions.

Attraction and Potential of rods, rectangular and circular discs, spherical shells, sphere. Equipotential surfaces and their properties, properties of potentials. Green's equivalent stratum. Laplace's and Poisson's equations.

(3) *Dynamics*: Velocity vector. Relative velocity. Acceleration. Angular velocity. Degrees of freedom and constraints. Rectilinear motion. Simple harmonic motion. Motion in a plane. Projectiles. Constrained motion. Work and energy. Motion under impulsive forces. Kepler's laws. Orbits under central forces. Motion of varying mass. Motion under resistance. Moments and products of inertia. Two dimensional motion at a rigid body under finite and impulsive forces. Compound pendulum.

(4) *Hydrostatics*: Pressure of heavy fluids. Equilibrium of fluids under given system of forces. Centre of pressure. Thrust on curved surfaces. Equilibrium of floating bodies. Stability of equilibrium. Pressure of gases and problems relating to atmosphere.

3. Statistics : (Code-03)

1. Probability

Classical and Statistical definitions of probability. Simple theorems on probability with examples. Conditional probability and statistical independence. Bayes' theorem. Random variables—Discrete and Continuous. Probability functions and probability density functions. Probability distributions in one or more variates. Mathematical expectations. Chebycheff's inequality. Weak law of large numbers. Simple form of Central Limit theorem.

II Statistical Methods

Compilation, classification, tabulation and diagrammatic representation of various types of statistical data.

Concepts of statistical population and frequency curve. Measures of Central tendency and dispersion. Moments and cumulants. Measures of skewness and Kurtosis. Moment-generating functions.

Study of standard probability distributions—Binomial, Poisson, Hypergeometric, Normal, Negative-Binomial. Rectangular and log normal distributions. General description of the Pearsonian system of curves.

General properties of a bivariate distribution. bivariate normal distribution. Measures of association and contingency. Correlation and Linear regression involving two or more variables. Correlation ratio. Intraclass correlation. Rank correlation. Non-linear regression analysis.

Curvefitting by methods of free-hand curves, moving averages, group averages least squares and moments orthogonal Polynomials and their uses.

III. Sampling distribution and statistical inference.

Random sample, statistics, concepts of sampling distribution and standard error.

Derivation of sampling distribution of mean of independent normal varieties, x^2 , t and F Statistics; their properties and uses. Derivation of sampling distributions of sample means, variances and correlation coefficient from a bivariate normal population. Derivation (in large samples) and uses of Pearsonian x^2 .

Theory of Estimation : Requirements of a good estimate—unbiasedness, consistency, efficiency and sufficiency. Cramer-Rao lower bound to variance of estimates. Best linear unbiased estimates.

Methods of estimation—general descriptions of the methods of moments method of maximum likelihood method of least squares and method of minimum x^2 . Properties of maximum likelihood estimators (without proof). Theory of confidence intervals—simple problems of setting confidence limits.

Theory of Testing of Hypotheses: Simple and composite hypotheses. Statistical tests and critical regions. Two kind of error, level of significance and power of a test.

Optimum critical regions for simple hypotheses concerning one parameter. Construction of such regions for simple hypotheses relating to a normal Population.

Likelihood ratio tests. Tests involving mean, variance, correlation and regression coefficients in univariate and bivariate normal populations. Simple non-parametric tests—sign, run, median, rank and randomisation tests.

Sequential test of a simple hypotheses against a simple alternative (without derivation).

IV Sampling techniques

Sampling versus complete enumeration. Principles of sampling. Frames and sampling units. Sampling and non-sampling errors. Simple random sampling. Stratified sampling. Cluster sampling. Systematic sampling. Description of multi-stage and multiphase sampling. Ratio and regression methods of estimation. Designing of sample surveys with reference to recent large-scale surveys in India.

V. Design of Experiments

Analysis of variance and covariance with equal number of observations in the cells.

Transformation of variates to stabilise variance.

Principles of experimental designs. Completely randomised block and latin square designs. Missing plot techniques. Factorial experiments with confounding in $2^{5-2}(1)5!$, 3^2 and 3^3 designs. Splitplot design. Balanced incomplete designs and simple lattice.

4. Physics (Code-04)

General Properties of matter and Mechanics.—Units and dimensions. Rotational motion and moments of inertia. Gravity.

Gravitation, planetary motion. Stress and Strain relationship, elastic modulus and their inter relations. Surface tensions, capillarity. Law of incompressible fluids. Viscosity of liquids and gases.

Sound—Forced vibrations and resonance. Wave motion. Doppler effect. Vibrations of strings and air columns. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Musical scales. Acoustics of halls. Ultrasonics.

Heat and Thermodynamics.—Elements of the kinetic theory of gases. Brownian motion. Van der Waals equation of state. Measurement of temperature, specific heat and thermal conductivity. Joule-Thompson effect and liquefaction of gases. Laws of thermodynamics. Heat engines. Black body radiation.

Light—Geometrical optics, and simple optical systems. Telescope and microscope. Defects in optical images and their corrections. Wave theory of light. Measurement of velocity of light. Interference diffraction and polarization of light. Simple interferometers. Elements of spectroscopy. Raman effect.

Electricity and Magnetism.—Calculation of field and potential in simple cases. Gauss's theorem. Electrometers. Electrical and magnetic properties of matter and their measurements. Magnetic field due to electric current. Galvanometer. Measurement of current and quantity of electricity. Potentiometer. Resistance, Inductance and capacitance; and their measurement. Thermoelectricity. Elements of alternating currents. Dynamos and motors. Electrolysis. Electromagnetic waves. Radio valves and their simple applications. Transmission and reception of wireless waves. Television.

Elements of Modern Physics.—Elementary properties of electron, proton and neutron. Planck's constant and its measurement. Bohr's theory of the atom. X-rays and their properties. Elements of radio-activity and properties of alpha, beta and gamma rays. Nuclei of atoms. Elements of the special theory of relativity, mass and energy. Fission and fusion cosmic rays.

5. Chemistry (Code-05)

Inorganic Chemistry—Structure of the atom. The periodic law. Radioactivity. Isotopes. Artificial transmutations of elements. Nuclear fission. Nature of chemical bonds. The inert gases of the atmosphere. Chemistry of the more common and useful elements and their compounds. Rare earth elements. Hydrides, oxides, oxyacids, peracids and persalts, and carbo-nitrides. Inorganic complexes. Basic principles of chemical analysis.

Organic Chemistry—Petroleum and petroleum products. Chemistry of the following classes of aliphatic compounds: Saturated and unsaturated hydrocarbons, alcohols, ethers, aldehydes, Ketones, mono and dicarboxylic acid esters, substituted carboxylic acids, thio, nitro and cyano compounds; amines, urea and ureides, organometallic compounds, monosaccharides (including structures), carbohydrates and proteins (general ideas). Simple alicyclic compounds. Stain theory.

Aromatic Chemistry—Benzene, naphthalene and anthracene and their principle derivatives, coaltar distillation, phenols, aromatic alcohols, aldehydes, ketones. Aromatic acids and hydroxy-acids. Steric hindrance. Arylamines, Diazo, azo and hydrazone compounds. Quinones. Heterocyclic compounds: pyrrole, pyridine, quinoline, indole and indigo. Azo, triphenylmethane and phthalocyanine dyes.

Simpl molecular rearrangements. Isomerism, stereoisomerism and tautomerism. Polymerisation.

Physical Chemistry.—The kinetic theory. Properties of gases. Equations of state (Van der Waals, Dieterici). The critical state. Liquefaction of gases. Physical properties of liquids in relation to their chemical constitution. Elementary Crystallography.

The first and second law of thermodynamics and their application to simple physical and chemical processes. Chemical equilibrium and Law of Mass Action. Le Chatelier's Principle. The Phase Rule and its application to one-component systems and to the iron-carbon system.

Rate and order of a reaction. First and second order reactions. Chain reactions. Photochemical reactions. Catalysis. Absorption.

Electrolytic dissociation. Ionic equilibria. Acid-base equilibria and indicators. Study of electrolytic conductance and its applications. Electrode potentials. E.M.F. of cells. Measurements of E.M.F. and their applications.

6. Botany (Code-06)

Form, structure, habit, economic importance, life histories and inter-relationships of the important representatives of the various groups and sub-groups, or families and sub-families of cryptogams, (including bacteria with viruses) and phanerogams, with special reference to Indian plants.

The fundamental principles and processes of plant physiology.

A general knowledge of important diseases of crop plants in India and methods of their control and eradication.

The basic facts relating to ecology and plant geography, with special reference to Indian flora and the botanical region of India.

Basic knowledge about evolution, cytology, genetics and plant breeding.

Economic uses of plants specially flowering plants in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products as food-grains, pulses, fruits, sugar and starches, oil-seeds, species, beverages, fibres, woods, rubber drugs and essential oils.

A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

7. Zoology : (Code 07)

The classification, bionomics, morphology, life-history and relationship of nonchordates and chordates, with special reference to Indian forms.

Functional morphology (form, structure and function) of the integument, endoskeleton, locomotion, feeding, blood-circulation, respiration, excretion, nervous system, receptors and reproduction. Elements of vertebrate embryology.

Evolution: evidences, theories and their modern interpretations. Mendelian inheritance; mutation. Structure of animal cell; basic principles of cytology & genetics. Adaptation and distribution.

8. Geology : (Code-08)

Physical Geology and Geomorphology.—Origin, structure, interior and age of the Earth. Geosynclines and mountains. Isostasy. Origin of continents and oceans. Continental drift. Seismology. Volcanology. Geological action of surface agencies.

Structural and Field Geology.—Common structures of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Study of folds, faults, unconformities, joints and thrusts. Elementary ideas of methods of geological Surveying and Mapping.

Crystallography and Mineralogy.—Elements of crystal forms and symmetry. Laws of Crystallography; Crystal systems and classes; Crystal habits; twinning. Stereographic projections. Physical chemical and optical properties of minerals. Study of more important rock-forming and economic minerals regarding their chemical and physical properties, crystallographic and optical characters, alterations, occurrence and commercial uses.

Stratigraphy and Palaeontology.—Principles of Stratigraphy. Indian Stratigraphy. Lithological and Chronological subdivisions of Geological record. Fossils—nature and mode of preservation; bearing on Organic evolution. Invertebrate and plant fossils.

Economic Geology.—Theories of Ore genesis; Classification, geology, occurrence localities and resources of chief metallic and non-metallic minerals of India. Mineral industries in India. Principles of Geophysical prospecting and ore dressing.

Petrology.—Origin, constitution, structure and classification of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Study of common Indian Rock types.

9. Geography : (Code-09)

Physical and Human Geography of the world with special reference to India. Principles of Physical Geography comprising a detailed study of the lithosphere; hydrosphere and atmosphere leading up to the modern views regarding cycle concepts, isostasy, process of mountain formation, weather phenomena, surface and subsurface movement of ocean waters, etc.

Principles of Human Geography comprising a detailed study of the distribution of man on the basis of culture race, religion, etc. environment and mode of life, population trends, population movements.

Candidates are expected to have a detailed knowledge of physical, human and economic geography of India.

10. English Literature (Code-10).—Candidates will be expected to show a general knowledge of the history of English Literature from the time of Chaucer to the end of the reign of Queen Victoria, with special reference to the works of the following authors :—

Shakespeare, Milton, Dryden, Johnson, Wordsworth, Keats, Dickens, Tennyson, Arnold and Hardy.

Evidence of first-hand reading will be required. The paper will be designed also to test the candidates' critical ability.

11. Assamese (Code-11), **Bengali** (Code-12), **Gujarati** (Code-13), **Hindi** (Code-14), **Kannada** (Code-15), **Kashmiri** (Code-16), **Malayalam** (Code-17), **Marathi** (Code-18), **Oriya** (Code-19), **Punjabi** (Code-20), **Sindhi** (Code-21 or 22), **Tamil** (Code-23), **Telgu** (Code-24), and **Urdu** (Code-25).—Candidates will be expected to show a knowledge of the language and its literature. They must have first hand knowledge of the best known works with which they deal though questions on works of lesser importance may also be set. They will also be expected to possess such knowledge of the historical and cultural background, of intellectual and artistic movements and of linguistic development as will enable them to understand the literature. Questions may be set on literary history and on language. Candidates will be required to translate/explain and may be asked to comment on passages.

NOTE.—A candidate offering any of the subjects mentioned under item (11) may be required to answer some or all the question in the language concerned. The scripts required to be used for these languages are indicated below :

Language Script

1. Assamese—Assamese.
2. Bengali—Bengali.
3. Gujarati—Gujarati.
4. Hindi—Devanagari.
5. Kannada—Kannada.
6. Kashmiri—Persian.
7. Malayalam—Malayalam.
8. Marathi—Devanagari.
9. Oriya—Oriya.
10. Punjabi—Gurmukhi.
11. Sindhi—Devanagari or Arabic.
12. Tamil—Tamil.
13. Telgu—Telgu.
14. Urdu—Persian.

12. Arabic (Code 26), **Chinese** (Code 27), **French** (Code 28), **German** (Code 29), **Pali** (Code 30), **Persian** (Code 31), **Russian** (Code 32), and **Sanskrit** (Code 33).—Candidates will be expected to show a knowledge of the principal classical authors and to be able to translate from and compose in the language.

NOTE.—Candidates for Arabic, Persian and Sanskrit may be asked to answer some questions in Arabic, Persian or Sanskrit as the case may be. Answers required to be written in Sanskrit must be written in the Devanagari Script.

13. Indian History (Code 34).—From the beginning of the reign of Chandragupta Maurya to the establishment of Indian Republic. The paper will include questions on political, constitutional, economic and cultural developments.

14. British History (Code 35).—The period of study will be from 1485 to 1945. The paper will include questions on political, constitutional, economic and cultural developments.

15. European History (Code 36).—The period of study will be from 1789 to 1945. The paper will include questions on political, diplomatic, economic and cultural developments.

16. World History (Code 37).—(From 1789 to 1945) Candidates will be expected to possess sound knowledge of the major political and economic developments in world, with special reference to Europe, the U.S.A., the Far East, the Middle East and the African Continent. There will be special emphasis on international events of world importance.

Candidates will also be expected to be familiar with cultural developments as reflected in contributions to civilization as a whole, in the fields of science, literature and art.

17. General Economics (Code 38).—Candidates will be expected to have a general knowledge of (a) the principles of economic analysis; and (b) the history of economic doctrines.

They should be able to apply their knowledge of theory to an analysis of the current economic problems of India.

18. Political Science (Code 39).—Candidates will be expected to show a knowledge of political theory and its history political theory being understood to mean not only the theory of legislation but also the general theory of the State. Questions may also be set on constitutional forms. Representative Government, Federalism, etc.) and Public Administration Central and Local. Candidates will be expected to have knowledge of the origin and development of existing institutions.

19. Philosophy (Code 40).—The candidates will be expected to be familiar with History and Theory of Ethics Eastern and Western, with special reference to the problems of Moral standards and their application. Moral Judgment, Determinism and Free Will, Moral Order and Progress, relation between Individual, Society and the State theories of Crime and Punishment, and relation of Ethics to Religion.

They will also be expected to be familiar with History of Western Philosophy, with special reference to nature of philosophy and its relation to Science and Religion, theories of Matter and Spirit, Space and Time, Causation and Evolution, and Value and God, and with History of Indian Philosophy (including orthodox and heterodox systems), with special reference to theories of God, Self and Liberation, and causation, Evolution and Appearance.

20. Psychology.—(Code-41)

Psychology : its nature, scope and methods, experimental method in psychology.

Factors in human development heredity and environment.

Motivation, feelings and emotions; their nature and development, theories of emotions; development of character.

The cognitive processes, sensation, perception, learning, memory and forgetting, and thinking.

Intelligence and abilities—Concepts and measurement, Personality, nature, determinants, theories and assessment.

Group processes and group effect; crowd behaviour leadership and morale; attitudes and prejudice; social change.

Concept of abnormality symptoms and etiology of the main forms of psychoneurotic and psychotic disorders, social pathology and juvenile delinquency—causes and prevention; Main forms of therapeutic techniques.

21. Law I.—(Code-42)

1. Jurisprudence; Concept of Law, Kinds of Law; Positive law; Administration of justice; Sources of law; Elements of law including legal rights and duties; Liability Ownership, possession; Legal personality; Property.
2. Constitutional Law, Constitutional Law of India including Administrative Law; basic principles of the English Constitution.
3. Law of Torts including State liability for Torts.
4. Law of Crimes (India Penal Code).
5. Law of evidence : Relevancy and presumptions, Kinds of Evidence—oral and documentary evidence primary and secondary evidence; Burden of proof; Estoppel; judicial notice.

22. Law II.—(Code-43)

1. General Principles of the Law of Contract (See I to 75 of the Indian Contract Act).
2. Law of Indemnity, Guarantee, Bailment, Pledge and Agency, with special reference to the Indian Contract Act.
3. Law of Sale of Goods, Law of Partnership and Negotiable Instruments and Banking (General Principles), with special reference to the Indian Law.
4. Company Law

23. Law III.—(Code-44)

Nature and Sources of International Law. History of International Law. The School of International Law. International Law and Municipal Law.

States as persons of International Law. Acquisition and loss of international personality. State recognition. State succession.

Rights and duties of States. Principle of equality. Jurisdiction of States.

Treaties.

Agents of International intercourse. Privileges and immunities of diplomatic agents. The individual and International Law. Alien, Nationality. Naturalisation. Statelessness. Extradition. War Criminals.

Modes of settlement of International dispute.

War: Declaration, effects.

Laws of land, sea and aerial warfare.

War in self-defence. Collective security. Regional pacts. Outlawry of war. Laws of belligerent occupation. Belligerency and insurgency.

Methods of warfare. Prisoners of war. Right of visit and search. Prize courts.

Blockade and contraband.

Neutrality and neutralisation. Rights and duties of neutral states in war. Unneutral service. Neutrality under the Charter of the U.N.

The Charter of the U.N and covenant of the Leagues of Nations. Principal organ of the United Nations. Specialised International Organisation.

Candidates will be expected to show familiarity with cases including the pronouncements of the International Court of Justice.

24. Applied Mechanics.—(Code-45)

BUILDINGS

Considerations of materials used in the construction of roof-trusses. Steel and Timber. Determination of stresses in trusses by various methods. Dead loads and wind pressure. Factors of safety and working stresses.

Designs of roof-trusses. Various types of roof-trusses and roof-coverings; collar beam and hammer beam trusses.

Use of Euler's, Gordon's, Rankin's, Fidler's, Johnsons and straight line formulae in the design of struts, Bucklings factor of struts; curves showing comparative strength of struts obtained by various formulae. Choice of size of Sections. Finish of Steel work. Joints. Designs of endbearings; methods of fixing and supporting ends.

Application of circles and ellipse of stress and Clayepron's theorem to design of structures.

Cast Iron and Steel Columns.—Flange and web connections to steel columns, caps, bases; transverse bracing of columns.

Foundations.—Safe pressures; foundations for columns. Slab foundations, cantilever foundations; grillage foundations. Wells. Piles.

Retaining Walls and Earth Pressures.—Rankine's theory, Wedge theory. Winkler's and Blight's graphical constructions, with corrections. Design of various types of retaining walls in masonry.

Tall Masonry and Steel Chimneys.—Theory and design.

Design of Steel and Masonry Reservoirs; with considerations of wind-pressure.

Deflection of framed structures and determination of stresses etc. in redundant frames.

Influence diagrams for bending moment and shear for uniformly distributed and irregular loads on trusses, built-in beams and three pinned parabolic, semi-elliptic and semi-circular arches.

General principles of dome design.

Principles of Building Design; consideration of loads on buildings; Steel-work girders, etc., for buildings.

BRIDGES

Design of superstructure. Determination by graphical and analytical methods of bending moment due to moving loads and pressures.

Design of masonry bridges and culverts.

Plate-web girders. Analysis of stresses.

Warren and lattice girders.

Three pinned arches; doubly pinned and rigid arches.

General considerations on the design of suspension cantilevers and tubular bridges.

Steel arched bridges.

Swing bridges.

REINFORCED CONCRETE

Shear, bond and diagonal tension, its nature evaluation and location of reinforcement.

Design of simple and doubly reinforced beams and continuous beams.

Theory and design of reinforced concrete column, and piles.

Design of slab foundations.

Design of simple cantilever and counterfort retaining walls.

Equivalent moments of inertia for reinforced concrete sections.

Theory of elastic deflections and outline of investigation of stresses in reinforced concrete arches.

GENERAL

Analysis of stress analysis of strain elastic limit and ultimate strength. Relation between the elastic constants. Launhardt-Weyrauch formula for working stresses in a structural member and determination of its cross sectional area. Repetition of stresses. Bending moment and shearing force diagrams for dead loads. Graphical determination of stresses in frames; effect of wind pressure method of sections. Stress in the cross-section of a beam due to bending (M/I — E).

F-Y-E/R), compound and conjugated stresses Rankine's theory of earth-pressure, depth of foundations strength of footings. Grillage foundations Coulomb's theory of earth pressure, modification due to Rebahn.

Bending moment and shearing force diagrams for live loads Analysis of uniform and uniformly varying stress Elastic theory of bending of beams, bending and shear stresses in beams Modulus of section and equivalent areas Maximum and minimum stresses in a joint due to eccentric loading Stresses in dams and chimneys Stability of block work structures Design of reverted joints and stresses in boiler shells Euler's theory concerning struts, modifications due to Rankine, Gordon and others Torsion Combined torsion and bending deflections Encastre beams Continuous beams and theorem of three moments Elastic theory of arches Masonry arches

25 Sociology (Code 46)

Nature, scope and antecedents of sociology—Relation between sociology and other social sciences

Race and society—Geographical environment and society—Population and society—Culture, the concept its importance and its relation to society and personality.

Basic concepts in sociology Groups—primary secondary and reference groups—Role—Social structure—Social function—Social organisation—Norms and values—socialization—Social control—Social sanctions

Basic social institutions, Family and kinship—The joint family—Economic, political religious and legal institutions

Social stratification, Castes estate and class—Social processes—Cooperation and conflict

Types of societies Primitive and civilized—Simple and complex—Traditional and modern

Social change Theories of social change—Planned social change—Social evolution

Rural and Urban communities—Urbanization

NOTE—The candidates will be expected to illustrate theory with facts, and to analyse problems with the help of theory They will be expected to be particularly conversant with Indian Problems

PART C

[Vide Sub Section (c) of Section II of Appendix III]

1 (a) Higher Pure Mathematics (Code 50)

The subjects included will be (1) Modern Algebra and Topology, (2) Analysis of functions of real variables, (3) Functions of a complex variable (4) Geometry and (5) Differential Equations

(1) *Modern Algebra* Groups Sub groups Normal Sub groups Factor groups Homomorphism and isomorphism Theorems on isomorphism Permutation groups Groups of transformation Groups of automorphism inner automorphism Normaliser, Centre and Commutator Theorems of Cayley and Sylow Decomposition theorem for finitely generated abelian groups Invariants, Normal series Composition series Jordan Holder theorem Ring integral domains Division ring Fields Ideals Prime, primary and maximal ideals, sums and products of ideals Quotient ring Isomorphism theorems for rings The field of quotients of an integral domain Euclidean domains Principal ideal domains Unique factorisation domains Rings of polynomials over a commutative ring Polynomials with coefficients from a unique factorisation domain Neotherian ring,

Vector spaces Basis of a vector space Dimension Orthogonality Scalar product Orthonormal basis

Field extension Splitting fields Separable and inseparable extension Galois theory of finite extensions Application to solution of equations by radicals Finite fields

Topological space maps and neighbourhoods Open sets base for a topological space Subspaces quotient spaces Different ways of defining a topology and strength of topologies Metric spaces Euclidean spaces and other

examples of metric spaces Connectively Cartesian product of two topological spaces local connectivity Pathwise connectivity Compact spaces Product of compact spaces Locally compact spaces Separation axioms, Hausdorff, normal and regular spaces

(2) *Analysis of functions of real variables* Dedekind's theory of real numbers Bounds and limits Sequences, Continuity, and uniform continuity Differentiability Implicit functions Maxima and minima of functions Riemann integration Mean value theorems Improper integrals Line, surface and multiple integrals Green's and Stokes theorems

Uniform convergence of series and properties of uniformly convergent series Convergence of infinite products Orthonormality and completeness of set of functions Fourier series and Fourier theorem Weierstrass approximation theorem Lebesgue measure Measurable functions and Lebesgue integral of bounded functions

(3) *Functions of a complex variable*—Representation of complex numbers on Gauss plane and on Riemann's sphere Burau's transformations Analytic function, Cauchy's theorem and its converse Cauchy's integral formula Taylor's and Laurent's series Liouville's theorem Singularities Zeros Theory of Residues, and its application to evaluation of integrals Fundamental theorem of algebra and roots of algebraic equations Conformal representation Analytic continuation Mittag-Leffler's theorem Weierstrass' factorisation Theorem The maximum modulus principle Hadamard's three circle theorem

(4) *Geometry* Plane sections and generating lines of quadrics The quadric surface and its analysis Confocal quadrics Elementary theory of pencils of quadrics Curves in space Curvature and torsion Frenet's formulae Envelopes Developable surfaces Developable associated with a curve Ruled surfaces Curvature of surfaces Lines of curvature Conjugate lines Asymptotic lines Geodesics

(5) Differential Equations —(Code 51)

Ordinary differential Equations Picard's existence theorem Initial and Boundary conditions Linear differential equations with variable coefficients Integration in series Bessel and Legendre function Total and simultaneous differential equation

Partial Differential Equations Formation of partial differential equations Types of integrals of partial differential equations Partial differential equations of first order Charpit's method Partial differential equations with constant coefficients Monge's methods Classification of partial differential equations of second order Laplace Equation and its boundary value problems Solution of wave equation and equation of heat conduction

1 (b) Higher Applied Mathematics

The subjects included will be (1) Dynamics (2) Hydrodynamics (3) Heat (4) Electricity and Magnetism, (5) Special theory of Relativity

(1) *Dynamics* Particle Dynamics Motion in three dimensions Rigid body motion Motion in two dimensions Momentum and Energy Motion in one dimension along the moving earth Foucault's pendulum Generalized coordinates Holonomic and non-holonomic systems Lagrangian's equations of motion for holonomic systems Hamilton's equations of motion for non-holonomic systems Motion of a rigid body Hamilton's principle The Euler-Bernoulli's law of canonical equations and their inverse Canonical transformations.

(2) Hydrodynamics

General laws of continuity momentum and energy

Flow in pipes Two dimensional flow on Streamlining Surface resistance Method of images and its application Motion of a circular sphere in a fluid Vortex motion Wave motion

Boundary Flow Theory Stress and Strain analysis Navier-Stokes Equations vorticity Dissipation of energy Flow between parallel plates Flow through pipe Slow streaming motion around sphere Boundary layer concept Boundary layer flow in two dimensional flow boundary layer along a plate Similarity solutions Momentum and energy integrals of the boundary layer

(3) *Elasticity*: Cartesian tensors. Stress and strain analysis. Work and energy. Saint Venant's principle. Bending of beams and plates. Torsion.

(4) *Electricity and Magnetism*: Electrostatics. Conductors and condensers. System of conductors. Dielectrics. Method of images and its application. Flow of electric currents in networks. Magnetism + electromagnetism induction. Alternating currents. Maxwell's equations. Oscillatory circuits.

(5) *Special Theory of Relativity*: Galilean principle. Michelson-Morley experiment. The principles of theory of relativity. Lorentz transformation and its consequences. Lorentz invariance of Maxwell's equations. Electrodynamics of a Vacuum. Matter and energy.

2. Higher Physics : (Code-52)

General Properties of Matter and Sound: Mechanics of deformable bodies. Helical spring. Capillary phenomena. Viscosity. Acoustical measurements. Ultrasonics.

Heat and Thermodynamics: Brownian motion. Kinetic theory of gases. Transport phenomena in gases at low pressures. Thermodynamic functions and their applications. Specific heat of solids and gases. Production and measurement of low temperature. Radiation of Planck's law of energy distribution.

Optics : Theory of co-axial symmetrical optical systems. Experimental spectroscopy. Electro-magnetic theory. Scattering of light. Raman effect. Diffraction. Polarisation.

Electricity and Magnetism : Gauss's theorem. Electrometers. Magnetic hysteresis. Theory of permanent magnets. Measurement of electrical quantities. Alternating current theory. Cyclotron and other methods for production of high voltages. Transmission and reception of wireless waves. Television.

Modern Physics : Special theory of relativity. Dual nature of light and matter. Schrödinger's equation and its solution in simple cases. Hydrogen and helium spectra. Zeeman & Stark effects. Pauli's principle and periodic classification of elements. X rays and X-ray spectroscopy. Compton effect. Conduction in metals. Supraconductivity. Thermionics. Thermal ionization. Properties of atomic nuclei. Mass spectroscopy. Elementary particles and their properties. Nuclear reactions. Cosmic rays. Nuclear fission and fusion.

3. Higher Chemistry : (Code-53)

Inorganic Chemistry :—The structure of the atom. Radioactivity, natural and artificial. Fission and fusion of nuclei. Isotopes. Radioactive indicators. Radioactive series. Transuranic elements.

Chemistry of the elements and their principal compounds, with special reference to Be, W, Ti, V, Mo, Hf, Zr and rare earth elements.

Co-ordination compounds. Interstitial and non-stoichiometric compounds. Free radicals. Advanced Physicochemical methods of analysis.

Organic Chemistry :—Theory of organic chemistry, including resonance and hydrogen bond formation. Mechanism of important organic reactions. Stereochemistry, including conformation.

Chemistry of different classes of organic compounds with special reference to the following : Polysaccharides, terpenes, natural colouring matters, alkaloids, vitamins, important hormones, anti-tuberculars, chlorine insecticides, principal antibiotics, and synthetic polymers.

Physical Chemistry :—The kinetic molecular theory. The three laws of thermodynamics and their application to physical chemistry. Basic Physical-chemical properties in relation to and elucidating molecular structure. Quantum theory and its application to chemistry.

The mechanism and kinetics of chemical and photochemical reactions. Catalysis. Adsorption. Surface chemistry. Colloids. Electrochemistry.

4. Higher Botany : (Code-54)

Plant kingdom :—A general knowledge of the main groups of the vegetable kingdom both living and extinct (*viz.* Algae,

Fungi, Bryophyta, Pteridophyta, Gymnosperms and Angiosperms), with special reference to the Indian flora.

Systematic botany.—Principles of classification and a general knowledge of the more important families of angiosperms.

Anatomy.—Origin, nature and development of plant tissues and their distribution from the ecological and physiological points of view.

Plant pathology.—An advanced knowledge of the important diseases of plants caused by bacteria, fungi, viruses and physiological diseases. Methods of control.

Physiology.—An advanced knowledge of the important physiological processes in plants including plant biochemistry.

Ecology.—Principal types of vegetation of India, their distribution and the importance of eco-physiological studies. Principles of plant geography.

Economic botany.—A study of the important economic plants of tropical and sub-tropical areas, with special reference to India.

General Biology.—Knowledge of the fundamentals of and recent developments in variation, heredity, evolution, cytology, genetics and principles of plant breeding.

5. Higher Zoology (Code-55)

The classification, bionomics, morphology, life-history and relationship of non-chordates and chordates, with special reference to Indian fauna.

Functional morphology (form, structure and function) of the organ systems. Outlines of vertebrate embryology.

The Classification, ontogeny, phylogeny adaptive divergence and convergence of animals, animal ecology, migration and colouration.

Evolution : evidences, theories, and their modern interpretations. Adaptation; distribution of animals in space.

Recent advances in the knowledge of the cell cytology, genetics, sex determination and endocrinology.

Modern concept of the environment as a complex of physical chemical and biological factors, and of the organisms as individuals, population and communities.

An essay relating to any of the following topics : Protozoa and disease; Insect and man; Parasitology; Fresh-water and marine biology; Limnology and fishery biology; Contribution of great biologists to knowledge and civilization.

6. Higher Geology : (Code-56)

General Geology.—History and development of the Science of Geology, its different branches and contacts with other sciences. Origin, evolution, structure, constitution, interior and age of the Earth. Geomorphology; Radioactivity and its applications to Geology; Seismology; Volcanology; Geotectonics; Isostacy. Evolution of continent and ocean basins. Geological action of surface and subterranean agencies. Continental drift.

Structural and Field Geology.—Diastrophism; Rock deformation; Origin of mountains; Structures in relation to topography and mining. Tectonic history of India. Methods of Geological Surveying and Mapping.

Stratigraphy and Palaeontology.—Principles of Stratigraphy and correlation. Detailed study of Indian Stratigraphy and outline of World Stratigraphy. Distribution of land, sea, fresh-water and floras in different periods. Theories of organic evolution. Fossils—their importance, Index fossils and correlation. Detailed study and geological history of the invertebrate fossils and the principal groups of vertebrate and plant fossils with special reference to India.

Crystallography and Mineralogy.—Crystal Morphology; Laws of crystallography; crystal systems and classes; Haloes, twinning. Crystal metric and X-ray study of crystals. Atomic structure. Detailed study of rock-forming minerals and of economic minerals with special reference to their occurrence in India.

Petrology—Origin and evolution, structure, mineral constituents, texture and classification of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Petrogenesis including metamorphism. Petrochemistry. Study of meteorites. Important Indian rock-types.

Economic Geology.—Ore genesis; classification of economic minerals and contours of ore localization. Geology of economic mineral deposits with particular reference to India. Location of mineral industries. Evaluation of properties; Mineral economics; conservation and utilisation of minerals. National mineral policy. Strategic minerals. Geological, geophysical and geochemical prospecting techniques and their applications. Principal methods of mining, sampling, ore dressing and ore beneficiation. Soils and ground water. Application of Geology to common engineering problems.

7. **Higher Geography** (Code-57).—The paper will consist of two parts :—

The first part will comprise an advanced study of Physical Human and Economic Geography with special reference to India.

The second part will comprise advanced study of the following special subjects, and a candidate will be expected to have knowledge of at least two of these subjects :

Geomorphology. Climatology (including modern methods of weather forecasting and analysis). Cartography (including solution of right-angled spherical triangles, use of Theodolite, advance projections like the oblique zenithal nets, etc.). Historical geography. Political geography. History of geographical thought and discoveries.

8. **English Literature (1798—1935)** (Code-58)—The paper will cover the study of English Literature from 1798 to 1935, with special reference to the works of Wordsworth; Coleridge, Shelley, Keats, Lamb, Jane Austen, Carlyle, Ruskin, Thackeray, Robert Browning, George Eliot, G. M. Hopkins, Shaw, W. B. Yeats, Galsworthy, J. M. Synge, E. M. Forster and T. S. Eliot.

Evidence of first hand reading will be required. The paper will be designed to test not only the knowledge but also critical evaluation of the main literary trends during the period. Questions having a bearing on the social and cultural background of the period may be included.

9. (a) **Indian History I (From Chandra Gupta Maurya to Harsha)** (Code-59)—

The Mauryas. The rise and consolidation of the empire. Administration and economy. Decline of the empire.

The eclipse of Magadha. The Shuhars and the Kanvas.

The Cholas, Cheras and Pandyas

Contacts with the West, North India—the Indo-Greeks, South India—Roman trade.

Central Asia and India. The Shakas. The Kushanas. The Satavahans.

Indian contacts with Asian countries—The spread of Buddhism.

The Imperial Guptas—The Creation of Classical Indian Culture. Further Indian contacts overseas. The decline of the Guptas. The Hunas.

Changing economic patterns in north India and their impact on politics.

The rise of the Vakatakas and the Chalukyas.

The emergence of the Pallavas.

Emperor Arshvardhana.

9. (b). **Indian History II [The Great Mughals (1526)—1707]** (Code-160)—

Political History

Establishment of the Mughal Empire in India; its consolidation and expansion. The Sur interregnum. Mughal Empire at its zenith. Akbar, Jahangir and Shahjehan. Mughal relations with Persia and Central Asia. The development of administrative system. Europeans at the Mughal Court; early Portuguese, French and English settlements. The beginning of the decline of Aurangzeb, his wars and policies.

Cultural, Religious, Economic and Social Life.

Cultural life and promotion of art, architecture and literature.

Religious movements: Bhakti Movement, Sufism, Din-i-Ilahi. Religious policy of the Mughal Emperors.

Economic life: Agrarian life. Systems of land tenure. Industry. Trade and Commerce. Exports, imports. Means of transport. Wealth of India.

Social life: Court life; Urban life; Rural life. Dress, manners, customs, food and drink; amusements, recreation, and festivals. Position of women.

9(c). **Indian History III (From 1772 to 1950)** (Code-61)—

Consolidation of British power in Bengal and South India. Expansion of British power in India. The East India Company and the British state. Evolution of the Civil Service. Judicial system, the police, and the army. Development of new land revenue system and agrarian relations. British Commercial policy. Economic impact of British rule in India. The revolt of 1857. Relations with Indian States. Foreign policy, and relations with Burma and Afghanistan. Development of modern industry, and means of communication. Development of modern education. Growth of the Press.

Indian Re-awakening: Raja Rammohan Roy. Brahmo-Samaj and Vidyasagar. Arya Samaj, the Theosophists; Ramakrishna and Vivekananda; Syed Ahmed Khan. Social Reform. Development of modern Indian literature. The rise of Indian National Movement. The Indian National Congress (1885—1905). Dadabhai Naoroji, Ranade and Gokhale. Growth of militant nationalism, anti-partition agitation. Swadeshi and Boycott. Tilak and Aurobindo Ghosh, the Home Rule League and the Lucknow Pact.

Constitutional Development: Acts of 1861 & 1892; Minto-Morley Reforms; the Montford Reforms, the 1935 Act.

Emergence of Mahatma Gandhi and the struggle for freedom. Transfer of Power: The Cripps Mission; the Cabinet Mission. Independence Act and Partition. The Constitution of 1950. Independent India: Foreign Policy. Non-alignment; Secularism; and Planning.

9. (d). **British Constitutional History (From 1603 to 1950)** (Code-62)—

Crown versus Parliament

Relations between James I and Parliament. Petition of Rights. Charles I and the issue of prerogative *versus* common Law. Civil war.

The Constitution makers—

Government by Long Parliament. The Little Parliament. The Protectorate. The Restoration. The Glorious Revolution. The Bill of Rights.

The Crown, the Executive and Parliament—

The King and his Ministers. Influence of the Crown. The Cabinet and Parliament. The Monarchical Crisis of 1936.

The Reform of Parliament.—

Reforms Acts and the House of Commons. The House of Commons and the House of Lords. The Reforms of the House of Lords.

The Commonwealth.—

Origin and growth of the Commonwealth. The Statute of Westminster. The Machinery of Commonwealth Co-operation. The position of the Crown in the Commonwealth.

9(c). **European History (1871—1945)** (Code-63)

The Industrial Development of Europe—Growth of nationalism, and democratic and socialist movement.

The German Empire; the Third French Republic; the Habsburg Monarchy. Imperial Russia.

The policy of alignment and ententes.

The Eastern Question.

The rise of imperialism and European imperial interests in the Near East, the Middle East, Africa and the Far East.

The origin and consequences of the First World War.

The Russian Revolution and its consequence.

The Versailles settlement; the League of Nations; efforts at World Disarmament; the search for security; rise of Fascism and Nazism and their international implications.

The Second World War.

10(a). *Advanced Economics* (Code-64).

Functions of economic analysis.

The theory of price. The theory of consumption and demand. Organization of production. Theory of the firm and industry. Imperfect competition. Theory of monopoly. Control of monopoly.

The theory of distribution. Rent. The theory of capital. The theory of money and interest. Savings and investments. Banking and credit regulation. The theory of wages and employment. Collective bargaining and industrial peace.

National income. Economic progress and distributive justice.

The theory of international trade. Foreign exchanges. Balance of payments.

Business cycles and their control. Economic role of Government. Economic welfare. Public utilities, pricing and regulation.

Theory of taxation. Incidence of taxation. Effects of Government taxation and expenditure. Deficit financing and inflation.

Planning for economic development.

10(b). *Advanced Indian Economics* (Code-65)

Economic developments during the War and Post-War period. Natural resources. Social institutions. Agricultural Production and Finance. Pricing and distribution of foodgrains and other agricultural products. Land reform. Price of cottage and small scale industries in developing economy. Growth of modern organized industry. Regulation of public companies. Industrial relations and problems of labour. Mixed economy. Scope and efficiency of the public sector. Indian monetary and credit system. Role of the Reserve Bank. Population problems and population policy. Unemployment and under-employment. Computation of Indian national income. Regulation of foreign trade. Balance of payments. Indian taxation system. Federal finance. Planning for economic development. Size and structure of successive plans. Problems of resources and of implementation.

11(a). *Political Theory from Hobbes to the present day* (Code-66)

Theories of Contract and Natural Rights—Hobbes, Locke and Rousseau. Development of the idea of Sovereignty. The Historians—Vico, Montesquieu and Burke. The Utilitarians. The Evolutionists. The Idealists—Kant, Hegel, Green, Bradley and Bosanquet. Conservatism and Liberalism. Marxism and Schools of Socialism and Communism. Pluralism. Fascism. The Impact of Psychology. Trends of twentieth century thought in the East.

11(b). *Political Organisation and Public Administration* (Code-67).

Political Institutions. The rise of Modern National States. Parliamentary and Presidential forms of Government. Unitary and Federal Governments. The Legislature. The Executive and the Judiciary. Methods of Representation. The Communitistic and Totalitarian forms of Government.

Public Administration. Public Administration in the Modern State. The formulation of policy and higher control—the Legislature and the Executive. Organisation. Management. Methods and Tools. Regulatory Commissions and Public Corporations. Personnel Administration—The Civil Service and its Problems. The Budget and Financial Administration. Administrative Powers. Control by the Courts. The Public Services and the Public.

11(c). *International Relations*—(Code-68).

Part I

Foundations and limitations of national power.

The place of power, ideology and ethics in International Relations.

The role of International Law in International Relations.

The role of national interest in the formulation of foreign policy.

The theory of Balance of Power.

The nature and functions of International Organisation.

The United Nations: purposes, structure and functioning.

Part II

The origins of the First World War and the nature of the peace Settlement.

The League of Nations and the efforts for the establishment of a collective security system in the inter-war years.

The origin of the Second World War.

The Nuclear age and its impact on traditional international Relations.

The Cold War and its effect on World Politics.

The Birth of New Nations and the changes in the pattern of International Relations.

The Foreign Policies of the United States, the U.S.S.R., China India and one of the following:

Breat Britain, Japan, Germany and France.

12(a). *Advanced Metaphysics Including Epistemology*—(Code-69)

Candidates will be expected to be familiar with the views of prominent philosophers from Kant to the present day e.g. Kant, Hegel, Bradley, Royce, Croce, Moore, Russel, James, Schiller, Dreyer, Bergson, Alexander Whitehead, Wittgenstein, Ayer, Heidegger and Marcel.

Questions may be set on any of the following topics.

The sources, materials, varieties, limits criteria and sociology of knowledge.

Truth, falsehood error.

Theories of reality. Reality, subsistence and existence. Monism, dualism and pluralism. Naturalism, agnosticism, theism, absolutism and mysticism. Post-Hegelian idealism. New realism. Radical empiricism. Pragmatism.

Instrumentalism. Humanism—naturalistic and religious.

Logical positivism. Existentialism—atheistic and theistic. Recent trends of the philosophy of science in regard to the problems of induction, laws of nature, relativity, indeterminacy and God.

12(b). *Advanced Psychology including Experimental Psychology*—(Code-70)

Subject-matter scope and methods of psychology; its relation with other sciences.

Heredity and environment controversy—Experimental studies on the relative influence of the two on human development.

Problem of motivation and emotion. Frustration and conflict; types of conflict defence mechanisms—Studies in expressive movements; P.G.R., lie detection.

Sensation and Perception—Psychophysical methods; space perception, factors of perceptual organization; role of dynamic personality and social factors; inter-personal perception. Experimental methods in the study of learning, memory, forgetting and thinking—Theories of learning and forgetting; theories of sign-process—nature of meaning.

Psychology of personality—determinants, traits, types, dimensions, and theories; assessment of personality—behavioral measures of personality—rating scales, nominating techniques, questionnaires and inventories, attitude scales, projective tests.

Individual differences: nature and measurement of intelligence and aptitudes. Test construction—Item analysis. Test scales and norms—Reliability and validity of measures—Factor analysis—Theories.

Schools and systems of psychology—Traditional Schools and the main contemporary systems of psychology; Freudians, neo-Freudians, neo-Behaviourists, Gestalt and field theories.

13(a). Constitutional Law of India.—(Code-71)

Historical Background: The growth of the Indian Constitution with special reference to the development of representative and responsible Government from the Indian Councils Act of 1861 down to the Indian Constitution of 1950.

General Features: Welfare State Ideal: Preamble to the Indian Constitution and Directive Principles of State Policy; Concepts of Unitary and Federal Government, Cabinet System, Due Process of Law, Judicial Review, Constitutional Conventions; Comparison of the Salient Features of the Indian Constitution with those of the U.K. and the U.S.A. Canada and Australia.

Division of Powers: Theory of separation of powers.

The Legislature: Legislative procedure; Privileges of Legislature; Delegation of legislative power.

The Executive: Presidential and Parliamentary Executives; Provisions relating to Services and Public Service Commissions; The doctrine of Rule of Law.

The Judiciary: Judicial control of administrative and quasi-Judiciary authorities; Scope of Writ Jurisdiction; Independence of the Judiciary.

Distribution of Legislative Powers: Principles of distribution of powers with special reference to Treaty Power; Commerce Power, Taxing Power, Constituent (Constituting-Amending) Power and Radical Power, Judicial doctrines relating to distribution of powers.

Fundamental Rights. Nature and scope of the various fundamental rights guaranteed under the Constitution.

Note.—Candidates will be expected to be conversant with the text of the Indian Constitution amendments thereto, and leading decisions of the Supreme Court.

13(b). Jurisprudence.—(Code-72)

Jurisprudence: Definition and scope; various Schools of Jurisprudence; Concepts doctrine regarding Sovereignty.

Law: Law and Morals; Evolution of Law, Law of Nature, Law of State; Imperative theory of Law; Pure theory of Law, Sociological theory of Law; Kinds of Law; Civil Law; Criminal Law; Substantive Law and Adjective Law; Private Law and Public Law, International Law; Law and Justice; Law and Equity; Justice according to Law; Administration of Justice.

Sources of Law: Customs, Judicial Precedent Legislation; Codification.

Elements of Law; Analysis and classification of jurisdictional concepts; Personality Right, Duty, Liberty, Power, Immunity, Disability, Status, Possession, Ownership; Lease, Trust, Easement, Security, Wrong, Liability, Obligation, Act, Intention, Motive, Negligence, Title, Prescription, Inheritance and Wills.

Evolution of Legal Concepts; Evolution of Contract, Tort, Crime, Property, and Wills Current trends in Juristic thought.

14(a) Medieval Civilisation as Reflected in Persian Literature (570 A.D.—1650 A.D.)—(Code-73)

The paper will test the candidate's knowledge of geography, history and social, political and religious evolution and developments.

14(b). Medieval Civilisation as Reflected in Persian Literature (570 A.D.—1650 A.D.)—(Code-74)

The paper will test the candidate's knowledge of geography, history and social, political and religious evolution and developments.

14(c). Ancient Indian Civilisation and Philosophy.—(Code-75)

The history of the Civilisation, Philosophy and Thought of Indian from 2000 B.C. to 1200 A.D.

Note.—The paper will test the knowledge of geography, history and social, political and religious evolution and developments. Question may be set which require an acquaintance with archaeological discoveries.

15. Anthropology : (Code-76)

(A) Physical Anthropology.—Definition and scope. The relation of Physical Anthropology to other sciences. The evolution of Man, his exact place among the Primitive Group—his relationship to Prehuman and Protohuman forms from *Parapithecus* to *Australiothecus*. Early types of Man—Palaeanthropic man—*Pithecanthropus*, *Synanthropus* and Neanderthal. Neanthropic man—*Cro Magnon*, *Grimaldi* and *Chancelade*—*Homo Sapiens*.

Racial differentiation of Man and bases of racial classification—Morphological, serological and genetic. Role of heredity and environment in the formation of Races. Principles of human genetics—Mendelian laws as applicable to Man.

Human Biology.—The effects of nutrition, inbreeding and hybridisation.

History of distribution of Man in India from the lithic ages to the Indus Valley civilisation and Megalithic cultures of Central and Southern India. Racial types and their distribution in India.

(B) Social (Cultural) Anthropology.—Scope and functions. Relation with Sociology, Social Psychology and Archaeology. Different schools of Cultural Anthropology—Evolutionary Historical, Functional and Kultu Kreis. The structure and development of Human Society.

Economic Organisation.—Early stage of hunting and food gathering, domestication of animals, agriculture, shifting cultivation, terracing, intensive cultivation, implements used.

Political Organization.—Clan, tribe, and dual organization, tribal council, function of headman or chief.

Social Organization.—Marriage and kinship forms, matriarchy, patriarchy, polygyny. Polyandry, exogamy and endogamy. Position of women, inheritance and divorce.

Primitive religion.—Totemism, Taboo, magical and fertility rites, head hunting and human sacrifice.

Art, Music, Folk dance and sports.

Group relationship, adjudication of disputes, concept of Justice and punishment.

Intelligence level, special aptitudes and abilities, emotional needs underlying primitive behaviour and ethnocentrism.

Structure of personality and development of personality and its role in primitive society.

Acculturation and the effects of contact on primitive tribes. Depopulation and its causes. Economic and psychological frustration. Decline of primitive tribes in America, Africa and Oceania. Depopulation among Indian tribes and remedial measures.

(C) Intensive study of any one of the ethnic divisions of tribal India:

1. The tribes of the N.E.P.A. or North Eastern Frontiers of India.
2. The tribes of the Naga Hills—Tewansang Area.
3. The autonomous tribes of Assam—the Khasis, the Garos, Mikirs and the Lushais.
4. The Australoid tribes of Orissa, Bihar and Central India.

5 The tribes of Southern India including the tribes of the Nilgiri Hills.

6. The tribes of the Andaman and Nicobar Islands.

NOTE.—Candidates will be required to answer questions on (C) and (A) or (B).

16. Advanced Sociology (Code-77)—

Divergent views regarding the nature, scope and methods of sociology.

Major sociological thinkers: Marx, Weber, Durkheim and their modern interpreters.

Theories of social structure and function—Progress evolution and change—Conflict and integration—Status, role, roleset and role conflict—Social network—Social norms, control sanctions and deviation—Rewards and punishment.

Major social structures and institutions; Family and Kinship.

Economic political, legal and religious institutions—Education Bureaucracy—Social stratification (including caste, class and élites).

Research methods in Sociology; Surveys, questionnaires and interviews—Sampling and scaling techniques—Participant and non-participant observation—Micro and Macro methods—Experimentation in sociology—Small group research methods.

Role of sociologists in social change.

Sociology of India :

Family, kinship and marriage—Caste—Role of caste in politics—Rural and urban communities—Problems of national integration; regionalism, linguism, communalism and nationalism.

Scheduled Castes, Scheduled Tribes and backward classes. The problem of inequalities.

Social aspects of economic development, planning industrialization and urbanization.

Panchayati raj and local politics.

Social movements in modern India; social reform movements, backward classes movement, bhoodan and gramdan and "revivalist" movements—Agrarian and student unrest.

NOTE.—The candidates will be expected to illustrate theory with facts and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems.

PART D

[Vide Sub-Section (B) of Section I of Appendix III]

Personality test.—The candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career. He will be asked questions on matters of general interest. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for the Service or Services for which he has applied by a Board of competent and unbiased observers. The test is intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also social traits and his interest in current affairs. Some of the qualities to be judged are mental alertness, critical powers of assimilation, clear and logical exposition, balance of judgment, variety and depth of interest, ability for social cohesion and leadership, intellectual and moral integrity.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross examination but of a natural, though directed and purposive conversation which is intended to reveal the mental qualities of the candidate.

3. The personality test is not intended to be a test either of the specialised or general knowledge of the candidates which have been already tested through his written papers. Candidates are expected to have taken an intelligent interest not only in their special subjects of academic study but also in the events which are happening around them both within and without their own state or country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

APPENDIX III

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is made through I.A.S. etc. Examination.

1. *Indian Administrative Service.*—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Government of India may determine.

(b) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in the Service or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) An officer belonging to the Indian Administrative Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(e) Scales of pay :—

Junior Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale :

(i) Time Scale : Rs. 1200 (6th year or under)—50—1300—60—1600—EB—60—1000—100—2000.

(ii) Selection Grade Rs. 1800—100—2000—(to be revised to Rs. 2000—125/2—2250).

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 2,500 and Rs. 3,500 to which Indian Administrative Service Officers are eligible for promotion.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time under the All India Services (Dearness Allowance) Rules, 1972.

A probationer will start on the junior time scale and be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(f) *Provident Fund.*—Officers of the Indian Administrative Service are governed by the All India Services (Provident Fund) Rules, 1955.

(g) *Leave.*—Officers of the Indian Administrative Service are governed by the All India Services (Leave) Rules, 1955.

(h) *Medical Attendance.*—Officers of the Indian Administrative Service, are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Services Medical Attendance Rules, 1954.

(i) *Retirement Benefit.*—Officers of the Indian Administrative Service appointed on the basis of Competitive examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958.

2. *Indian Foreign Service.*—(a) Appointment will be made on probation for a period which will not ordinarily exceed 3 years. Successful candidates will be required to pursue a course of training in India for approximately twenty-one months. Thereafter they may be posted as Third Secretaries or Vice-Consuls in Indian Missions whose languages are allotted to them as compulsory languages. During their period of training the probationers will be required to pass one or more departmental examination before they become eligible for confirmation in Service.

(b) On the conclusion of his period of probation to the satisfaction of Government and on his passing the prescribed examinations, the Probationer is confirmed in his appointment. If, however, his work or conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such period as they may think fit or may revert him to his substantive post, if any.

(c) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is not likely to prove suitable for the Foreign Service, Government may either discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

(d) Scales of pay :—

Junior Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale : Rs. 1200 (6th year or under)—50—1300—60—1600—EB—60—1900—100—2000.

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 2,000 and Rs. 3,500 to which I.F.S. Officers are eligible for promotion.

(e) A probationer will receive the following pay during probation :—

First Year—Rs. 700 per mensem.

Second Year—Rs. 740 per mensem.

Third Year—Rs. 780 per mensem.

NOTE 1.—A probationer will be permitted to count the periods spent on probation towards leave, pension or increment in the time-scale.

NOTE 2.—Annual increments during probation will be contingent on the probationer passing the prescribed test, if any, and showing progress to the satisfaction of Government. Increments can also be earned in advance by passing the departmental examinations.

NOTE 3.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

(f) An officer belonging to the Indian Foreign Service will be liable to serve anywhere inside or outside India.

(g) During service abroad I.F.S. officers are granted foreign allowances according to their status to compensate them for the increased cost of living and of servants and also to meet their special responsibilities in regard to entertainment. In addition the following concessions are also admissible to I.F.S. officer during service abroad :—

(i) Free furnished accommodation according to status.

(ii) Medical attendance facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme.

(iii) Return air passage to India up to a maximum of two, for special emergencies such as the death or serious illness of an immediate relation in India or marriage of daughter.

(iv) Annual return air passage for children between the ages of 8 and 21 studying in India to visit the parents during the long vacations, subject to certain conditions.

(v) An allowance for the education of children up to maximum of two children between ages of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time.

(vi) Outfit allowance at the time of departure for training abroad and on confirmation in the service. Outfit allowance is also granted at various stages of an officer's career in accordance with the prescribed rules. Special outfit allowance is admissible in addition to the ordinary outfit allowance to officers posted in countries where abnormally hard climatic conditions exist.

(vii) Home leave passages for officers, their families and servants after a minimum of 2 years service abroad.

(h) The Revised Leave Rules, 1933, as amended from time to time, will apply to Members of the Service subject to certain modifications. For service abroad I.F.S. Officers

are entitled under the I.F.S. (PLCA) Rules, 1961; to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Revised Leave Rules.

(i) *Provident Fund*.—Officers of the Indian Foreign Service are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960.

(j) *Retirement Benefits*.—Officers of the Indian Foreign Service appointed on the basis of competitive examination are governed by the Liberalised Pension Rules, 1950.

(k) While in India officers are entitled to such concession as are admissible to other Government servants of equal and similar status.

3. *Indian Police Service*.—(a) Appointment will be made on probation for a period of two years which may be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as Government may determine.

(b) & (c) As in clauses (b) and (c) for the Indian Administrative Services.

(d) An officer belonging to the Indian Police Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(e) Scales of pay :—

Junior Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

Senior Scale : Rs. 1,200 (6th year or under)—50—1,700.

Selection Grade : Rs. 1,400/- (likely to be revised to Rs. 1,800/-).

Deputy Inspector General of Police : Rs. 2,000—125/2—2,250.

Commissioners of Police, Calcutta and Bombay : Rs. 2,250—125/2—2,500.

Inspector General of Police : Rs. 2,500—125/2—2,750.

Director, Intelligence Bureau : Rs. 3,000/- (likely to be revised to Rs. 3,500/-).

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time under the All India Services (Dearness Allowance) Rules, 1972.

(f)

(g)

(h)

(i)

As in clauses (f), (g), (h) and (i) for the Indian Administrative Service.

4. *Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service Class II*.—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Government may prescribe.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the service. If his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) Scales of pay :—

Grade I (Selection Grade)—Rs. 1,100—50—1,500.

Grade II—Time Scale—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200.

A person recruited on the results of competitive examination shall, on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale, provided that if he held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in the Service shall be regulated under the proviso of Fundamental Rule 22B(1). The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

(e) Officers of the Service are entitled to get dearness allowance at the Central Government rates applicable to employees drawing pay in revised Central scales of pay.

(f) In addition to dearness allowance officers of the Service are entitled to draw compensatory (city) allowance, house rent allowance and allowances to compensate for higher cost of living in hill stations, expensiveness incidental in remote localities etc. if they are posted at places, either for training or on duty, where such allowances are admissible.

(g) Officers of the Service are governed by the Delhi and Andaman and Nicobar Islands Police Service Rules, 1971, and such other regulations as may be made or instructions issued by the Central Government for the purpose of giving effect to those Rules. In regard to matters not specifically covered by the aforesaid Rules or by regulations or orders issued thereunder or by special orders, they are governed by the rules, regulations and orders applicable to corresponding officers serving in connection with the affairs of the Union.

5. Post of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Class II in the Railway Protection Force.

(a) The Railway Protection Force (Superior Officers) consists of the following :

*Scale of pay :

- (i) Deputy Chief Security Officer.—Rs. 1300—60—1600.
- (ii) Assistant Inspector General, Security Officer, Commandant.—Rs. 700—40—1100—30/2—1250.
- (iii) Asstt. Security Officer, Assistant Commandant, Adjutant, Class II.—Rs. 350—25—500—30—390—EB—30—800—EB—30—830—35—900.

*The scales of pay are likely to be revised in the light of the recommendation of the Third Pay Commission.

(b) Appointment will be made on probation for a period of 2 years during which the service will be liable to termination on three months' notice on either side. The period may be extended if the Officer on probation does not qualify for confirmation by passing the prescribed departmental and other tests. The selected candidates will be required to undergo training at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as Government may determine.

(c) The Officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed. If, however, in the opinion of Government, the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or may extend his period of probation for such further period as it may deem fit.

(d) An Officer, so recruited, will be liable to serve anywhere on the Indian Railways.

(e) Officers so recruited shall :

- (i) be governed by the Railway Pension Rules;
- (ii) subscribe to the Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that fund as amended from time to time;
- (iii) be governed by the provisions contained in the R.P.F. Act 1957 and the R.P.F. Rules 1959; and
- (iv) exercise the powers vested in the superior officers of the Force under the said Act and Rules.

(f) If for any reason not beyond his control, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of training and any other money paid to him during the period of his probation.

(g) If in the opinion of Government the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to be efficient, Government may discharge him forthwith.

(h) Class II Officers will be eligible for promotion as Security Officer/Commandant/Assistant Inspector General in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(i) Officers will start their service on the minimum of the time-scale and will count their service for increment from the date of joining.

(j) In all matters not specifically provided herein the Officers will be governed by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and extant orders as amended/issued from time to time.

6. Indian P & T Accounts & Finance Service

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examination. Repeated failure to pass the departmental examinations within the prescribed period will involve loss of appointment.

(b) If, in the opinion of Government the work and conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, the Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) The Indian P&T Accounts & Finance Service carries with it a definite liability for service in any part of India.

Indian P & T Accounts & Finance Service

Scales of pay :-

- (i) Junior Time Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
- (ii) Senior Time Scale—Rs. 1100—50—1600.
- (iii) Junior Administrative Grade—Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (iv) Senior Administrative Grade (Level II)—Rs. 2250—125/2—2500.
- (v) Senior Administrative Grade (Level I)—Rs. 2500—125/2—2750.

2. The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post, in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however, be regulated subject to the provisions of F.R. 22B(1).

7. Indian Audit and Accounts Service.

8. Indian Customs and Central Excise Service.

9. Indian Defence Accounts Service.

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years, provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failure to pass the departmental examinations within a period of three years will involve loss of appointment.

(b) If in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General, as the case may be, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation Government or the Comptroller and Auditor General as the case may be, may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General as the case may be, been

unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) In view of the possibility of the separation of Audit from Accounts and other reforms the constitution of the Indian Audit and Accounts Service is liable to undergo changes and any candidate selected for that Service will have no claim for compensation in consequence of any such changes and will be liable to serve either in the separated Accounts Offices under the Central or State Government or in the Statutory Audit Offices under the Comptroller and Auditor General and to be absorbed finally if the exigencies of service require it in the cadre on which posts in the separated Accounts Offices under the Central or State Government may be borne.

(e) The Indian Defence Accounts Service carries with it a definite liability for service in any part of India as well as for field Service in or out of India.

(f) Scales of Pay :—

Indian Audit and Accounts Service

1. Junior Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

2. Senior Scale—Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.

3. Junior Administrative Grade—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

4. Accountants General :

(i) Rs. 2250—125/2—2500 (50% posts).

(ii) Rs. 2500—125/2—2750 (50% posts)

5. Additional Deputy Comptroller and Auditor General—Rs. 2500—125/2—2750.

6. Deputy Comptroller & Auditor General of India—Rs. 3000—100—3500.

NOTE 1.—Probationary Officers will start on the minimum of the time scale of I.A. & A.S. and will count their service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—The Officers on probation will not be allowed the pay above the stage of Rs. 700 unless they pass the departmental examination in accordance with the rules which will be prescribed from time to time.

NOTE 3.—In the case of probationers who do not pass the end-of-the-Course-Test at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, the first increment raising their pay to Rs. 740 would be granted in accordance with such instructions as Government of India may issue. The failed candidates will not be required to take the test again.

NOTE 4.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post, in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will however, be regulated subject to the provisions of F.R. 22(B)(1).

Indian Customs and Central Excise Service

Supdt. of Central Excise Class I	Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
Assistant Collector of Central Excise and/or Customs (junior scale).	Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.
Assistant Collector of Central Excise and/or Customs (Senior scale).	Rs. 1500—60—1800—100—2000.
Deputy Collector of Customs and/or Central Excise	(i) Rs. 2250—125/2—2500. (50% of the posts).
Addl. Collector of Customs and/or Central Excise	(ii) Rs. 2500—125/2—2750. (50% of the posts).
Appellate Collector of Customs and/or Central Excise.	
Collector of Customs and/or Central Excise.	
Director of Inspection	
Narcotics Commissioner.	
Director of Training Director, Statistics & Intelligence	

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by

passing the prescribed departmental examinations. Repeated failures to pass the departmental examinations within a period of two years will involve loss of appointment.

(b) If, in the opinion of the Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his/her period of probation, Government may confirm the officer in his/her appointment or if his/her work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him/her from the service or may extend his/her period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) The Indian Customs and Central Excise Service, Class I carries with it a definite liability for service in any part of India.

NOTE 1.—A probationary officer will start on the minimum of the time scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300 and will count his/her service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Indian Customs and Central Excise Service, class I will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

NOTE 3.—During the period of probation, an officer will undergo departmental training at the Directorate of Training (Customs and Central Excise), New Delhi and also a foundational course training at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie. At the end of the training at Mussoorie he/she will have to pass the 'End-of-the-Course' test. He/she will have to pass Part I and Part II of the Departmental Examination.

NOTE 4.—It should be clearly understood by the probationers that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Customs and Central Excise Service Class I which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any such change.

Indian Defence Accounts Service

Junior Time Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Time Scale : Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.

Junior Administrative Grade : Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Senior Administrative Grade Level I. Rs. 2500—125/2—2500.

Senior Administrative Grade, Level-I. Rs. 2500—125/2—2750.

Controller General of Defence Accounts : Rs. 3000 (fixed).

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior time scale and will count their service for increments from the date of joining. The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

NOTE 2.—The Officers on probation will not be allowed the pay above the stage of Rs. 700 unless they pass the departmental examination in accordance with the rules in force from time to time; provided further that in the case of an officer who does not pass the 'end-of-the-course' test at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment shall be postponed by one year from the date on which he would have drawn it on passing Part I of the Departmental Examination or up to the date on which the second increment accrues to him on passing Part II of the aforesaid examination, whichever is earlier.

9. *Indian Income-tax Service Class I.*—(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided

that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failures to pass the departmental examinations within a period of 3 years will involve loss of appointment.

(b) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become an efficient Income-tax Officer, the Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit provided that in respect of appointment to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) If the power to make appointments in the service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) *Scales of Pay.*

Income-tax Officer, Class I.

(Junior scale) (i) Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

(Senior scale) (ii) Rs. 1100—50—1600.

Assistant Commissioner of Income-tax.—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Commissioner of Income-tax.

(i) Rs. 2250—125/2—2500 (Level II).

(ii) Rs. 2500—125/2—2750 (Level I).

(f) During the period of probation an officer will undergo training at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie and the Indian Revenue Service (Direct Taxes) Staff College, Nagpur. At the end of training at Mussoorie, he/she will have to pass the 'end-of-the-course' test. In addition, I and II departmental examinations will also have to be passed during the period of probation. On passing the 'end-of-the-course' test and the 1st Departmental Examination, his/her pay will be raised to Rs. 740. On passing the 2nd departmental examination, the pay will be raised to Rs. 780. The pay beyond the stage of Rs. 780 will not be allowed unless he/she is confirmed and has completed 3 years of service subject to such other conditions as may be found necessary.

In case he/she does not pass the end of the course test at the Academy, the first increment will be postponed by one year from the date on which he/she would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE.—It should be clearly understood by probationers that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Income-tax Service, Class I, which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequences of any such changes.

11. Indian Ordnance Factories Service, Class I (Non-Technical Cadre).—(a) Selected Candidates will be appointed as Assistant Managers (Probationers). The period of probation will be two years which may be reduced or extended by the Government on the recommendation of the Director General Ordnance Factories. An Assistant Manager (Probationers) will undergo such training as shall be provided by Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language tests will include a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation, Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has, in the opinion of Government, been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit, provided that before orders of discharge are passed, the officer shall be apprised by competent authority of the

grounds on which it is proposed to discharge him and be given an opportunity to show cause against it.

(b) The Assistant Managers (Probationers) in the Indian Ordnance Factories Service would draw pay in the prescribed scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300. During the period of probation, they will be required to undergo training in the various branches of the Department and in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie, in a foundational course of training.

(c) (i) Selected candidates shall, if so required, be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training, if any; provided that such person (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Services (Field Service Liability) Rules 1957, published under S.R.O. No. 92 dated 9th March 1957 as amended. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down therein.

(d) The following are the rates of pay admissible:

Assistant Manager	:	Junior Scale:
Technical Staff Officer	:	Rs. 700—40—900—EB— 40—1100—50—1300.

Deputy Manager/Deputy Assistant Director General, Ordnance Factories	:	Rs. 1100—(6th year or under)—50—1600.
-------------------------------------------------------------------------	---	------------------------------------------

Manager /Senior Deputy Assistant Director General, Ordnance Factories	:	Rs. 1,100—50—1,400*
--------------------------------------------------------------------------	---	---------------------

Deputy General Manager/Assistant Director General, Ordnance Factories, Grade II	:	Rs. 1,300—60—1,600— 100—1,800*
------------------------------------------------------------------------------------	---	-----------------------------------

Assistant Director General Ordnance Factories Grade I	:	Rs. 2,000—125/2—2250.
-------------------------------------------------------	---	-----------------------

Deputy Director General Ordnance Factories	:	(i) Rs. 22,50—125/2—2500. for 50% of the posts.
--------------------------------------------	---	----------------------------------------------------

*Prerevised scales of pay.
Revised pay scales are under study. (ii) Rs. 2,500—125/2—2750 for 50% of the posts.

(e) A Probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

12. Indian Postal Service.—(a) Selected candidates will be under training in this department for a period which will not ordinarily exceed two years. During this period they will be required to pass the prescribed departmental test.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer under training is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of training Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of training for such further period as Government may think fit provided that in respect of appointment to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) If the power to make appointment in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Scales of Pay :—

- (i) Junior Time Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
- (ii) Senior Time Scale—Rs. 1100—50—1600.
- (iii) Junior Administrative Grade—Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (iv) Senior Administrative Grade (Level II)—Rs. 2250—125/2—2500.
- (v) Senior Administrative Grade (Level-I)—Rs. 2500—125/2—2750.
- (vi) Senior Member P & T Board—Rs. 3000.

(f) The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(g) It should be clearly understood by the officers on probation that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Postal Service which Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any such changes.

(h) Selected candidates will be liable to serve in the Army Postal Service in India or abroad as required by Government.

13. *Indian Railway Accounts Service.*—(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years during which the service will be liable to termination on three months' notice on either side. The period of probation may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations.

Government may terminate the appointment of a Probationary Officer who fails to pass all the Departmental Examinations within three years of the date of appointment.

(b) Probationers of the Indian Railway Accounts Service will also be required to undergo training in two phases at the Railway Staff College, Baroda, and to pass the tests prescribed by the College authorities. The tests in the College are compulsory and a second chance in the event of failure will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officer is such that such relaxation may be made. They may, however, be put on to a working post on satisfactory completion of two years' training but they may not be confirmed till they have passed the tests at the Railway Staff College, Baroda and passed the higher and lower departmental examinations.

(c) Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This Examination may be the 'Praveen' Hindi Examination conducted by the Directorate of Education, Delhi, on behalf of the Ministry of Home Affairs or one of the equivalent Examinations recognized by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780 p.m. unless he fulfills this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

(d) Officers (including probationers) of the Indian Railway Accounts Service recruited under these rules—

- (a) will be governed by the Railway Pension Rules; and
- (b) shall subscribe to the State Railway Provident Fund (non-contributory) under the rules of that Fund; as amended from time to time.

(e) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave in accordance with the liberalised leave rules as in force from time to time.

(f) If for any reason not beyond his control, a probationer in the Indian Railway Accounts Service wishes to withdraw from training or probation he will be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation.

(g) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(h) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(i) Scale of pay :—

Junior Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale : Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.

Junior Admn. : Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Senior Admn. :

(i) Rs. 2250—125/2—2500.

(ii) Rs. 2500—125/2—2750.

(b) Increment from Rs. 740 to Rs. 780 will be stopped if they fail to pass the prescribed Departmental Examination within the two years' probationary period. The probationary period will be extended and on their passing the prescribed Departmental tests and being subsequently confirmed their pay will, from the date following that on which the last departmental examination ends, be fixed at the stage in the time scale which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

In case, any of the probationers does not pass the 'end-of-the-course-test' at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior Scale and will count their service for increments from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740 p.m. to Rs. 780 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however, be regulated subject to the provisions of Rule 2018A-(I)R.II [F.R. 22-B(1)].

14. *Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II).*

(a) (i) A candidate selected for appointment shall be required to be on probation for a period which shall not ordinarily exceed 2 years. During this period he shall be required to undergo such course of training as may be prescribed by Government.

(ii) The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however, be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(b) During the period of probation a candidate will be required to pass the prescribed departmental examination.

(c) (i) If in the opinion of Government, the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him after apprising him of the grounds on which it is proposed to do so and after giving him an opportunity to show cause in writing before such order is passed.

(ii) If at the conclusion of the period of probation an Officer has not passed the Departmental Examination mentioned in sub-para (b) above, Government may, in its discretion, either discharge him from service, or if the circumstances, of the case so warrant, extend the period of

probation for such period as Government may consider fit.

(iii) On the conclusion of the period of probation Government may confirm an officer in his appointment, or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him after apprising him of the grounds out of which it is proposed to do so and after giving him an opportunity to show cause in writing before such order is passed or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.

(d) No annual increment which may become due will be admissible to a member of the Service during his probation unless he has passed the departmental examination. An increment which was not thus drawn will be allowed from the date of passing of the departmental examination.

(e) In case, any of the Probationers does not pass the 'end-of-the-course-test' at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or upto the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

(f) The scales of pay are as under :—

Administrative Posts

(i) Director, Military Lands and Cantonments—Rs. 1,800—100—2,000—125—2,250.

(ii) Deputy Director, Military Lands and Cantonments—Rs. 1,300—60—1,600.

(iii) Asstt. Director Military Lands and Cantonments—Rs. 1,100—50—1,400.

Class I

(iv) Senior Scale—Rs. 1,100—(6th year or under)—50—1,600.

(v) Junior Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Class II

(vi) Executive Officers and Asstt. Military Estates Officers—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(g) (i) Class I Senior Scale Officers will normally be appointed as Deputy Assistant Directors, Military Estates Officers and Executive Officers to Class I Cantonments.

(ii) Class I Junior Scale Officers will normally be appointed as Executive Officers to Class I Cantonments and Class II Cantonments to which sub-clause (i) of Clause (e) of subsection (4) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 is applicable.

(iii) Class II Executive Officers will normally be appointed to Cantonments other than those mentioned in (i) and (ii) above.

(h) (i) All promotions will be made by selection (seniority being considered only when the claims of two or more candidates are equal on merits) by Government on the recommendations of a Departmental Promotion Committee appointed in this behalf by the Government. On promotion from Class II to Class I, pay will be regulated under the Fundamental Rules.

(ii) No officer will normally be promoted to Class I unless he has completed three years of service in Class II.

(i) The Revised Leave Rules, 1933, as amended from time to time will apply.

(j) No member of the Service shall undertake any work not connected with his official duties without the previous sanction of Government.

(k) The Military Lands & Cantonments Service carries with it a definite liability for service in any part of India as well as for Field Service in India.

(l) A candidate appointed to the service shall be governed by the Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II) Rules, 1951, as amended from time to time.

15. Indian Railway Traffic Service.

(a) Candidates selected for appointment will be appointed as probationary officers in the Indian Railway Traffic Service for a period of three years during which they will undergo the training as indicated in para (m) and put in a minimum period of one year's probation in a working post. If the period of training has to be extended in any case due to the training having not been completed satisfactorily the total period of probation will be correspondingly extended.

(b) If for any reasons not beyond his control a probationer in the Indian Railway Traffic Service wishes to withdraw from training or probation, he will be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation.

(c) Appointments to the service will be on a probation for a period of three years during which the service of the officers will be liable to termination by three months notice on either side. Probationary Officers will be required to undergo practical training for the first two years. Those who complete this training successfully and are otherwise considered suitable will be placed in charge of a working post, provided they have passed the prescribed departmental and other examinations. It must be noted that these examinations should as a rule be passed at the first chance and that save under exceptional circumstances a second chance will not be allowed. Failure to pass any of the examinations may result in the termination of service and will, in any case, involve stoppage of increment.

At the end of one year in a working post the Probationary Officers will be required to pass final examination both practical and theoretical, and will as a rule, be confirmed if they are considered fit for appointment in all respects. In cases where the probationary period is extended for any reason, the drawal of the first and subsequent increments on their passing the departmental examinations, and on being confirmed, will be subject to the rules and orders in force from time to time.

(d) Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the 'Praveen' Hindi Examination conducted by the Directorate of Education, Delhi, on behalf of the Ministry of Home Affairs or one of the equivalent examinations recognised by the Central Government.

No probationary Officer can be confirmed or his pay increased in the time scale raised to Rs. 780 p.m. unless he fulfills the requirements; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

(e) Officers (including probationers) of the Indian Railway Traffic Service recruited under these rules :—
(a) will be governed by the Railway Pension Rules; and

(b) shall subscribe to the State Railway Provident Fund (non-contributory) under the rules of that Fund;

- as amended from time to time.
- (f) Pay will commence from the date of joining service. Service for increments will also count from that date.
- (g) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave in accordance with the liberalised leave rules as in force from time to time.
- (h) Officers will ordinarily be employed throughout their service on the railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim as a matter of right to transfer to some other Railway. But the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service to any other railway or project in or out of India.

(i) Scales of pay :—

Junior Scale : Rs. 700—40—900—FB—40—1100—50—1300.

Senior Scale : Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.

Junior Admn. Grade : 1500—60—1800—100—2000.

Senior Admn. Grade :

(i) Rs. 2250—125/2—2500.

(ii) Rs. 2500—125/2—2750.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum on the Junior Scale and will count their service for increments from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examination that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740 p.m. to Rs. 780 p.m. in the time scale.

Increment from Rs. 740 to Rs. 780 will be stopped if they fail to pass the Departmental Examination within the first two years of the training and probationary period. The probationary period will be extended and on their passing the prescribed Departmental tests and being subsequently confirmed, their pay will from the date following that on which the last departmental examination ends be fixed at the stage in the time scale which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

In case any of the probationers does not pass the 'end-of-the-course-test' at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE 2.—The pay of a Government Servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer, will, however, be regulated subject to the provision of Rule 2018A(1-R.II[F.R.22-B.(1)]).

- (j) The increments will be given for approved service only and in accordance with rules of the Department.
- (k) Promotions to the administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection; mere seniority does not confer any claim for such promotion.
- (l) Courses of training for probationers in the Indian Railway Traffic Service.

NOTE 1.—The Government of India reserve the right to reduce at their discretion the period of training in the case of candidates who have had previous training or experience either in India or elsewhere.

NOTE 2.—Probationers will also have to undergo training at the Railway Staff College, Baroda, in two phases. The test in the Staff College is compulsory and a second chance

22-491 GI/74

in the event of failure will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the Officer is such that such a relaxation may be made. Failure to pass the test may involve the termination of service and in any case the officer will not be confirmed till they pass the tests, their period of training and/or probation being extended as necessary.

NOTE 3.—The programme of training given below has been drawn up chiefly for the purpose of guidance it may be varied at the discretion of General Managers to suit particular cases provided that the total aggregate period of training is not ordinarily curtailed.

NOTE 4.—During the period of training, the probationer has to work as a Guard and Master, Assistant Station Master, Station Master, Yard Foreman, Train Examiners, Assistant Loco Foreman, Assistant Controller etc. as detailed below. After completion of training when the probationer is posted against a working post, his duties involve travelling with no facilities for camping at way side stations. He has to visit sites of accidents at odd hours and inspect Control offices and stations. The work is arduous and will involve night duties.

(m) (1) Length of course—Two years.

S. No.	Item	Period (Weeks)
1	2	3
1	Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie . . .	17
2	Railway Staff College, Baroda (First Phase) . . .	12
3	Area School to learn Guard's duties (Phase I) . . .	4
4	Working as Guard . . .	3
5	Booking/Parcel office, Goods shed and Transhipment shed . . .	10
6	Traffic Accounts and Travelling Inspector of Accounts . . .	5
7	Area School to learn duties of Assistant Station Master (Phase II) . . .	4
8	Working as Yard Master, Assistant Station Master, Station Master, Yard Foreman and Train Examiner . . .	13
9	Working as Assistant Loco Foreman . . .	1
10	Assistant Controller . . .	4
11	Deputy Chief Controller, Power Controller . . .	6
12	Railway Staff College, Baroda, Phase II . . .	6
13	<i>Training on the Eastern Railway</i>	
(a) <i>Asansol Division</i> .		
(i) Coal Pilot Working 15 weeks		2.5
(ii) Working of Andal & Asansol Yards Complex including Durgapur Steel Plant . . .		
(b) <i>Dhanbad Division</i>		
(i) Coal allotment procedure including field trip to yards, such as PEH and Karanpura including washeries such as PEH & Dugda . . .		2
(ii) Working of coal area Supdt's organisation . . .		
(c) Mughalsarai Marshalling Yard including visits to Manduadih—Delhi-on-Ganges . . .		
		1

1	2	3
14. Training on South Eastern Railway		
(i) Chakradharpur Division Bondamunda Yard, Rourkela Steel Plant, including visit to Captive Mines .		1·5
(ii) Bilaspur Division		
Bhillai Marshalling Yard, Bhillai Steel Plant and visit to Chirimiri and Manen-dragarh colliery areas .		1·5
15. Training in allotted Railways		
(a) Headquarters office (Opg.) 4·00		8·00
(b) Headquarters office (Commercial) 4·00		
Period set apart for journey time for taking up various items of training and inescapable leave .		2·5
Total	104 weeks or 24 month	

(2) Provided he passes the examination at the end of his two years' training, a probationer will be given charge of a working post on probation for a further year.

(3) Examination will be held as may be required at the close of courses as well as at intervals during the period of training.

NOTE.—Before a probationer is put to work independently as a Guard, Assistant Station Master, Station Master, Yard Foreman, Assistant locomotive Foreman or Assistant Controller he must be examined by a responsible officer of the administration in the respective duties for each of these posts and declared qualified.

16. The Central Secretariat Service, Section Officers' Grade, Class-II—

(a) The Central Secretariat Service has at present the following grades:—

Grade	Scale of Pay
Selection Grade Deputy Secretary or equivalent	Rs. 1,500—60—1,800— 100—2,000.
Grade I Under Secretary	Rs. 1,200—50—1,600.
Section Officers' Grade	Rs. 650—30—740—35— 810—EB—35—880—40— 1,000—EB—40—1,200.
Assistant's Grade	Rs. 425—15—500—EB— 15—560—20—700— EB—25—800.

Selection Grade and Grade I are controlled by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms), on an all-Secretariat basis. Section Officer/Assistants' Grades however, are controlled by the Ministries.

Direct recruitment is made to the Section Officers' Grade and to the Assistants' Grade only.

(b) Direct recruits to the Section Officers' Grade will be on probation for 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests will result in the discharge of the probationers from service.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been

unsatisfactory. Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further periods as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Section Officers will normally be heads of Sections while officers of Grade I will normally be incharge of Branches consisting of one or more sections.

(f) Section Officers will be eligible for promotion to Grade I in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Officers of Grade I of the Central Secretariat Service will be eligible for appointment to the Selection Grade of the Service and to other higher administrative posts in the Central Secretariat.

(h) As regards leave pension and other conditions of Service Officers of the Central Secretariat Service will be treated similarly to other Class I and Class II Officers.

17. The Indian Foreign Service, Branch 'B', Integrated Grade II and III of the General Cadre (Section Officers' Grades)—

16·2/3% of the substantive vacancies in the Integrated Grade II & III of the Indian Foreign Service, Branch 'B' (Class II) are filled by direct recruitment through the U.P.S.C. The scale of pay attached to this grade is Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200.

(b) Direct recruits to the Section Officers' Grade will be on probation for two years during which period they will be required to undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the prescribed tests may result in the discharge of probationers from service.

(c) On the conclusion of the period of probation, Government may confirm an officer in his appointment subject to availability of permanent posts or if his work and conduct have, in the opinion of Government been unsatisfactory, may either discharge him from the service or may extend the period of his probation for such further period as Government may deem fit. The total period of probation will not exceed 3 years.

(d) If the power to make appointments in the service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government prescribed in the above clause.

(e) Officers appointed to this service will normally be Heads of Sections. While employed at the Headquarters of the Ministry of External Affairs/Ministry of Foreign Trade they will be designated as Section Officers and sometimes Administrative Officers. While serving in Indian Missions abroad, their designation will be Registrars, although for local purposes they may be called Attachés with diplomatic status.

(f) Section Officers will be eligible for promotion to Grade I of the General Cadre of the IFS (B) in the scale of Rs. 1,200—50—1,600 in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Officers of the Grade I of the General Cadre of the IFS (B) will in turn be eligible for appointment to posts in the senior scale of IFS (A) in the scale of pay of Rs. 1200 (6th year or under)—50—1300—60—1600—FB—60—1900—100—2000, in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(h) The Indian Foreign Service, Branch (B) is confined to the Ministry of External Affairs and Indian Missions abroad and the officers appointed to the service are not normally liable to transfer to other Ministries except the Ministry of Foreign Trade. They are however, liable to serve anywhere inside or outside India.

(i) During service abroad, IFS (B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the

cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS (B) Officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government.
- (ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme.
- (iii) Return air passage to India and back to the place of duty abroad up to a maximum of two throughout an officer's service for special emergencies such as the death or serious illness of an immediate relation in India as may be defined by the Government.
- (iv) Annual return air passage for children between the ages of 8 and 21 studying in India to visit their parents during vacation subject to certain conditions.
- (v) An allowance for the education of children up to a maximum of two children between the ages of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time.
- (vi) Outfit allowance in connection with service abroad, in accordance with the prescribed rules and at rates fixed by Government from time to time. In addition to ordinary outfit allowance, special outfit allowance is admissible to officers posted in countries where abnormally cold climatic conditions exist.
- (vii) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

(j) The Revised Leave Rules, 1933 as amended from time to time will apply to members of the service subject to certain modifications. For service abroad, except in some neighbouring countries, officers are entitled to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Revised Leave Rules.

(k) While in India officers are entitled to such concessions as are admissible to other Central Government servants of equal and similar status.

(l) Officers of the IFS (B) are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules 1960 as amended from time to time and by orders issued thereunder.

(m) Officers appointed to this service are governed by the Liberalised Pension Rules, 1950 as amended from time to time and by orders issued thereunder.

18. *The Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistant Civilian Staff Officers Grade, Class II.*—(a) Armed Forces Headquarters Civil Service, has at present five grades as follows :—

Grade	Scale of Pay
(1) Joint Director (Class I)	Rs. 1,500—60—1800.
(2) Senior Civilian Staff Officer (Class I)	Rs. 1,500—60—1,800.
(3) *Civilian Staff Officer (Class I)	Rs. 740—30—800—50—1,150.
(4) Assistant Civilian Staff Officer (Class II Gazetted)	Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200.
(5) Assistant (Class II non-Gazetted)	Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

*The scale of pay of the above Grade is likely to be revised shortly in the light of the recommendations of the IIIrd Pay Commission).

(4) Assistant Civilian Staff Officer (Class II Gazetted) Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200.

(5) Assistant (Class II non-Gazetted) Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

The above Service caters for the Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisations of the Ministry of Defence.

Direct recruitment is made to the Assistant Civilian Staff Officers' Grade and to the Assistants Grade only.

(b) Direct recruits to the Assistant Civilian Staff Officers Grade will be on probation for 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests will result in the discharge of the probationers from service.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment, or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further periods as Government may think fit.

(d) If the power to make appointment in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) In the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations of the Ministry of Defence, Assistant Civilian Staff Officers will normally be heads of Sections while Civilian Staff Officers will normally be in charge of one or more Sections.

(f) Assistant Civilian Staff Officers will be eligible for promotion to the Grade of Civilian Staff Officer in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Civilian Staff Officers of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be eligible for appointment to the Grade of Senior Civilian Staff Officer of the Service and to other administrative posts in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(h) As regards leave, pension and other conditions of service, officers of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be governed by the rules, regulations and orders in force from time to time in respect of civilian paid from the Defence Services Estimates.

19. *Customs Appraisers Service, Class II.*—

(a) Recruitment is made in the grade of Appraiser in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Appointments are made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Board of Excise and Customs may prescribe. They will not be allowed to draw pay above the stage of Rs. 680 unless they pass the prescribed departmental Examination in full.

(b) If on the expiration of the period of probation or any extension thereof the appointing authority is of the opinion that the selected candidate is not fit for permanent employment or if at any time during such period of probation or extension thereof he is satisfied that the candidate will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation he may discharge him from the service or pass such orders as he thinks fit.

(c) On the successful completion of the period of probation and after passing of the departmental examination the officers will be considered for confirmation in the grade.

(d) Appraisers will be eligible for promotion to the next higher grade of Assistant Collector in the Indian Customs and Central Excise Service Class I (Rs. 700-1300) in accordance with the rules in force.

(e) Regarding leave and pension the officers will be treated like other Class II officers in Central Government departments. As regards other terms and conditions of their service they will be governed by the provisions in the Recruitment Rules for the Customs Appraisers' Service, Class II. These rules particularly provide that the members of the

Service will be liable to posting in any equivalent or higher posts under the Central Board of Excise and Customs anywhere in India.

20. Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service Class II—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Government may prescribe.

(b) If in the opinion of the Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient the Government may discharge him forthwith.

(c) The officers who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

(d) Scales of Pay—

Grade I (Selection Grade) Rs. 1,200—50—1,600.

Grade II—Time Scale—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A person recruited on the results of competitive examination shall, on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale, provided that if he held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in the Service shall be regulated under the provisions of Fundamental Rule 22-B(1). The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

(e) Officers of the Service are entitled to get dearness allowance at the Central Government rates applicable to employees drawing pay revised Central scales of pay.

(f) In addition to dearness allowance officers of the Service are entitled to draw compensatory (city) allowance, house rent allowance and allowances to compensate for higher cost of living in hill station expensiveness incidental in remote localities etc. if they are posted at places either for training or on duty where such allowances are admissible.

(g) Officers of the Service are governed by the Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service Rules, 1971 and such other regulations as may be made or instructions issued by the Central Government for the purpose of giving effect to those Rules. In regard to matters not specifically covered by the aforesaid Rules or by regulations or orders issued thereunder or by special orders they are governed by the rules, regulations and orders applicable to corresponding officers serving in connection with the affairs of the Union.

21. Goa, Daman and Diu Civil Service, Class II—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union territory of Goa, Daman and Diu may prescribe.

(b) If in the opinion of the administrator the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, the administrator may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the administrator may think fit.

(d) An officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union territory of Goa, Daman and Diu.

(e) Scales of pay—

Grade I (Selection Grade)—Rs. 1100—50—1600.

Grade II (Time Scale)—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A person recruited on the results of competitive examination shall on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale:

Provided that if he held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service his pay during the period of his probation in service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

Officers of the Service will be eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Administrative Service in accordance with the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955.

(f) Officers of the Service are governed by Goa, Daman and Diu Civil Service Rules, 1967 and such other regulations as may be made or instruction issued by the administrator for the purpose of giving effect to those rules.

22. Pondicherry Civil Service, Class II—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union Territory of Pondicherry may prescribe.

(b) If in the opinion of administrator the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient the administrator may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the administrator may think fit.

(d) An officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union Territory of Pondicherry.

(e) Scales of pay :—

Grade I (Selection Grade)—Rs. 1100—50—1600.

Grade II (Time Scale)—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A person recruited on the results of competitive examination shall on appointments to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale :

Provided that if he held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in Service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

Officers of the Service will be eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Administrative Service in accordance with the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955.

(f) Officers of the Service are governed by Pondicherry Civil Service Rules, 1967 and such other regulations as may be made or instruction issued by the administrator for the purpose of giving effect to those rules.

APPENDIX IV

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India, reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board].

The classification of various Services under the two categories, namely "Technical" and "Non-technical" will be as under :—

A. TECHNICAL

- (1) Indian Railway Traffic Service.
- (2) Indian Police Service and other Central Police Services, Class II.

B. Non-TECHNICAL

IAS, IFS, IA & AS, Indian Customs Service, Indian Railway Accounts Service, Indian Defence Accounts Service, Income Tax Officers (Class I), Indian Postal Service, Military Lands and Cantonments Service Class I and II, Class II posts in the Railway Protection Force and other Central Civil Services Class I & II.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, for certain services the minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows :—

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
(1) Indian Railway Traffic Service, class II posts in the Railway Protection Force.	152cm 150cm	84cm 79cm	5cm (for men) 5cm (for women)
(2) Indian Police Service, and Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Police Service Class II.	165cm 150cm	84cm 79cm	5cm (for men) 5cm (for women)

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc., whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown

on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidates' chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses for different types of Services.

Class of Service	Distant vision		Near vision	
	Better Eye (Corrected vision)	Worse Eye	Better Eye (Corrected vision)	Worse Eye
I.A.S., I.P.S. and Central Services				
Class I & II				
(i) Technical . . .	6/6 or 6/9	6/1 6/9	J/I	J/II
(ii) Non-Technical . .	6/9	6/12	J/I	J/II
(iii) I.O. F. S. . .	6/6 or 6/9	6/18 6/9	J/I	J/II

(d) (i) In respect of the Technical Services mentioned above and any other Services concerned with the safety of public, the total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00 D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(ii) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

(e) *Field of Vision*: The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness*: Broadly there are two types of night blindness. (1) as a result of Vit. A deficiency and (2) as a result of Organic disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa. In (1) the fundus is normal, generally seen in younger age group and in nourished persons and improves by large doses of Vit. A in (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set up, and equipment; and thus are not possible as a routine test in a medical check up. Because of these technical considerations, it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employees.

(g) *Colour Vision*: The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned above. As regards the non-Technical Services/posts, the Ministry/Department concerned will have to inform the Medical Board that the candidate is for a service requiring colour vision examination or not.

Colour perception should be graded into a higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below:—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour Perception
1. Distance between the lamp and candidate .	16'	16'
2. Size of aperture .	1.3 mm.	13 m.m.
3. Time of exposure .	5 seconds	5 seconds

For the Indian Railway Traffic Service Class II posts in the Railway Protection Force and for other Services concerned with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates shown in good light and a suitable lantern like Edridge Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient in respect of the Services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests both the tests should be employed. However, both the Ishihara's plates and Edridge Green's lantern shall be used for testing colour vision of candidates for appointment to the Indian Railway Traffic Service.

(h) Ocular conditions other than visual acuity:—

(i) Any organic disease or a progressive refractive error, which is likely to result in lowering the visual acuity, should be considered a disqualification.

(ii) *Squint*: For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence

of squint should not be considered as a disqualification if the visual acuity is of the prescribed standards.

(iii) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has subnormal vision the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has

(i) 6/6 distant vision and J/I near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required

provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standards of visual acuity will NOT apply to candidates for posts/services classified as 'TECHNICAL'. The Ministry/Department concerned will have to inform the medical board that the candidate is for a 'TECHNICAL' post or not.

(iv) *Contact Lenses*: During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows:—

(i) With young subject 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 m.m. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- | | |
|----------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| (1) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. | Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency. |
| (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. | Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decible in speech frequencies of 1000 4000. |
| (3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type. | <ul style="list-style-type: none"> (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present — Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (II) below : (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit. (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit. |
| (4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides. | <ul style="list-style-type: none"> (i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity — Fit for both technical and non-technical jobs. |

- | | |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| (ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical job. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid. | |
| (5) Persistently discharging ear-operated/unoperated | Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs. |
| (6) Chronic inflammatory/allergic condition of nose with or without bony deformities of nasal septum. | <ul style="list-style-type: none"> (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal Septum is present with Symptoms—Temporarily unfit. |
| (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx. | <ul style="list-style-type: none"> (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/ or larynx—Fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit. |
| (8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. | <ul style="list-style-type: none"> (i) Benign tumours—Temporarily unfit. (ii) Malignant Tumors—Unfit. |
| (9) Otosclerosis. | If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit |
| (10) Congenital defects of ear, nose or throat; | <ul style="list-style-type: none"> (i) If not interfering with functions.—Fit. (ii) Stuttering of severe degree—Unfit. |
| (11) Nasal Poly | Temporarily Unfit. |
| <ul style="list-style-type: none"> (b) that his speech is without impediment; (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filed teeth will be considered as sound); (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound; (e) that there is no evidence of any abdominal disease; (f) that he is not ruptured; (g) that he does not suffer from hydrocele varicose veins or piles; (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints; (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease; (j) that there is no congenital malformation or defect; (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution. (l) that he bears marks of efficient vaccination; and (m) that he is free from communicable disease. | |
| <p>11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.</p> | |

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidate filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50.00 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may if they like enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeals should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates; otherwise requests for second medical examination by an Appellate Medical Board, will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Boards would be taken by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeal accompanied by the prescribed fee.

MEDICAL BOARD'S REPORT

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority as the case may be, that he has no disease constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment, to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Defence Accounts Service are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate, the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise of field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to the effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (in block letters).
2. State your age and birth place.
3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower ? Answer "Yes" or "No" and if the answer is "Yes" state the name of the race.
3. (b) Have you ever had small-pox intermittent or any other fever enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis ?
4. When were you last vaccinated
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other causes ?
6. Furnish the following particulars concerning your family

Father's age, if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
---------------------------------------------	------------------------------------------	--------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------

Mother's age, if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
---------------------------------------------	------------------------------------------	-------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------

7. Have you been examined by a medical Board before ?
8. If answer to the above is 'Yes', please state what Service/Services you were examined for ?
9. Who was the examining authority ?
10. When and where was the Medical Board held ?
11. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known ?

I declare all the above answers to be, to the best of my belief true and correct.

Candidate's Signature

Signed in my presence.

Signature of the Chairman of the Board.

NOTE—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statements. By willfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of Medical Board on (name of candidate) physical examination.

1. General development : Good.....Fair
- poor
- Nutrition : Thin.....Average
- Obese
- Height (Without shoes)..... Weight
- Beat Weight.....When ?.....any recent change in weight
- Temperature
- Girth of Chest.

(1) After full inspiration

(2) After full expiration

2. Skin : Any obvious disease
3. Eyes :
- (1) Any disease
- (2) Night blindness
- (3) Defect in colour vision
- (4) Field of vision
- (5) Visual acuity
- (6) Fundus examination

Acuity of vision	Naked with eye glasses	Strength of glass sph. Cyl. Axis
------------------	------------------------	----------------------------------

Distant vision

R.E.
L.E.

Near vision

R.E.
L.E.

Hypermetropia.
(Manifest)

R.E.
L.E.

4. Ears : Inspection.....Hearing Right Ear.....
Left Ear.....
5. Glands.....Thyroid
6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.....
If yes, explain fully—

8. Circulatory System :
(a) Heart : Any organic lesionsRate
Standing

After hopping 25 times

2 minutes after hopping

(b) Blood pressure : SystolicDiastolic

9. Abdomen : GirthTenderness

Hernia

(a) Palpable : LiverSpleen

KidneysTumours

(b) HaemorrhoidsFistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System : Any abnormality.....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele
Varicocele etc.
Urine Analysis

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

NOTE :—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit *vide Regulation 9*.

15. (i) State the Service for which the candidate has been examined :

(a) I.A.S. & I.F.S.

(b) I.P.S. and Delhi & Andaman & Nicobar Islands Police Service

(c) Central Services. Class-I & II

(ii) Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in :

(a) I.A.S. & I.F.S.

(b) I.P.S. and Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service

(see especially height, chest girth, eye sight, colour blindness and locomotive system).

(c) Indian Railway Traffic Service
(see especially height, chest, eye sight, colour blindness).

(d) Other Central Services Class
I/II

.....
(iii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE — —

Note.—The Board should record their findings under one of the following three categories :—

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of
- (iii) Temporarily unfit on account of

Place

Date

Chairman
Member
Member

**MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING
(DEPTT. OF FAMILY PLANNING)**

New Delhi, the 17th February 1975

RESOLUTION

No. 8-16/74-OSV(C&G).—The Government of India have decided to constitute a Tripartite National Committee on Family Welfare Planning in replacement of the present All India Workers Committee on Family Planning constituted under the Department of Family Planning Resolution No. 2-28/73-Ply, dated the 21st July, 1973. The composition of the Tripartite National Committee on Family Welfare Planning will be as follows :—

Chairman

1. Union Minister of Health and Family Planning.

Vice-Chairman

2. Union Deputy Minister of Health & Family Planning.

3.—7. A representative each of :

Members

(1) Ministry of Health and Family Planning.

(2) Ministry of Finance.

(3) Ministry of Labour.

(4) Planning Commission.

(5) Employees' State Insurance Corporation.

8. Chairman, Central Board of Workers' Education.

9.—25. One representative each of :

Members

(1) Indian National Trade Union Congress.

(2) All India Trade Union Congress.

(3) Hind Mazdoor Sabha.

(4) Centre of Indian Trade Unions.

(5) United Trade Union Congress.

(6) United Trade Union Congress (Lenin Sarani).

- (7) Bhartiya Mazdoor Sangh.
- (8) Joint Consultative Machinery (Staff Side).
- (9) National Front of Indian Trade Unions.
- (10) Indian Federation of Independent Trade Unions.
- (11) Labour Progressive Federation.
- (12) National Labour Organisation.
- (13) Hind Mazdoor Panchayat.
- (14) Employers' Federation of India.
- (15) All India Organisation of Employers.
- (16) All India Manufacturers' Organisation.
- (17) Bureau of Public Enterprises.

26. Shri K. B. Chettri, M.P.

27. Shri V. B. Karnik.

28. Miss Mani Ben Kara,

Member-Secretary

29. Joint Secretary and Commissioner,
Family Planning,
Department of Family Planning,
New Delhi.

2. The functions of the Committee will be as follows :

- (i) to evolve appropriate policies, formulate specific programmes, identify areas of weakness and suggest corrective measures and evaluate the progress of Family Welfare Planning Programmes and activities in the Organised Sector.
- (ii) to enlist the support and cooperation of trade unions and managements in the field of education and motivation of workers; and
- (iii) to give expert advice to Government on the implementation of the schemes in the Organised Sector.

3. The Members of the Committee shall normally hold office for a period of two years.

4. The Committee will hold its meetings as often as necessary.

5. The expenditure on the T.A. and D.A. of Ministers and officials for attending the meetings of the Committee shall be met from the same source from which their salary is drawn. The T.A. and D.A. of non-official members for attending meetings of the Committee shall be regulated in accordance with the provision of SR 190 and Orders of the Government of India thereunder as issued from time to time.

6. The expenditure involved will be met from the budget grant under the Major Head :

Under Major Heads :—

"281-B-Family Planning-B-Directions and Administration—B.1(1)-Technical Wing at the Headquarters-B1(1)(3)—Travel Expenses (Plan) under Demand No. 42—Family Planning".

ORDER

ORDERED THAT a copy of this Resolution be communicated to all Ministries of the Government of India and all State Governments/Union Territories and that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

GIAN PRAKASH, Secy.

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF FOOD)**

New Delhi, the 27th February 1975

RESOLUTION

No. 156(13) /73-PY.I.—By their Resolution No. 167 (14) /73-PY.I.—dated 28th December, 1973 Government have constituted a Committee to examine the difference in the gradation and classification of paddy as also in the price differential between grades adopted in different States to bring about uniformity and the common approach to these problems. Government have now decided to amend the above resolution as under :—

1. The constitution of the Committee will be as follows :—

Chairman

1. Shri A. K. Majumdar,
Joint Secretary,
Department of Food.

Members

2. Shri S. K. Ghose,
Financial Adviser,
Department of Food.
3. Shri O. N. Bajpai,
Chief Commercial Manager,
Food Corporation of India,
New Delhi.
4. Dr. S. V. Pingale,
Manager (QC).
Food Corporation of India,
New Delhi.
5. Dr. N. S. Agarwal,
Joint Commissioner (QC),
Department of Food,
New Delhi.
6. Deputy Commissioner (QC),
Department of Food,
New Delhi.

Member - Secretary

7. Shri K. B. Thiagarajan,
Retired Deputy Secretary,
Department of Food,
New Delhi.

2. The Committee will submit its report to the Government by the 31st December, 1975.

ORDER

ORDERED THAT a copy of this Resolution be communicated to all the State Governments and all members of the Committee.

ORDERED ALSO that this Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. K. AGARWAL, Dy. Secy.

**MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
TRANSPORT WING**

New Delhi, the 20th February 1975

RESOLUTION

No. MTC(16) /74-MT.—The Central Government is pleased to make further the following amendment to the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) Resolution No. MTC(16) /74-MT, dated the 16th November, 1974 :—

"Against serial number 25, the entry "Shri Krishnand Rai, Ex-MLA, Ghazipur, Uttar Pradesh,—Non-official Member" shall be inserted".

ORDER

ORDERED THAT a copy of this Resolution be communicated to the Private and Military Secretaries to the President, the Prime Minister's Secretariat, the Cabinet Secretariat, all the Ministries of the Government of India, all the State Governments, the Port Trusts and the Director General of Shipping, Bombay.

ORDERED ALSO that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

D. D. JOSHI, Jt. Secy.

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 22nd February 1975

RESOLUTION

No. 13016/9/71-PHE(CUW).—The term of the Committee on Urban Wastes, which was constituted *vide* Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) Resolution No. Q13016/9/71-PHE dated the 6th May, 1972, was extended upto the 31st December, 1974 *vide* Ministry of Works and Housing Resolution No. 13016/9/71-PHE(CUW) dated the 25th July, 1974. It has now been decided to extend the term of the Committee for a further period of six months with effect from the 1st January, 1975.

ORDER

1. ORDERED THAT this Resolution be communicated to :

- (i) Lok Sabha Secretariat, (ii) Rajya Sabha Secretariat, (iii) Prime Minister's Secretariat, (iv) Cabinet Secretariat, (v) Planning Commission, (vi) Private and Military Secretary to the President, (vii) Comptroller and Auditor General of India (viii) All Ministries and Departments of the Government of India, (ix) All State Governments and Union Territories, (x) The Pay and Accounts Officer, Ministry of Supply, New Delhi, (xi) A.G.C.R., New Delhi, (xii) I.C.M.R., New Delhi, (xiii) Council of Scientific and Industrial Research, New Delhi, (xiv) Central Public Health Engineering Research Institute, Nagpur, (xv) All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta.

2. ORDERED THAT the Resolution be published in the Gazette of India.

PRAKASH NARAIN, Dy. Secy.

